

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 10]

नई बिल्ली, शनिवार, मार्च 8, 1975 (फाल्गुन 17, 1896)

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 8, 1975 (PHALGUNA 17, 1896)

इस माग में भिन्न पृष्ठ लंख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a Separate compilation)

भाग ॥।...खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

सघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 श्रगस्त 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I—सघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिवालय सेवा सवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी ग्रिधकारी श्री बी० एन० एड्डी को राष्ट्रपति द्वारा, 3-7-1974 से 2-10-1974 तक तीन महीने की अवधि के लिए ग्रथवा किसी नियमित अधिकारी के कार्य ग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न ग्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है

एम० ग्रार० भागवत ग्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) सघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनाक 28 जनवरी 1974

म० ए० 32013/5/74-प्रणा०-1—संघ लोक सेवा भ्रायोग के केन्द्रीय सिववालय मेवा सवर्ग के निग्नलिखित स्थायी ग्रनुभाग ग्रिधिकारियों को, जिन्हें कार्मिक तथा प्रणास-निक सुधार विभाग (मल्रीमडल सिववालय) ग्रिधिसूचना स० 4/58/74-सी० एस०(I) दिनाक 20 जनवरी, 1975 द्वारा 486GI/74

उनके नामों के सामने निर्दिष्ट तारीखों से श्रागामी श्रादेणों तक केन्द्रीय सिचवालय मेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था सघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उन्हीं तारीखों से स्थानापन्न श्रवर सिचव नियुक्त किया गया है:——

ग्रधिकारी का नाम	तारीख जिससे के०स०से० के ग्रेड-ामे नियुक्ति की गई
1. श्री भ्रार० पण्डित	27-12-1974 (पूर्वाक्ष)
2. श्री चेला राम म्नानन्द	27-12-1974 (पूर्वाह्म
3 श्री श्रार० श्रार० शिमरे	27-12-197 (पूर्वो स्त)

प्र० ना० मुखर्जी अवर सचिव सघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 जनवरी 1975

सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०III—संघ लोक सेवा, श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री ए० के० गु'त को राष्ट्रपति, द्वारा 25-11-74 से 10-1-75 तक 47 दिन की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उत सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड- में स्थानापन्न श्राधार पर कार्य करने के लिए नियक्त किया जाता है।

दिनांक 7 फरवरी 1975

सं० ए० 12025 (II)/2/74-प्रशा०-III—मंत्रीमंडल सिचवालय (कार्मिक और प्रणासितक सुधार विभाग) के का० ज्ञा० सं० एफ० 5/44/74-सी० एस० (I) दिनांक 28-12-74 के अनुसरण में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थापी सहायक श्री बी० एन० अरोड़ा (जो इस समय सं० लो० से० आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के संवर्ग वाह्य पद पर प्रतिनियुक्त हैं) को राष्ट्रपति द्वारा 28-12-74 से आगामी आदेश तक उसी संवर्ग में उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. संघ लोक सेवा म्रायोग की म्रिधिसूचना सं० ए० 11013/2/74-प्रशा०-II दिनांक 29-10-74 के भ्रनुसार श्री बी० एन० भ्ररोड़ा संघ लोक सेवा म्रायोग के कार्यालय में भ्रनुभाग भ्रधिकारी (विशेष) के संवर्ग वाक्ष्य पद पर भ्रागामी भ्रादेश तक कार्य करते रहेंगे।

सं० ए० 12025 (II)/2/74-प्रशा०-II—मंद्रीमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० ज्ञा० सं० पी० 5/44/74-सी० एस० (J) दिनाक 28-12-74 के श्रनुसरण में तथा इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III दिनांक 30-3-74 में श्रांशिक संशोधन करते हुए संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री श्रार० पी० टंडन को, राष्ट्रपति हारा 28-12-74 से श्रागामी श्रादेश तक उसी संवर्ग में उसी सेवा के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में स्थानापश्न स्था से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 12025 (II)/2/74-प्रशा०-III—मंत्रीमंडल सिचवालय (कार्मिक भौर प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० ज्ञा० सं० एफ० 5/44/74-सी० एस० (I) दिनांक 28-12-74 के श्रनुसरण में तथा इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं० ए० 32014/1/74-प्रशा०-III दिनांक 15-1-75 में श्रांशिक संशोधन करते हुए संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिचवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री के० एल० सूरी को, राष्ट्रपति द्वारा 28-12-74 से श्रागामी श्रादेश तक उसी संवर्ग में उसी सेवा के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

स० ए० 12025 (II)/2/74-प्रशा०-III—मंत्री मंडल सिचवालय (कार्मिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० ज्ञा० सं० एफ० 5/44/74 सी० एस० (I) दिनांक 28-12-74 के श्रनुसरण में तथा इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं०

ए० 32014/1/74-प्रशा:III दिनांक 28-8-74 में म्रांशिक संशोधन करते हुए संघ लोक सेवा म्रायोग में केन्द्रीय सिंच- वालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एन० म्रार० मेहरा को, राष्ट्रपति द्वारा 28-12-74 से म्रागामी स्रादेश तक उसी संवर्ग में उसी सेवा के म्रनुभाग म्रिधकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-1--संघ लोक सेवा स्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्रमुभाग स्रधिकारी ग्रेड के स्थायी स्रधिकारी श्री स्नार० पी० कुकरेती को, राष्ट्रपति द्वारा 6-1-1975 से 21-1-1975 तक (दोनों दिनों सहित) 16 दिन की श्रवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा श्रायोग में केन्द्रीय सिवालय सेवा संवर्ग के श्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड के स्थायी श्रधिकारी श्री बी० एन० एड्डी को, राष्ट्रपति द्वारा, 28-12-74 से 28-2-75 तक 63 दिन की श्रवधि के लिए श्रथवा नियमित श्रधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रणा०-I- संघ लोक सेवा भ्रायोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के श्रनुभाग श्रिधकारी ग्रेड के स्थायी श्रिधकारी श्री बी० श्रार० वर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 19-12-1974 से 16-1-1975 तक 29 दिन की श्रवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी श्रवर सचिव, (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय, महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नई दिल्ली, 110001, दिनांक 6 फरवरी 1975

सं० श्रो० 2-101/71-स्था०—-राष्ट्रपति, मेजर के० ए० कृष्णन, महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के संयुक्त सहायक निदेशक (क्रिप्टोग्राफी) की मृत्यु 24 जनवरी 1975 अपराह्म को श्रति शोकपूर्वक घोशित करते हैं।

दिनांक 7 फरवरी 1975

सं० म्रो०-II-904/73 स्था०— डाक्टर श्रीमती ज्यूतसना रानी सबेन ने जनके त्याग पत्न के स्वीकृत होने पर सैंकड बेस हास्पिटल श्रवादी से किनाट चिकित्सा श्रधिकारी पद का त्याग 27 जनवरी पूर्वाह्म, 1975 से कर दिया।

> एस० एन० माथुर, सहायक निदेशक (प्रशासन)

वित्त मंत्रालय भारत प्रतिभृति मुद्रणालय, (ग्रर्थ विभाग)

नासिक रोक्; विनांक 31 जनवरी 1975

सं० 3331/ए०— डा० (श्रीमती) श्रनुपमा चन्द्रकांत श्रावलगांवकर जिनकी मूल नियुक्ति श्रवर चिकित्सा श्रिधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय श्रम्पताल नासिक रोड में 20-11-69 से तदर्थ रूप में पहली बार तीन महीने के लिए हुई थी श्रीर बाव में श्रिधिसूचना सं० 4923/ए० दिनांक 14-1-74 के श्रनुसार दिनांक 30-6-74 तक के लिए सेवा जारी रखी गयी, श्रागे इसी तरह 31-3-1975 तक काम करती रहेगी श्रथवा उस समय तक यदि इसके पूर्व ही कथित पद की पूर्ति (के० स्था० से० के श्रंतर्गत) सं० सो० से० श्रा० द्वारा नियमित नियमित से कर दी जाए।

सं० 3332/ए०—-डा० वसंत श्रीधर सहस्त्रबुद्धे, एम० बी० बी० एस० जिनकी मूल नियुक्ति श्रवर चिकित्सा श्रिधि-कारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय ग्रस्पताल नासिक-रोड में दिनांक 14-8-1973 से तदर्थ रूप में पहली बार एक साल के लिए हुई थी, देखिए प्रधिसूचना सं० 2199/ए० दिनांक 17-8-1973, श्रागे इसी तरह 31-3-1975 तक काम करते रहेंगे श्रथवा उस समय तक यदि इसके पूर्व ही कथित पद की पूर्ति (के० स्वा० से० के श्रांन्तर्गत) सं० लो० से० श्रा० द्वारा नियमित नियुक्ति से कर दी जाए।

वि० ज० जोशी, महा प्रबंधक, भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

आर्थिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय, देवास, दिनांक 4 फरवरी 1975

सं० बी० ए० पी०/ई०/स्पे०/27—श्री रा० ग्र० मिश्र भ्रनुभाग श्रधिकारी, वित्त मंत्रालय, ग्राधिक कार्य विभाग को बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में किनष्ठ प्रशासकीय श्रधिकारी के तौर पर की गई स्थापनापन्न नियुक्ति दिनांक 1 जनवरी, 1975 से 31 मार्च 1975 तक या पद को भर्ती नियमों के श्रनुसरण में नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पूर्वतर हो, तदर्थ रूप से निरन्तर की जाती है।

> श्चार० रामास्वामी, विशेष कर्तव्य ग्रधिकारी

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विमाग भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1975

सं० 4489-जी०ई०-1/298-73---भारतीय प्रशासन सेवा इत्यादि परीक्षा, 1973 का परिणाम घोषित होने पर, भार-तीय लखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के निम्नलिखित प्रधिकारियों का भारतीय प्रशासन सेवा में नियुक्ति हैत् चयन किया गया था और प्रत्येक के सम्मुख लिखी हुई तारीख से उनको भार-तीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग से कार्यमुक्त कर दिया गया है:—

नाम	पदनाम/कार्यालय	तारीख जिस दिन से कार्य- मुक्त किया गया
सर्वश्री		
1. बी० पक्शी राजा	. भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा परिवीक्षार्ध भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा स्टाफ कालिज,	(श्रपराह्न) ोन,
2. श्रार० एन० बेर्वा	बही	12-7-74 (अपराह्न)
3. लम्बोर रीन्जाह	. –वही–	12-7-74 (ध्रपार ह्न)
4. त्रिलोक कुमार दीव	ान . –बही	1 2-7-7 4 (ग्रपराह्न)
5. वेंकटेश्वरन रामना	थ . सहायक महालेखा- कार (परीवीक्ष पर), महालेखा- कार, जम्मू व कश्मीर का कार्या लय, श्रीनगर	सा (ग्रपराह्न)

दिनांक 16 अक्तूबर 1974

सं० 6396-जी०ई०-I/के०-6/बी०एफ०--श्री ए०ए० कृष्णन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को मूल नियम 56 (ख) के श्रधीन 11 अप्रैल, 1974 से सेवा-निवृत्त होने के लिए श्रनुमति वी गई है।

दिनांक 1 नवम्बर 1974

सं० 6303-जी०ई०-I/सी०-८/पी०एफ०-IV--28 स्रप्रैल, 1974 की छुट्टी को जोड़ने की स्रनुमति सहित 20 प्रप्रैल, 1974 से 27 अप्रैल, 1974 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री पी० सी० कल्ला, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 29 स्रप्रैल, 1974 (पूर्वाह्न) को मुख्य लेखापरीक्षक, मध्य रेलवे, बम्बई का कार्य-भार संभाल लिया।

दिनांक 6 नवम्बर 1974

सं० 6877-जी०ई०-I/ए०-31/पी०एफ०-III—श्री ए० वी थडारकार, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, का सर-कारी सेवा से त्यागपत्न 28 सितम्बर, 1974 के श्रपराह्न से स्वीकृत कर लिया गया है।

दिनांक 4 दिसम्बर 1974

सं० 7372-जी०ई०-I/147-74—महालेखाकार, राजस्थान ग्रीर चण्डीगढ़ का चण्डीगढ़ शाखा कार्यालय (जिसको इस कार्यालय की ग्रिधसूचना संख्या 3556-जी०ई०-1/147/74 दिनांक 19 जून, 1974 के भ्रनुसार राजस्थान कार्यालय के साथ सम्बद्ध किया गया था) 1 दिसम्बर, 1974 से महालेखाकार, राजस्थान ग्रीर चण्डीगढ़ के कार्यालय से महालेखाकार, राजस्थान ग्रीर चण्डीगढ़ के कार्यालय से महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय को स्थानान्तरित कर दिया गया है। परिणामतः महालेखाकार, राजस्थान और चण्डीगढ़ व महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश का पदनाम बदल कर कमशः महालेखाकार, राजस्थान व महालेखाकार हिमाचल प्रदेश ग्रीर चण्डीगढ़ कर दिया गया है।

दिनांक 18 दिसम्बर 1974

सं० 7599-जी०ई०-I/टी०-3/पी०एफ०—भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक ने, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा के बरिष्ठ वेतन-मान के श्रिधिकारी श्रीबी० एस० टाइल को 14 दिसम्बर, 1973 से 8 मार्च, 1974 तक भारतीय लेखा तथा लेखा-परीक्षा सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में श्रस्थायी रूप से श्रीर श्रपने वरिष्ठ श्रधिकारियों के दावों को क्षति पहुंचाए बिना, स्थानापन्न करने के लिए सहर्ष पदोक्षत किया है।

दिनांक 21 दिसम्बर, 1974

सं० 7726-जी० ई०-I/ब्रार०-II/पी० एफ०-III—-राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड (केन्द्रीय सरकार का उपक्रम) में 29 जनवरी, 1974 से जनहित में स्थायी विलयीकरण के परिणामस्वरूप श्री सी० एस० बेनुगोपाला राव को केन्द्रीय सिवल सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 37 के श्रनुसार उसी तिथि से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हुश्रा समझा जाता है।

दिनांक 1 जनवरी 1975

सं० 7848-जी०ई०-I/जी०-15/पी०एफ०-V-20 सितम्बर 1974 से 6 नवम्बर, 1974 तक की छुट्टी से लौटने पर तथा सामान्य कार्यग्रहण श्रवधि व्यतीत करने के पश्चात् श्री के० एस० भटनागर, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 18 नवम्बर, 1974 को मूख्य लेखा परीक्षक रेलवे उत्पादन, यूनिट, कलकत्ता का कार्यभार सम्भाल लिया। उन्होंने श्री एस० सी० वनर्जी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा को कार्य-भार से मुक्त किया, जो छुट्टी पर जा रहे हैं।

सं० 7849-जी०ई० -I/आर-13/पी०एफ०-III—18 प्रक्तू-बर श्रौर 30 अक्तूबर, 1974 की छुट्टियों को जोड़ने की अनुमति सहित 19 श्रक्तूबर, 1974 से 29 अक्तूबर 1974 तक की छुट्टियों से लौटने पर श्री के० एस० रंगामूर्ति, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 31 अक्तूबर, 1974 (पूर्वाहन) को मुख्य लेखापरीक्षक उत्तर रेलवे नई दिल्ली का कार्य-भार सम्भाल लिया, उन्होंने श्री जी० बी० सिंह, भारतीय लेखा तथा लेखा-परीक्षा सेवा, को कार्य-भार से मुक्त किया।

सं० 7850-जी०ई०-I/एस०-21/पी०एफ०-IV-29 नवम्बर, 1974 की छुट्टी को जोड़ने की अनुमति सिंह्स 26 नवम्बर, 1974 से 28 नवम्बर, 1974 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री एस० सेधुरमन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 30 नवम्बर (पूर्वाह्न) को निदेशक, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा स्टाफ कालिज, शिमला का कार्य-भार सम्भाल लिया।

सं० 7863-जी०ई०-I/एन०-7/पी०एफ०---17 श्रक्तूबर, 1974 से 18 नवम्बर, 1974 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री ए० एन० नागेश्वरन, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 19 नवम्बर, 1974 को मुख्य लेखा परीक्षक, दक्षिण पूर्व रेलवे, सिकन्दराबाद, का कार्यभार सम्भाल लिया। उन्होंने श्री ए० जी० नारायणास्वामी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, को कार्यभार से मुक्त किया।

सं० 7864-जी०ई०-I/ग्रार०-55/पी०एफ०--1, 14 ग्रीर 15 दिसम्बर, 1974 की छुट्टियों को जोड़ने की श्रनुमति सहित 2 दिसम्बर, 1974 से 13 दिसम्बर, 1974 तक की छुट्टियों से लौटने पर श्री ग्रार० के० ए० सुन्नामण्या, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 16 दिसम्बर, 1974 को महालेखा-कार, उड़ीसा, भुवनेश्वर का कार्य-भार सम्भाल लिया।

दिनांक 9 जनवरी 1975

मं० 36-जी०ई०-I/बी०16/पी०एफ०IV---18 नवम्बर, 1974 से 15 विसम्बर 1974 तक की छुट्टी से लाँटने पर श्री एस० सी० बनर्जी, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा सेवा, ने 16 दिसम्बर, 1974 से मुख्य लेखारीक्षक, दक्षिण पूर्व रेलवे, कलकत्ता का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 41-जी०ई० I/जे०-4/पी०एफ० V---28 ग्रक्तूबर, 1974 से 30 नवम्बर, 1974 तक की छुट्टी से लौटने पर श्री डी०डी० जैरथ, भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा, सेवा, ने 30 नवम्बर, 1974 (ग्रपराह्म) से महालेखाकार I, उत्तर प्रदेश, इलाहबाद का कार्य-भार संभाल लिया। उन्होंने श्री ग्रार० एन० जोशी, भारतीय लेखातथा लेखापरीक्षा सेवा, को कार्य-भार से मुक्त किया।

महेन्द्र प्रकाश गुप्त, सहायक नियन्त्रक महालेखापरीक्षक (कार्मिक)

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 30 जनवरी 1975

सं० प्रशासन-I/5-5/पदोन्नति/74-75/2701—श्रीमान महा-लेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने इस कार्यलय के एक स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी श्री पी० एल० वली, को दिनांक 22 जन-वरी, 75 (पूर्वाह्म) से अगले श्रादेश होने तक रु० 840-1200 के समय वेतन मान में लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर कार्य करने हेतु नियुक्त किया है।

> ह० अपठनीय वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रणासन)

	राँची	2 दिनौंक		-1975	5	
सं०	—मह	ालेखाकार	बिहार,	श्रपने	कार	र्गलय
के श्री सत्य	रजन गांग	ती स्थायी	<u>श्रन्भा</u>	ग द्यधि	कारी	को
इसी कार्यालय						
भ्रादेश होने तब				-, ,,		
पदोन्नत करते						_
• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	<i>Q</i> ,					_

महालेखाकार का कार्यालय बिहार रांची-2

ब० प्र० सिह, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) बिहार।

महालेखाकार महाराष्ट्र I कार्यालय महाराष्ट्र

बम्बई, दिनांक

1975

सं० एष्टमन०-1/ग्राई०ए०डी०/31-Vol. 111—महालेखाकार महाराष्ट्र-! बम्बई, ग्रधीनस्थ लेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सम्मुख निर्दिष्ट किए गए दिनांक से भ्रागामी श्रादेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा ग्रधिकारी नियक्त करते हैं।

	नाम	<u>-</u>		दिनांक
1.	श्री एम० डी० जोशी .			16~10-74 भ्रपराह्र
2.	श्री ए० जी० कुलकर्णी			1-11-74 पूर्वाह्न
3.	श्री एस० ए० हारनहल्ली	٠	•	9-10-74 पुर्वाह्यः
4.	श्री वाई० डी० जोशी	-	•	21-10-74 पूर्वाह्य

ऋ० नाम रोस्टर सं० सहित सं०	ग्रेड
सर्वश्री	
1. बी०देव राय (पी०/127) .	स्थायी लेखा ग्रधिकारी
$_2$. जे० एन० वत्स $\left(ext{पी०}/613 ight)$.	स्थायी लेखा श्रधिकारी
3. पी०के० बरवा (श्रभी नियत नही	
हुग्रा)	स्थापनापन्न लेखा श्रधिकारी
4. के० वी० के० नायर, (ग्रभी नियत	
नहीं हुग्रा)	स्थानापन्न लेखा श्रधि- कारी

5. श्री ए० एस० नारायनन्	•	9-10-74
		भ्रपराह्न
 श्री पी० डी० देशपाण्डे 	•	22-10-74
		पूर्वाह्न
7. श्री एस० परमेश्वरन .	•	28-10-74
		पूर्वाह्न
8. श्रीके० व्ही० नाडकर्णी	i	22-10-74
		पूर्वाह्न
9. श्रीव्ही०डी० जोशी	-	9-12-74
		पूर्वाह्न
10. श्री टी० एस० कोहली		30-12-74
		पूर्वाह्न

ए० बी० पोलेपकर, वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंक

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरीम्र 1975

सं० 71019(6)/74-प्रशा० II—संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा सन् 1973 में ली गई संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के ग्राधार पर राष्ट्रपति श्री गुरू प्रसाद मोहन्ती को 15-1-1975 (पूर्वाह्म) से भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षाधीन सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

सं० 40011(2)/74-प्रणा०-ए०—वार्धक्य निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने कर निम्नलिखित लेखा श्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को श्रन्तरित किया जाएगा:——

तारीख जब से पेंशन को भ्रन्तरित किए ग		संगठन
31-3-75 (श्रपरा	ह्न) रक्षालेखानियंत्र कलकत्ता।	त्रक, (फैक्ट्रोज)
31-3-75 (श्रपरा	, ,, , ,, ,	संयुक्त नियंत्नक, ।
28-2-75 (श्रपरा	, ,	यंत्रक, (फैक्ट्रीज)
30-4-75 (ग्रपरा	ह्न) रक्षा लेखानियं दक्षिण मद्रास	क्षक (ग्रन्य रैंक) ।

ग्स० के० सुन्दरम रक्षा लेखा ग्रपर महा नियंत्रक (प्रशासन) रक्षा मंत्रालय महानिदेशालय रक्षा मंत्रालय आर्डनेंस फैक्टरियां भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा कलकत्ता, दिनांक 5 फरवरी 1975

सं० 7/75/जी०--डी०जी०ग्रो०एफ० निम्नलिखित ग्रधिकारियों को स्थानापन्न श्रफसर सुपरवाइजर के पद पर उनके सामने दी गई तारीख से ग्रागामी श्रादेश न होने तक नियुक्त करते हैं :---

श्री कृष्ण चन्द्र भट्टाचार्य, स्थायी ग्रधीक्षक

10 जनवरी, 1975।

2. श्री मन मोहनलाल नन्दा, स्थायी श्रधीक्षक 10 जनवरी, 1975। एम० पी ० श्रार० पिल्लाय, सहायक महानिदेशक, श्रार्डनेंस फैक्टरियां

श्रम मन्त्रालय श्रम**ब्**यूरो

शिमला-4 दिनांक 8 मार्च 1975

सं० 23/3/75-सी ०पी०आई०—जनवरी, 1975 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) दिसम्बर, 1974 के स्तर 326 (तीम सौ छब्बीस) पर स्थिर रहा। जनवरी, 1975 माह का सूचकांक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 396 (तीन सौ छियानवें) आता है।

कृष्ण कुमार भाटिया, निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई, दिनांक 30 जनवरी 1975

सं० सी०ई०श्रार०/1/75—सूती वस्त्र (नियंत्रण) श्रादेश, 1948 के खण्ड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र श्रायुक्त की श्रधिसूचना सं० सी०ई०श्रार०/1/68 दिनांक 2 मई, 1968 में निम्नलिखित श्रितिरक्त संशोधन करता हूं, श्रर्थात् :---

उक्त श्रिधसूचना में, पैराग्राफ 1 के परंतुक तीन के स्थान पर निम्न परंतुक प्रतिस्थापित किया जाएगा, श्रर्थात् :—

"(तीन) परंतु यह भ्रौर कि 31 मार्च, 1974 के बाद पेक किए बेक्ति बस्त्र प्रभेदों (बेराइटीज) का अधिकतम खुदरा मूल्य, एक्स फैक्ट्री मूल्य से 20 प्रतिशत अधिक होगा, या इस मूल्य से कम श्रन्य मूल्य होगा। यदि कोई राज्य सरकार ग्रपने राज्य में बिकने वाले वस्त्र के लिए ऐसा मूल्य निर्धारित करे।"

गौरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र श्रायुक्त

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक

1975

सं० 51/62/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्बेक्षण के सहायक प्रशासिक प्रधिकारी श्री प्रेमनाथ को प्रशासिक प्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु०

के बेतनमान में, ग्रस्थयी क्षमता में, ग्रन्य ग्रादेश होने तक; 16-11-1974 के पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

[PART III—SEC. 1

सं० 2339 (एस० के० डी०) 19 बी०—श्री सिखेन्द्र किशोर दे, एम० एस० सी० को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभौतिकीविद के रूप में 650 रु० मासिक के न्यूनतम बेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, अन्य आदेण होने तक, 19 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 40/59/सी०/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रधीक्षक श्री एस० सी० बाल्मीिक को उसी विभाग में सहायक प्रणासनिक प्रधिकारी के रूप में वेतन नियमानुसार 650—30—740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000द०रो० 40-1200 र० के वेतनमान में, प्रस्थायी क्षमता में प्रन्य प्रादेश होने तक, 10-12-1974 केपूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (डी० जे० डी० जी०)/19 ए०—श्री ध्रुव ज्योति दास गुप्ता को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रू० माहवार के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810—द० रो०—35-880-40-1000—द० रो०—40-1200 रू० के वेतनमान में, श्रस्थायी क्षमता में, श्रन्य श्रादेश होने तक, 16-12-1974 के पूर्वाह्र से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (एस० एस०)/19 ए०--श्री सतन् सरकार को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० माहवार के श्रारंभिक वेतन पर रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, श्रस्थायी क्षमता में, श्रस्य श्रादेश होने तक, 4-1-1975 के पूर्विद्व से नियुक्त किया जाता है।

सं० 22/66/19 ए०—खनिज समन्वेषण निगम लि० (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री बी० पी० मेहता ने भंडार श्रिधकारी के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में उसी क्षमता में 30-11-1974 के श्रपराह्म से संभाल लिया है।

सी० करुणाकरन, महानिदेशक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय प्रशासिन शाखा-1

नई दिल्ली-1, दिनांक जनवरी 1975

सं० प्र०-1/1 (1009)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में अवर क्षेत्र अधिकारी श्री एस० के० तालुकदार को दिनांक 6 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्म से तथा श्रागामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कानपुर के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री तालुकदार की सहायक निदेशक (ग्रेड-11) के पद पर नियुक्ति पूर्णतः श्रस्थायी तथा श्री एम० कुप्पुस्वामी द्वारा उच्च न्यापालय दिल्ली में दायर दीवानी याचिका मं० 739/71 के निर्णय के श्रधीन होगी।

दिनांक 5 फरवरी 1975

सं० प्र०-I/1 (374)— राष्ट्रपति, भारतीय पूर्ति मिशन, लंदन में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) श्री ग्रार० नटराजन को दिनांक 3 जनवरी, 1975 के पूर्वाह्न से तथा श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से निवुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1 (751)— राष्ट्रपति, श्री सी० बी० एस० गौरीणंकर, सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) जो दलैक्ट्रोनिक्स कारपोरेशन ग्राफ इंडिया) लि० में विरुठ क्रय ग्रधिकारी के पद पर प्रति नियुक्ति पर थे, को दिनांक 20-1-75 के पूर्वाह्न से तथा श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-III) के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली उप निदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक । फरवरी 1975

सं० ई०-II (7)—इस विभाग की श्रिधसूचना सं० ई०-II (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ा जाये श्रथति:

वर्ग-2 नायट्रेट मिक्सचर के अन्तर्गत

(1) प्रविष्टि 'पी० ग्रार० एम० 12 निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1975 तक' के बाद में 'पी० ग्रार० एम० 21 निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक, को जोड़ दिया जाये।

> इंगुब नरसिंह मूर्ति मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1975

सं० 5 (18)/66-एस०-एक---महानिदेणक, आकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री बी० थम्माविया, प्रसारण निष्पादक, आकाणवाणी, कोहिमा को 2 जनवरी, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

रां० 5 (62)/67-एस०-एक—सहानिवेशक, भ्राकाणवाणी, ानद्द्वारा श्री शिव कुमार, प्रमारण निष्पादक, श्राकाशवाणी, लखनऊ को 6 जनवरी, 19 7 5 से श्रग्रेतर आदेशों तक, श्राकाशवाणी के उलाहाबाद केन्द्र पर ग्रस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

स० 5 (31)/68-एस०-एक--महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, एनद्द्वारा श्री ज्ञान सिंह आर्थे, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण मेवा, श्राकाशवाणी, वस्वई को 1 जनवरी, 1975 से अग्रेतर आदेशो तक, केन्द्रीय विक्रय एकक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, वस्वई केन्द्र पर श्रम्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (20)/69-एस०-एक--महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्रीमती एस० एस० दियेंगदेह, प्रमारण निष्पादक, ग्राकाशवाणी, शिलांग को 23 दिसम्बर, 1974 से ग्रग्नेतर श्रादेशों तक, उसी केन्द्र पर श्रम्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (22)/69-एस०-एक—महानिदेशक, ग्राकाणवाणी, एतद्द्वारा श्री एन० सी० नायक, प्रसारण निष्पादक, ग्राकाणवाणी, सम्बलपुर को 21 दिसम्बर, 1974 से श्रग्नेतर श्रादेशों तक, उसी केन्द्र पर ग्रस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5 (26)/69-एस०-एक—महानिदेशक, आ्राकाशवाणी, एतद्द्वाराश्रीबी० श्रार० हर्जारिका प्रसारण निष्पादक, श्राकाशवाणी डिब्रूगढ़ को 1 जनवरी, 1975 से श्रग्नेतर श्रादेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

विनांक 10 फरवरी 1975

सं० 6 (135)/63-एस०-एक—महानिदेशक, श्राकाशवाणी एतद्द्वारा श्री एस० कनक राव, श्रमारण निष्पादक, श्राकाशवाणी, विशाखापत्तनम् को 24 दिसम्बर, 1974 से ध्रग्नेतर स्रादेशों तक, उसी केन्द्र पर अस्थायी स्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> शान्ति लाल प्रशासन उपनिदेशक इते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1975

शुद्धि-पत्न

सं० 10/10/75-एस०-तीन—इस महानिदेशालय की ग्रिधि-सूचना सं० 2/4/74-एस०-तीन दिनांक 15/18-1-75 के पैरा-एक क्रमांक-2 में उल्लिखित श्री टी० एन० रवीन्द्र के नाम को कृपया श्री टी० एम० रवीन्द्र **पढ़ा जाए**।

> हरजीत सिह प्रशासन उपनिदेशक (दूरदर्शन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक

सं० 17-44/73-एडमिन-1---राष्ट्रपति जी ने श्री ग्रार० एन० पत्रार की 30 जून, 1972 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में वरिष्ठ वास्तृक के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं० 12-29/73-एडिमन-1—श्वी के० मी० चोपड़ा ने, निवृत्तिपूर्ण छुट्टी पर जाते समय 7 जनवरी, 1975 पूर्वाह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक के निजी सचिव (केन्द्रीय सचिवालय श्राशुलिपिक सेवा का सेलेक्शन ग्रेड) के पद का कार्यभार त्याग हिया।

अधिवार्षिकी यय की प्राप्ति पर श्री के० सी० चौपड़ा 31 जनवरी, 1975 ग्रपराह्म से सेवा से निवृत्त हो गये।

> सूरज प्रकाम जिन्दल उप-निदेशक प्रशासन

कृषि मन्त्रालय (कृषि विभाग) कृषि विमानन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1975

सं० एफ० 1-9/74-एडमिन-1—-प्रधोहस्ताक्षरकर्ता, सर्वश्री पी० ग्रार० पविथरन, हेलीकोण्टर मैंकेनिक, जगदीश कुमार और एच० ग्रार० सेनी एयरकाफ्ट मैंकेनिकस को स्थायी रूप से 7 जनवरी 1975 से पूर्वाह्न के कनिष्ठ वायुयान ग्रानुरक्षण अभियन्ता 350-25-500-30-590-ई० बी०-30-800-ई० बी०-30-830-35-900 र० के बेतनमान में सहर्ष ग्राग्रिम सूचना तक पदारूढ़ करते हैं।

एस० पी० सैन, निदेशक कृषि विमानन

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1974

सं० ए० 12025/5/74-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में ग्रस्थायी रूप में तकनीकी श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है:

*		
ऋम सं नाम्	नियुक्ति की तारीख	तैनाती कार्यालय/ स्टेशन
1. श्री एस० पी० कोनार	26-8-74 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन बंबई।
2. श्री डी० अम्बालगन	13-9-74 (पूर्वाह्न)	वैमानिक संचार स्टेशन
3. श्रीरूप चद	16-10-74 (पूर्वाह्न)	कलकत्ता। रेडियो निर्माण तथा विकास
4. श्री राकेश कुमार टंडन	17-10-74 (पूर्वाह्म)	यूनिट, नई दिल्ली। वैमानिक संचार स्टेशन वंबई।

दिनाक 7 फरवरी 1975

सं० ए-35021/1/74-ई० एस०---बौकारो स्टील लिमिटेड में बाह्य सेवा गर्तों पर प्रतिनियुक्ति पर जाते समय श्री टी० के० मोइला ने 11 जुलाई 1974 (श्रपाराह्न) से सहायक विमान निरीक्षक, कार्यालय नियलक वैमानिक निरीक्षण, कलकत्ता के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> हरबंसलाल कोहली उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1975

सं० ए० 38013/1/74-ई०सी०—राष्ट्रपति नागर विमानन विभाग के सहायक संचार ग्राधिकारी, श्री एम० कृष्ण को उपबंध एफ० ग्रार० 56 (के०) के ग्रन्तर्गत 15 जनवरी 1975 (पूर्वाह्र) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की ग्रनुज्ञा देते हैं।

सं० ए० 32014/4/73-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन, श्री ब्राई० एल० राओरा, संचार सहायक की वैमानिक संचार स्टेशन सफदरजग एयरपोर्ट, नई दिल्ली की उसी स्टेशन पर तदर्थ ब्राधार पर 1 अगस्त 1974 से सहायक संचार अधिकारी के पद पर श्री के० एस० गोपालन, सहायक संचार अधिकारी के स्थान पर जो 1-8-1974 (पूर्वाह्म) से 21-9-74 (अपराह्म) तक श्राजत छुट्टी पर थे, के स्थान पर उसी स्टेशन नियुक्त पर किया।

नई दिल्ली तारीख 11 फरवारी 19 75

सं० ए 32014/1/74-ई० सी० राष्ट्रपति निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उनके नामों के सामन दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में सर्वथा तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अभिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:

क्रम सं० नाम	नियुक्ति की	तारीखाः	.——. तैनाती वै संचार	
1 श्री जी० एस० कोची	कर <i>7</i> -1	1-74 (पूर्वाह्म)	बम्बई
2 श्री एम० राघवन	8-1	1-74 (पूर्वाह्न)	मद्रास
3 श्री के०एस० बालासुक	मणियम 28-	11-74 (पूर्वाह्म)	बम्बई
सं० ए० 32013/	6/74-ई०सी	~~-श्री	— एन० स्	 ुन्दरम,
संचार अधिकारी, कार्याल	य प्रभारी ३	रधिकारी,	वैमानिक	संघार
स्टेशन विवेन्द्रम ने निवर्तन	ग्रमायु प्राप्त	कर लेने	ने के प	रिणाम
स्वरूप सरकारी सेवा से	निवृत्तं होने	पर 30 न	वस्बर 1	974

हरबंस लाल कौहली उप निदशक प्रशासन इसे महानिदेशक नागर विमानन

पर्यटन और नगर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3 दिनाक फरवरी 1975

(ग्रपराह्न) को ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है ।

सं० ई०(1)04243—वैधशालाओ के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के ब्रधीन मौसम केन्द्र, द्विवन्द्रम के श्रीपी० पी० कृरियां, व्यावसायिक सहायक को 9 दिसम्बर 1974 के पूर्वाह्म से और श्रागामी श्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं। श्री पी० पी० कुरियां स्थानापम सहायक मौसाम विशेषक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के ब्राधीन मौसम केन्द्र, स्रिबेन्द्रम में ही तैनात रहेंगे।

सं० ६० (1) 03750—इस विभाग के म्रादेश संख्या ६० (1) 03750 दिनांक 27-7-1974 में स्वीकृत छुट्टी की समाप्ति पर निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के म्रधीन मौसम केन्द्र, बंगलीर के श्री एम० सी० पार्थासार्थी, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषक, 31-10-1974 के म्रपराह्न से निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० ई० (1) 04288— वेधशालाओं के महानिवेशक एतंद्-द्वारा वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना के कार्यालय के श्री झार० बेलापा, ब्यायसायिक सहायक को 9 विसम्बर 1974 के पूर्वाह्म से और झागामी झादेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री धार० चेलापा, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ वेध-शालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना के कार्यालय मे ही तैनात रहेंगे।

सं० ६० (1) 04334—विध्रशासाओं के महानिदेशक एतद-द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय के श्री एन० डी० पाटिल, स्थानापन्न ब्यावसायिक सहायक को 9 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्म से और आगामी ग्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एन० डी० पाटिल, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषक्र निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में ही तैनाल रहेंगे।

दिनांक 12 फरवरी 1975

सं० ई० (1) 06033--- विधशालाओं के महानिवेशक एतद्-द्वारा श्री वी० के० भागेंव, व्यावसायिक सहायक, जो कि इस समय महा-पंजीयक, भारत, के कार्यालय में स्थानापन्न जनगणना परि-खालन (तकनीकी) के उप-निवेशक हैं, का इस विभाग में भारतीय मौसम विज्ञान सेवा, श्रेणी-II (केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II) में सहायक मौसम विशेषक के पद पर 6 ग्रगस्त, 1973 से और ग्रागामीं ग्रावेशों तक प्रपत्न पदोन्नति का ग्रनुमोदन करते हैं।

सं० ई०(1) 06122—विधणालाओं के महानिदेशक एसद्-द्वारा वेधणालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री जी० एस० वर्मा स्थानापक व्यावसायिक सहायक को 2-1-1975 के पूर्वाह से आगामी धादेशों तक के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री जी ० एस० वर्मा स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ वेधशालाश्रीं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई विल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04329—विधगालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता के कार्यालय के श्री के० पी० पत्ना स्थानापश व्यावसायिक सहायक को 9 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से और ग्रागामी ग्रादेशों तक स्थानापन्न रूप से सहायक मौसम विशेषश नियुक्त करते ह। श्री के पी पता, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

नूतन दास मौसम विशेषज्ञ कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना, विनांक 6 फरवरी 1975

संव II(7) 1-स्था/70—इस कार्यालय के स्थापन ग्रादेश संव 398/74 दिनांक 30-12-74 जिसके अनुसार श्री श्रार० एन० प्रसाद, निरीक्षक (घरीय श्रेणीं) केन्द्रीय उत्पाद सथा सीमा शुरुक रु० 650-30-740-35-810-व रो०-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 एवं नियमान्तर्गत रूप से श्रधीक्षक, दिलीय श्रणीं, केन्द्रीय तथा सीमा शुरुक के रूप में नियुक्त हुए थे, के मनुसरण में श्री ग्रार० एन० प्रसाद ने श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद बिहारशरीफ एम०भो०ग्रार० का कार्यभार दिनांक 3-1-1975 के पूर्वाह्म से ग्रहण किया।

> हरि नारायण सा**ह्** समा**हर्ता** केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

पूर्ति श्रौर पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग)

पुनर्वास भूमि उधार संगठन मुख्य यांत्रिक ग्रमियंता का कार्यालय जेपुर-764003, विनांक 7 फरवरी 1975

सूचना

सं० वी० .4/10-3308 पी०—कार्यालय पत्न कमांक पी० 1/8/74-2522 दिनांक 7-12-74 जो कि श्री डी० सी० चक्रवर्ती हरकारा यूनिट न० 2 को उनकी सेवा पुस्तिका में दर्शाए गये वर्तमान एवं स्थायी पते पर सहायक श्रीमयंता (हिलिंग) ग्रार०श्रार० ग्रो० एम० बी० 19, मलखानगिरी द्वारा भेजा गया था वह उन्हें बिना विसरित हुए, डाक व तार विभाग द्वारा यह लिखकर कि ''पानेवाला बहुत दिनों से श्रनुपस्थित हैं" कार्यालय को वापिस कर दिया गया है। श्री श्री० सी० चक्रवर्ती, हरकारा, को 15 दिन के श्रन्वर उस कार्यालय को प्रपने वर्तमान पता की सूचना देनी चाहिए श्रन्यथा यह समझा जायेगा कि उपर्मृक्त पत्न जो वापस हुशा है उन्हें मिल चुका है।

त्र० प्र० सक्सेना प्रशासन ग्रधिकारी वास्ते मुख्य यांत्रिक ग्रभियंता

केन्द्र जल आयोग नई दिल्ली, 22 दिनांक फरवरी 1975

सं० क०-32014/7/74-प्रणा० 5—इस आयोग की अधि-सूचना सं० क-32014/7/74-प्रणा० 5, दिनांक 1-11-74 के कम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्दारा श्री एस० गुहा, अनुसन्धान सहायक को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसन्धान केन्द्र पूना में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अभिया-विकी) के ग्रेड में ६० 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतनमान में पुन: 1-1-75 से 31-3-1975 तक की अवधि के लिए अथवा जब तक ग्रेड में नियमित ब्यक्ति उपलब्ध हों, जो भी पहले हों, पूर्णत: अस्थाई एवं तवर्ष रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5—इस श्रायोग की श्रिधि-सूचना सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5, दिनांक 4-12-1974 की कम में श्रध्यक्ष, केद्रीय जल श्रायोग ग्रपने प्रसाद से निम्न-लिखित श्रनुसन्धान सहायकों को स्थानापन्न क्षमता में सहायक अनुसांधान श्रधिकारी (श्रिभियांदिकी) के ग्रेड में केन्द्रीय जल श्रीर विश्वत श्रनुसन्धान केन्द्र, पूना, में ६० 650-30-740-35-810-व० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेसनमान में पुन. 1-1-1975 से 31-3-1975 तक की श्रवधि के लिए श्रथवा जब तक पद नियमित रूप में भरे आएं, जो भी पहले हो, पूर्णतः श्रस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं ——

- 1. श्री वी० रामनाथन
- 2. श्री श्राई० जैंड० पूनावाला
- 3. श्रीमती वाल्सल कुमारी
- 4. श्रीए० जी० काले

वी० जी० मनोन अवर सम्बिव कृते अध्यक्ष केन्दीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1975

सं० क-32014/2/70-प्रशा० 5 (खंड-4) — इस प्रायोग की ग्रिधिसूचना सं० क-32014/2/70-प्रशा० 5 दिनांक 23 फरवरी, 1972 का ग्रिधित्रमण करते हुए, ग्रध्यक्ष, केंद्रीय जल ग्रायोग भ्रपने प्रसाद से श्री के० डी० चौधरी को केंद्रीय जल श्रायोग में ग्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक ग्रायोग में ग्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक ग्रायोग में ग्रिकारी (इंजीनियरी) के पदत्रम में 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-35-900 रुपए के पूर्व संशोधित वेतनमान में 31 ग्रगस्त, 1971 से स्थानापन्न क्षमता में नियमित रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री चौधरी को 31 श्रगस्त, 1971 से दो वर्ष के लिए श्रितिरक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर /सहायक प्रनुस्थान श्रिधकारी (इंजीनियरी) के पदकम में परिवीक्षा पर माना जाएगा तथा केन्द्रीय जल श्रायोग में श्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक श्रनुसन्धान श्रिधकारी (इंजीनियरी) के पद पर दीर्घावधि पर नियुक्ति के लिए उन्हें उस श्रवधि को सतीषजनक रूप में पूर्ण किया हुआ माना जाएगा।

के० पी० बी० मेनन ग्रवर सम्बद **इते ग्र**ध्यक्ष

पूर्व रेलवे

कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1975

स० ए० ई० 2134/प्राम 7/3/1/इलैक०—भारतीय रेलो की बिजली इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षाधीन श्रधिकारी श्री बी० डी॰ ग्रहीरवार को पूर्व रेलवे के बिजली इंजीनियरी विभाग के अवर वेतन संवर्ग में दिनांक 15-12-73 से स्थायी किया जाता है।

> त्री० पी० साहनी, महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्टर का कार्यालय

कम्पनी भ्रधिनियस 1956 भ्रोर श्रलंकार हाऊजिंग एण्ड कण्स्ट्रक्शन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में :--

दिल्ली, दिनांक 7 फरबरी 1975

सं० 4349—-कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि म्रलंकार हाऊजिंग एण्ड कण्स्ट्रक्सन प्राईवेट लिमिटेड का नाम म्राध रिजस्टर से काट दिया गया है। उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

रा० कु० जैन, सहायक रजिस्ट्रार घ्राफ कम्पनीज

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर नवागड़ कोल एन्ड मिनरल्स लिमिटेड के विषय में :---

कलकत्ता दिनांक 31 जनवरी, 1975

स० 13708—महामान्य हाईकोर्ट, कलकत्ता के श्रादेश दिनांक 20 मार्च, 1973 के अनुसरण से नवागड़ कोल एन्ड मिनरल्स लिमिटेड का नाम कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (6) के अन्तर्गत आज दिन पुनः कम्पनियों के रजिस्ट्रार में विशित कर दिया गया है।

जी० एल० साधु, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर अंगेदारा पब्लिकेशन्स लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० 2344/लिक्व०/1089/75—कम्पनी प्रधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि, बंगेदारा पब्लिकेशन्स लिमिटेड का नाम प्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर सुवरना फिलिम प्राईवेट लिमिटेड के विषय में :---

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975 सं० 2108/लिक्व०/110/175—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ब्रनुसरण में एतवृ द्वारा सूचना दी जिंक्ती है कि, सुवरना फिलिंस प्राईवेट लिमिटेड का नाम म्राज रिजस्टर से काट दिया गया है म्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 भीर मेलेपुरा उन्निरी एण्ड अम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० 1916/लिक्व०/1117/75— कम्पनी ऋधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ऋनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेलेपुरा उक्तिरी एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम ऋाज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रौर लोटस पब्लिशिंग हाउस लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, विनांक 29 जनवरी 1975

सं० 1899/लिक्व०/1115/75—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एददृद्वारा सूचना दी जाती है कि लोटस पिल्लिशिंग हाउस लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भौर भ्रल्फोन्सा गिरी एस्टेटस प्राईवेट लिमिटें अ के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० 1851/लिक्य०/1113/75—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि श्राल्फोन्सा गिरी एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भ्रौर पुरापुषा प्लान्टेशनस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० 1821/लिक्य०/1111/75—कम्पनी श्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पुरापुषा प्लान्टेशनस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विचटित हो गयी है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भीर मालावार एँडियल कोर-पोरेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं ० 1746/लिक्व ०/1109/75— कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मालावार ऐंडियल कोर पोरेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विषटिस हो गयी है। कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रीर मालाबार जनरल श्रोडक्टस शाईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

स० 1558/लिक्व०/1107/75—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, मालवार जनरल प्रोडक्टस प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी ऋधिनियम, 1956 श्रीर पी० एम० एकाहाम एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० 961/लिक्व०/1105/75—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पी० एम० एकाहाम एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 ग्रीर वडके काड चिट फन्डस एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राईबेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० 2002/लिक्ब०/1103/75—कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतव्हारा सूचना दी जाती है कि, वडके काड चिट फन्डस एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और एम्पायर एन्टरप्राइसेस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० 2087/लिक्व०/1 101/75—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि एम्पायर एन्टरप्राइसेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर ईवार फार्मा प्रा**ईवेट लिमि**-टेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं ० 2115/लिक्व ०/1099/75--- कम्पनी मधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि ईवार फार्मा प्राईवेट लिमिटेड का नाम माज रिजस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विचटित हो गयी है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 ग्रीर जटाड हायर पर्चेस एण्ड सेलस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुसम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० 2227/लिक्व/1093/75—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ध्रनुसरण में एउद्ह्यारा सूचना दी जाती है कि जेटाड हायर पर्चेस एण्ड सेल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भ्रीर थोम्सन कुरीस एण्ड कैश कैंडिटस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, विनांक 29 जनवरी 1975

सं० 2210/लिक्व०/1095—कम्पनी मधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि थोम्सन कुरीस एण्ड कश कैंडिटस प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट विया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भ्रौर चित्रा एक्सपोर्टस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं ० 2190/सिक्व ०/1097—कम्पनी मधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के मनुसरण में एतदब्रारा सूचना दी जाती है कि चित्रा एक्सपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम माज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मेनो प्रिन्टिंग प्रेस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० 749/लिक्य०/1091—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेनो प्रिन्टिंग प्रेस प्राईवेट लिमिटेंड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भ्रौर चेरिसन्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 29 जनवरी 1975

सं० 246/लिक्य०/1145—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एसद् द्वारा सूचना दी जाती है कि चेरिसन्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 भीर सेन्द्रल ट्रावनकोर चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 11 फरवरी 1975

सं० 214/लिक्व०/1535—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसद द्वारा सूचना दी जाती है कि सेन्ट्रल ट्रावन्कोर चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है। कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रीर कल्पना थियेटरस प्राईकेंड लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 11 फरवरी 1975

सं० 2251/लिक्व०/1537-- कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि कल्पना थियेटरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रौर कोलीग मैंटल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 11फरवरी 1975

सं० 1923/लिक्व०/1550--कम्पनी ब्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ब्रनुसरण में एसद द्वारा सूचना दी जाती है कि कोलींग मेटल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी मधिनियम, 1956 श्रौर नियो ट्रेडिंग एजैन्सी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 11 फरवरी 1975

सं 01828/लिक्व 0/1552-- कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के धनुसरण में एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि नियो ट्रॉडिंग एजैन्सी प्राईवेट लिमिटेंड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और बेबी मिल्स लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 11 फरवरी 1975

सं० 136/लिक्व ०/1554---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि, वेबी मिल्स लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी भक्षिनियम, 1956 श्रीर जौहर पब्लिशिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

एरनाकुलम, दिनांक 11 फरवरी रे 1975

सं० 2241/लिक्व ०/1556 कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 569 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतव द्वारा सूचना दी जाती है कि जौहर पिक्लिशिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम भाज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

> पी० एस० भन्यर, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, कैरल

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 घौर मैसर्स नारनलाल जीवनलाल एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

श्रह्मदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1975

स॰ 560/118—कम्पनी श्रिष्ठिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है, इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैसर्स नारनलाल जीवनलाल एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिमात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स फिजो इन्डस्ट्रीयल कम्पनी <mark>प्राईवेट</mark> लिमिटेड के विषय में।

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी 1975

सं० 560/1762—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं सर्स फिओ इन्डस्ट्रीयल कम्पनी प्राट्टवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिंगत न किया गया तो रिअस्टर से काट दिया आएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स हेटल फाईनान्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 फरवरी 1975

सं० 560/2004—कम्पनी मिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के मनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैससं हेटल फाईनान्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम माज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भौर मैसर्स मनीग्रार प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

श्रहमदाबाद, विनांक फरवरी 1975

स० 560/1201—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुमरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स मनीआर प्राईवेट लिमिटेड का नाम भाज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, श्रहमदाबाद ।

वित्त मंत्रालय

कार्यासय भायकर भायुक्त, लखनऊ, दिनांक 6 दिसम्बर 1974

भावेश

सं० एफ० नं० 81/(सी) (28)/68—मायकर उप-प्रभार जिसे मायकर प्रधिकारी (प्रशासन) सर्किल-1 लखनऊ के नाम से जाना जाता रहा, को एतदढ़ारा दिनांक 6-12-1974 से तोड दिया जाता है।

2. यह मादेश दिनांक 6-12-1974 से प्रभावी होगा।

ई० के० लायल, श्रायकर श्रायुक्त लखनऊ-1 प्रकृप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 5 बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जनवरी 1975

निदेश सं० अ० ६० ५/एच ५/7 ४-7 ५-- अतः, मुझे,

जिंदिन मेहरा, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 5 बम्बई, झायकर झिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इलाम इसके पश्चात झिधिनियम कहा गया है)

भी धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र०से अधिक है भौर जिसकी सं० प्लाटनं० 53, 54, 59 भौर 66 है, जो नाहर गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ताअधिकारीके कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1098 का 16) के प्रधीन 25-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्लरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने के लिए सुविधा के लिए।

अतः अब, बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः— 1. मिनवां डीलर्स प्रा० लि०

(अन्तरक)

2. रेनू शिवकुमार शलमिया

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के झर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो तो :— उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों, का जो श्रायकर श्रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन का वह तमाम दुकड़ा जो भूमि के प्लाट नं० 53, 54, 59 भीर 66 का भाग है। गांव नाहर, मुलुंड के पास बृहत्तर बम्बई में स्थित व मौजूद है, जिसपर उसके साथ निर्मित निर्माण की एक भांग जो माप में 2137 वर्ग फीट समकक्ष 198-53 वर्ग मीटर या भ्रासपास जो संलग्न नकों में काले भीर लालरंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है, जिसकी भूमि का दुकड़ा बंगगत है भीर जगहें रिजस्ट्रेशन उपजिला भीर जिला बम्बई नगर भीर बम्बई उपनगर में स्थित है भौर इस प्रकार घरा है भ्रवात उत्तर की भ्रोर स जगह की जमीन जो माप में 1039.00 वर्ग फीट है द्वारा, दिक्षण की भ्रोर से जगह की जमीन जो माप में 2162 वर्ग फीट है द्वारा, पिचम की भ्रोर से प्लाट नं० 53-54-59, भीर 66 की जमीन में भ्रानित एक पद्दी द्वारा भीर पूर्व की भ्रोर से जमीन की बना बनायी पद्टी द्वारा।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, 5 बम्बई।

विनांक: 25 जनवरी 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, बम्बई

बम्बई, दिनांक जनवरी 1975

एम० मेहरा, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 5 बम्बई, भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इलामे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन प्राधिकारी को, सक्षम यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 53, 54, 59 ग्रौर 66 है, जो नाहुर गांव मृलुन्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बांणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अफ़ीन 25-6-74 को पूर्वोक्त सम्पतिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल केलिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व की उपधारा (1) के अवीन निम्नजिबित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- 1. श्री मिनवीं डिलर्स प्रा० लि०
- (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पादेवी सराफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्मत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिकाषित हैं, वहीं अब होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो प्लाट नं० 53, 54, 59 तथा 66 की भूमि का वह खण्ड बनाया है, गांव नाहुर, मुलुण्ड के पास बृहत्तर बम्बई साथ में उस पर निर्मित एक इमारत जो माप में 2166 वर्ग फीट समकक्ष 201. 22 वर्ग मीटर या झासपास संलग्न प्लान में वाला तथा लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है जिस जमीन का वह तमाम टुकड़ा वंशानुगल है तथा रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर तथा उपनगर में स्थित है और इस प्रकार घरा है धर्यात उत्तर की झोर से उक्त इमारत के एक भाग जो माप में 2166 वर्ग फीट है द्वारा, दक्षिण की ओर से एक उक्त जगह के एक भाग जो माप में 1020 वर्ग फीट है के द्वारा पश्चिम की ओर से उक्त जगह के एक भाग जो माप में 1052. 9 वर्ग फीट है द्वारा और पूर्व की झोर से प्लाट नं० 53, 54, 58 और 66 के भूमि झनिर्मित एक पट्टी द्वारा।

जे०एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-5, बस्कई

सारीखः मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

बायकर बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक जनवरी 1975

निदेश सं० ग्र० ई० 5/108/74-75--- ग्रतः, मुझे,

में० एम० मेहरा, सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 5 वम्बई, श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इलाम इसके पश्चात उक्त श्रीधिनियम कहा गया है)

की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० प्लाटनं० 53, 54, 59 प्रौर 66 है, जो नाहूर गांव मुल्ड में स्थित है (प्रौर इससे उपावद प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यांलय बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-74 को पूर्णोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत स्रक्षिक है भौर यह कि सन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच तय पाया गया ऐसे सन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या;
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

चतः घव, धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्मक्षिष्ठित व्यक्तियों अर्थातः 1. मिनर्वा डिलर्स प्रा० लि०

(अन्तरक)

2. जुमारी निर्मेल डालमिया

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो झायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही भर्षे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो प्लाट नं० 53, 54, 59 त्रौर 66 की भूमि का एक भाग बनाता है, गांव नाहर, मुलुण्ड के पास, वृहलर बम्बई में स्थित भौर मौजूब है, साथ में उस पर निमित इमला का एक भाग जो माप में है 1083 वर्गफीट समकक्ष 100.611 वर्गमीटर या भ्रासपास है भौर संलग्न प्लान में काले और लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शामा गया है जिसकी पैतृक रूप से प्राप्त जमीन का टुकड़ा भौर जगहें रजिस्ट्रोशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर में स्थित है भौर इस प्रकार धिरा हु भ्रा है भ्रयात उत्तर की भोर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1083.00 वर्गफीट है द्वारा, दक्षिण की भोर से भी उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1052.9 वर्गफीट है द्वारा और पूर्व की भोर से प्लाट नं० 53, 54, 59 और 66 की भूमि के एक भाग की भ्रानिंस जमीन की पट्टी द्वारा।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी, नहायक सायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-5, यम्बई

तारीच: -1-75

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० ---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-, दिनांक 28 जनवरी, 1975

निर्देश सं० ए० सि० 81/म्रार० II/कल/74-75--- म्रतः मुझे, श्रार०वी० लालमोया ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से अधिक है **भ्रौर जिसकी** संख्या 24/7 है तथा जो राजा सन्तोष रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-9-74 पुर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्दीकृत विलेख के श्रनुसार ग्रन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्सरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे धन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि= नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

जतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्वात्:—-3—486GI/74

- श्री महाबीर प्रसाद पोद्दार,
 ए०-9/25, वसन्त बिहार,
 नई दिल्ली।
- मैसर्स केयाल कोर्द प्रा० लि० 9 0/1, चौरंगी रोड, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि को हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24/7, राजा संतोष रोड, कलकत्ता में 2 बीघा 10 काटा 11 छटाक 4 स्कोयार फुट जमीन है।

> आर० वी० लालमोमा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज II, रफीअहमद किदवई

तारीख: 28-1-75।

रोड कलकत्ता

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-5 बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जनवरी, 1975

निर्देश सं० ग्र० ई० 5/1/98/3/74-75—— ग्रतः मुझे जे०एम० मेहरा सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज-5 अधिनियम, 1961 (1961 (जिले इलामे इसके पश्चात श्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- ६० से अधिक है ग्रौर जिसकी मं० प्लाटनं० ग्रार० 4-5 है, जो गांव नाहुर मुलुन्ड मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार के अधीम 19 दश्यमान प्रतिफल के मुख्य से कम के **प्र**न्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

भतः, अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखितः व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री ध्रशोक मार्केटिंग लि०

(भ्रन्तरक)

2. मिनर्वा फिलर्स प्रा० लि०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदहारा कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधर्या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (श्वा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० भ्रार०-4 तथा ग्रार०-5 कुल क्षेत्र 1263 वर्गगज, गांव नाहुर, मुलुण्ड, बृहत्तर बम्बई में स्थित है।

> जे० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-5, बस्बई

दिनांक: 25-1-75

प्ररूप आई० टी० एम० एस०----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनाक 29 जनवरी 1975

निर्देश सं० ग्र० ट्ट० 5/110/75/74-75—- श्रतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज-5 बम्बई, ग्रायकर ग्रायिक्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इलामे इसके पण्णात उक्त ग्राधिनियम कहा गया है।) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 71 (श्रंग) सी० टी० एस० 731 (श्रंग सर्वे नं० 66 (श्रंग) सी० टी० एस० नं० 731 (श्रंग है, जो नाहर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ना ग्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन 25-6-74

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अध, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात:—

- श्री पाडुरंग के० भोईर
- (ग्रन्सरक)

2. श्री पदाम कुहोडिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचमां जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रुयनत शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का वह तमाम टुकड़ा जो गांव नाहुर बृहत्तर बम्बई में स्थित श्रीर मौजूद है, जिसका पहले सर्वेक्षण नं० 71 (श्रंश) सी०टी० एस० नं० 731 (श्रश) माप में 9339 वर्गगज समकक्ष 7808.6 वर्ग मीटर या श्रासपास श्रीर दितीय सर्वेक्षण नं० 66 (श्रंश) मी०टी० एस० नं० 731 (श्रंश) माप में 471 वर्गगज समकक्ष 393.8 वर्गमीटर या श्रासपास, दोनो माप में 9810 वर्गगज समकक्ष 8202 4 वर्गमीटर या श्रासपास श्रीर इस प्रकार घरा हुआ है श्रंथित पूर्व की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 66 (श्रंश) सी०टी० एस० नं० 763, 731 की जमीन द्वारा, पश्चिम की श्रोर से लालबहादुर शास्त्री मार्ग द्वारा उत्तर की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 71 (श्रंश) सी०टी० एस० 728 श्रीर 731 की जमीन द्वारा श्रीर दक्षिण की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 72 (श्रंश) सी०टी० एस० 733 श्रीर गारेगांव मुल्लु लिंक रोड द्वारा।

जे० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन-रेंज 5, बम्बई

तारी**ख**: 29-1-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर सायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 5 बम्बई।

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1975

निर्देश सं० ४० दृ० 5/4/107/74-75-- श्रहा मुझे जे० एम० मेहरा सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) भ्रजीन रेज 5 वस्बई अधिनियम, 1961 (1961 आयक्र 269-ख के अधीन सक्षम की धारा प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपए से अधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 53, 54, 59 श्रौर 66 है, जो नाहर गांव, मुलुण्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 25-6-74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के रजिस्ट्रीकृत विलेख ने अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह बश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आययर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अष्ट्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए कार्यभा**ही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखिन किय गये हैं।

अत: अबधारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु: ---

मिनव्हां डिलसे प्रा० लि०

(भन्तरक)

2. कुमारी शशी डालमिया

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सुधना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्क्कारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतदुद्वारा आगे यह अधिसुचित किया जाता है कि हर ऐरी व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपी की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पाटीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का बह तमाम टुकड़ा जो प्लाट नं० 53, 54, 59 तथा 66 की भूमि का एक भाग बनाता है, गांव नाहर, मुलुण्ड के पास, वृहत्तर बम्बई में स्थित है साथ में उस पर निर्मित इमला का एक भाग जो माप में 1067.37 वर्गफीट समकक्ष 99 16 वर्गमीटर या श्रासपास है और संलग्न पलन में काले व साल रंग की सीमा रेखाद्वारा दर्शाया गया है जिसकी पैतृक रूप से प्राप्त जमीन का ट्यङ्ग श्रौर जगहें रजिस्ट्रेशन उपजिसा श्रौर जिला बम्बट्ट नगर ग्रीर बम्बई उपनगर में स्थित है श्रीर इस प्रकार विरा हुआ है प्रथति उत्तरकी स्रोर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1081 वर्गफीट है ब्रारा दक्ष्स्ण की श्रोरसे प्लाटनं० 53, 5 4, 59 ग्रौर 66 की भूमि के एक भाग की श्रनिर्मित जमीन की पट्टी द्वारा, पश्चिम की श्रोर से प्लाटनं० 53, 54, 59 तथा 66 की भूमि के एक भाग की श्रनिर्मित जमीन की एक पट्टी द्वारा ग्रीर पूर्व की ग्रोर से उक्त इमला के एक भाग जो माप में 1052.9 वर्गफीट ग्रथीत 99, 16 वर्गमीटर है द्वारा।

> जे०एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 29-1-75

श्रर्जन रेंज-5, बम्बई

मोहर

प्रारूप आई० टी० पुन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 जनवरी 1975

निर्देश सं० 23-पी०/ग्रर्जन—यतः मुझे, विश्वम्भरनाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 38 है तथा जो शाहगंज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सुल्तानपुर में रिपस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 7-6-1973/7-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और ∫या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने के लिये सुकर बनाना।

अतः अब, धारा 269-ग, के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री राम सरन लाल

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती फुल कली देवी व ग्रन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्छीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता मकाम जिसका क्षेत्रफल (68'×13') है, जोकि मुहल्ला--शाहगंज, जिला सुल्तानपुर में स्थित है।

> विष्यम्भरनाथ सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 25-1-1975

भर्जन रेंज, लखनऊ

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

धायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भाजन रेंज, मदास-II

मद्रास-II, दिन'क 29 जनवरी 1975

निदेश सं० 1348/74-75—-मतः, मुझे, ए० रागवेद्र राव श्रायकर श्रक्षिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० 24, मौन्ट रोड, मद्रास-35 है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जे० एस० ग्रार० ग्रो०; मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 17-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई म्राय की बाबत मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) के मधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना भीर या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना और;

प्रत: ग्रंब, धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत् :— (1) श्री एम० पी० श्रन्सारी, मद्रास-35।

(भ्रन्सरकः)

(भ्रन्तरिती)

(2) श्रीमती शरीफ घनि पूर्तोट्टम; निश्चलम नालृका; तन्त्राऊर जिला ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रिष्ठिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त मध्यों ग्रौर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 35; मौन्ट रोज, होर सं० 24 में 1629 स्क्वेच फीट का प्रहला फलोर (प्लाट सं० 4; अलाक सं० 9; आर० एस० सं० 4/2-ए०/2, टी० एस० सं०: 4)

ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 29-1-1975

प्रकप आई० टी• एम० एस० --

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी, 1975

निदेश सं० 1348-ए०/74-75—यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयक्तर धिंतियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 24, मौन्ट रोड, मब्रास-35 है, (और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० भ्रार० श्रो० मद्रास में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कियत नही किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए खा छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म की उपज्ञारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री एम० पी० ग्रन्सारी; मद्रास-35।

(भ्रन्तरक)

(भ्रन्सरिती)

(2) कुमारी फरीदा बीवी ग्रौर श्री बग्नीर ग्रहमद; निश्नलम तालका, तन्जाऊर जिला।

तालुका, तन्जाऊर जिला।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

का यह सूचना जारा करक पूर्वाक्त सम्पास के अजन का लए एतवृद्धारा कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के प्रति भाक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस स्चना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी एक व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितक किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतवृद्धारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-35, मौन्ट रोड, डोर सं०: 24 में 1629 स्क्वेयर फीट का ग्राउन्ड फ्लोर (प्लाट सं० 4; क्लाक सं० 9; श्रार० एस० सं० 4/2-ए०/2 टी० एस० सं० 4)।

ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहामक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 29-1-1975

म्रजैन रेंज II, मद्रास

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 क्य 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 29 जनवरी, 1975

निर्वेश सं० 3172/74-75---यतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० तिरुचि; पेट्टवातले गांवमें एस० सं०२२/5; 23/4; 23/6; 25/1, 25/3; 26/4; 26/3; 27/6; 27/6; 20/1 भीर 31/1 है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय तिरुचि (डाक्मेन्ट सं०: 4052) में भारतीय रजिस्ट्री-करण मिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 27-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्वमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरका (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:——

म्रतः श्रम धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रक्षि-

नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धाँरा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथित :---

- (1) श्री एन० श्रार० सुन्दरराज श्राइयर, (श्रन्सरक) नंगवरम तिरुचि
- (2) बानू पेपर मिल लिमिटेड, तिरुचि (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्बारा कार्यवाहियां भूरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, हो तो:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतब्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्बारा अःगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ज्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्रेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचि, पेट्टबातलै गांव में 25-76 एकड़ खाली भूमि जिसकी एस० सं० 22/5; 23/4; 23/6; 25/1; 25/3; 26/4; 26/3; 27/6; 27/6; 20/1 स्रीर 31/1 ।

> ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रजैन रेंज II, मद्रास

तारीख: 29-1-1975

प्रकृप भारि टी० एन० एस०----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) भी घारा 269-भ (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी, 1975

निदंश सं० 1368/74-75---थतः, मुझे, ए० रागवेन्त्र राव ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 थ के बाधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०से मधिक है भीर जिसकी एस० सं० 9/4 भीर 9/6 वड प्रघरम गांव (22 ग्राउन्ड) है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता धिध-कारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भाध-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 6-9-1974 को पूर्वीक्त सम्पक्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि गन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबलं भायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के भाषीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

- (1) श्री एन० केसव नायघर; के० ग्रन्नदन; ए० मोहनसुन्दरम (मैनर) मदास-७। (अन्तरक)
- (2) विकाश साल्वेशस्ट्रक्स प्राईवेट लिमिटेड, मदास-34 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करंके पूर्ववित संस्पत्ति के श्रंजन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविधाया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में दे किसी व्यक्ति दारा:
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकामन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्यक्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिनी को दी जायगी।

एदर्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रार्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, वड मघरम गांव सं०: 108 में 22 ग्राउल्ड की खाळी भूमि (जिसकी ग्रार० एस० सं० : 9/4 मीर 9/6)।

> ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी सहायकं झायकर झायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख · 29-1-1975 मोहर प्ररूप आई० टी० एम० एस०--

भायकर किंदिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुरत (निरीक्षण)

इ. ह. न रें हा-II, मदास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1975

निदेश सं० 1369/74-75---पतः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मुस्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० एस० सं० 9/1 भीर 9/3 बी, गांव सं० 108, वड मधरम, कोडम्बाक्कम, मद्रास में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुपूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के मधीन 10-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप्रयाया गरा प्रतिकत्त निम्न-सिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनना; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए चा, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए। कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

भतः अब, धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) मूलन्घुडि चिट फन्डस प्राईवेट लिमिटेड मदान-28। (अन्तरक)
- (2) विकाश साल्वेक्स्ट्रक्स प्राईवेट लिमिटेड मद्रास-34। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, सो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्यावर सम्मति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेत्रों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यवित को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वेवर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महास कीडम्बाक्कम, यह अधरम गांव सं० 108 में 6 प्राप्तन्त भीर 1248 स्कुयर पीट का खाली भूमि जिसका एस सं० 9/1 भीर 9/3 बी।

> ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 29-1-75

पर्जन रेंज-11, मदास

प्ररूप झाई० टी० एन० एस०---बायकर झिधनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प (1) के दक्षीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, ग्रहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1975

निर्देश सं ० 1369/74-75--- यसः, मुझे, ए० रागवेन्द्र राव षायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शागर मूल्य 25,000/- ६० से अधिक भीर जिसकी सं० एस० सं० 9/1 भीर 9/3 बी, गांव सं० 108, वड भ्रवरम, कोडम्बाक्कम, मद्रास में स्थित है (भ्रोर इससे उराबद अनुस्ची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम में भारतीय एजिस्ट्रीकरण षिधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है और मुने यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भीर यह कि धन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे प्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में बास्तिधक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत भागकर भिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) के भिष्ठीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे भवने के लिए सुकर बनाना; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधितयम, 1922 (1922 का 11) या भायकर भिधितयम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भिधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए स्कर बनाना।

भीर यत: भ्रायक्तर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रष्ट्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीवत सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा ग्राभिलिखित किए गए हैं।

मत: मन, धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, म्रायकर मितियम, 1961 (1961 का 43) मधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यात :---

- (1) मूलन्युडि चिट फन्डस प्राईवेट लिमिटेड (ग्रन्तरक) मदास-28।
- (2) विकास साल्वेषस्ट्रक्स (ग्रन्तरिती) गाईवेट लिमिटेड, महास-34।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति घाक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की घविध या तत्मबंधी व्यक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध विसी श्रम्य ध्यक्ति द्वारा, श्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्वावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्रारा भागे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के भ्रधीन सूचना दी गई है भ्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए भ्रधिकार होगा।

स्पटीकरण: - इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो भायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) के शब्दाय 20-क में स्पापिरभाषित हैं, दही धर्म होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास कोडम्बाक्कम, वह ध्रयएम, गांव सं० 108 में 6 ग्राउन्ह भीर 1152 स्कृपर फीट का खाली भूमि जिसका एस यं० 9/1 धीर 9/3 थी ।

> प्० रागवेन्द्र राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक बायकर धायुक्त (निरीक्षण), बर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29-1-75

प्रकप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं । प्र । ई । 5/99/4/7-4-75---यत , मुझे जे । एम । मेहरा, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज- 5, अस्वई, भागकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रधिनियम कहा गया है)

की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० सिटी सर्वे मं० 8, हिस्सा नं० 9 (श्रंश) 13-15 और 16 है, जो मोहिली गांव में स्थित है (और इससे उपाबद अन्सुची मे और पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 14-6 74

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर वनाना; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 की घारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती प्रनुबाई ग्रांगस्टीन बरगीस

(भन्तरक)

2 श्री जितेन्द्रकुमार तुलसीदास

(धन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में यदि कोई भी आक्षेप हो, तो --

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पनित द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के मीतर, उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थब्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परती कृषि भूमि या जमीन का वह समाम ट्रकड़ा जो नांव माहिली कुर्ला घनधेरी रोड के किनारे, तालुका कुर्ला में, रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर, भभी शृहसर बम्बई में स्थित है श्रीर जिसका सर्वेक्षण नं० श्रीर हिस्सा नं० इस प्रकार है।

सर्वेक्षण नं०	हिस्सा नं०	वर्गगज में क्षेत्र
8	15 (ছ'ল)	121
8	16	363
		484

मोहर :

जे० एम० मेहरा प्राधिकारी सक्षम सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-5, बम्बई तारीख 31-1-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं अगर ० ए० सी० 93/74-75--यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन मायकर भिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से मधिक मौर जिसकी सं॰ 10-2-243 श्रौर 244 मारेडपल्ली है, जो सिकन्द्रराक्षाद में स्थित है (भीर इससे उपावड अनुसूची मे भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, (1908 का 16) के अधीन 7-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृ्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत प्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; भौर/या

कथित नहीं किया गया है :---

(च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या भायकर भिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) या धनकर भिर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भीर यतः भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा भाकिखित किए गए हैं।

प्रत: प्रब, धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपवारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत् :—

- (1) श्री के० नागेन्द्रर राव पुत्र के० सारानैया नं०
 - (2) के॰ सुधीर और (3) के॰ विनोद पुत्र (अन्तरिती)

नागेन्दर राव, मं ०1724 गंज बाजार, सिकन्धराबाद

2. श्री एफ० नेजराज पुत्र फक़ीर चन्द्र,

7-1-788, सिकन्दराबाद (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के क्रिये एसदृद्वारा कार्यवाहियो शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि ोई हो, तो---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्दारा यह घांघसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के धर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए धाक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएगे धीर उसकी सूचना हर ऐसे ध्यवित को, जिसने ऐसा धाक्षेप किया है सथा सम्यत्ति के ग्रन्तरिती को बी जाएगी।

एतद्द्वारा मागे यह मधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के मधीन सूचना दी गई है, माक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए मधिकार होगा।

स्पब्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त गब्दों भीर पर्दो का, जो भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :---ईमारत जो प्लैट नं० 173, नं० 10-2-243 और 244, नेहरू नगर, मारेड पल्ती, सिकन्दरावाद ।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीखाः 4-2-1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बम्बहैं

बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० श्रजेंन ६० सं० 3/564/74-75--यतः मुझे, भार जी नरूरकर, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-3, बम्बई, ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके उनत ग्रधिनियम पश्चात् महा गया है, की धारा 269-ख के इर्धाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० प्लाट सं० 3, सर्वे सं० 105 से 107 भौर 109 से 112 तक है, जो गोरे गांव (पश्चिम) में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सब रिजस्टर का कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्दीकरण घिधनियम. 1908 (1908 का 16) के घधीन तारीख 18-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उक्तरण लिखित में वास्त्रविक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने था उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी खाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिश्चिस क्यक्तियों. अर्थात :---

 मैसर्स सोमानी एण्ड कं प्राव लिंग दास चेंबर्स, 25, दलाल स्ट्रीट, फोर्ट-1, बम्बई-1।

(घन्तरक)

मैसर्स लक्ष्मी नारायण भगवान बन्स,
 158/164, कालबादेवी रोड, बम्बई-2: (भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थेन के संबद्ध में यदि कोई भी आक्षेप, हो, तो--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विधी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण: : इसमें प्रुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन का वह तमाम टुकड़ा जो सोमानी ग्राम के प्लाट नं •
3, राम मंदिर रोड, गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-62, बम्बई उपनगर जिला ग्रोर रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई नगर ग्रोर उपनगर ग्रोर
उपर्युक्त प्रथम सूची में खासकर लिखित जमीन का एक भाग जो
माप में 1733 बर्गमीटर (2072.67 वर्गगज) ग्रोर उक्त
सब प्लाट इसके साथ संलम्न प्लान में ग्रच्छी तरह वर्णित है ग्रोर
लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है। उत्तर में सर्वेक्षण
नं ० 112 (हिस्सा नं ० 1 ग्रंग) द्वारा, पूर्व में प्लाट नं ० 4
द्वारा, दक्षिण में प्रस्तावित 30 फीट चौड़े रोड द्वारा ग्रीर पश्चिम
में प्लाट नं ० 2 द्वारा घरा हुगा है।

भार० जी० नरूरकर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 4-2-75

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

> भारत सरकार सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर। कानपुर, दिनांक 6 जनवरी, 1975

निर्देश सं० अर्जन रेंज/207/गाजियाबाद 74-75-612-यतः मुझे बाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सदाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है भीर जिसकी सं० 77 व 72 है जो राइगंज, गाजियाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-7-74

को पूर्वोक्त सम्मित के उनित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमाम प्रतिफल के जिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐते दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पामा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती सईदन पत्नी श्री महमूद प्रहसान; श्री प्रजीगृदीन श्री मोद्दम्मद सिदीकी; श्री इकवाल प्रहमद; श्री प्रवद्ग करीम; श्री राजी उद्दीः; श्री शहस्त् होः; श्री श्री शिरा श्रहमद पुत्रगण श्री नजीर सहमद; श्री सिराजुदीः पुत्र श्री सबदुल मजीर सौर हवी अ श्रहमद; श्री इस्लामुदीन पुत्रगण श्री सबदुल वाहिद सौर श्रीमती गाहजहान पुत्री श्री श्रबदुल वाहिद; पत्नी श्री जसमान खा; श्रीमटी सखतरी पुत्री श्री श्रबदुल वाहिद सौर पत्नी श्री सबदुल रशीद; श्रीमती नूरो जर्म नूर जहान पुत्री श्री श्रबदुल वाहि सौर पत्नी श्री सबदुल सजीर श्री गहाबुदीन; श्री गोरउदीन पुत्रगण श्री करीमुदीन दिवासी गांव सदरपुर, डाकखाना हासी। तहसीन गाजियाबाद, जिला मेरठ (श्रन्तरक)

2. श्रीतम्मन पुत्र श्री मोहम्मद शकी, श्रीमती भजीजन —पुत्री श्री भवदुल मजीज भीर पतनी हाजी मोहम्मद इस्माइल उर्फ याले; श्रीमती नूरजहान बेगम पुत्री श्री श्रवदुल मजीज श्रीर पतनी श्री सन्मज निवासी मो० गंदा नाला, राईटगंज गर्बी, मकान नं० 43, गाजियाबाद, परगना लोनी, तहसील गाजियाबाद, जिला नेरठ (शन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्तहों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों होती में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एसदृद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दो दुकान 77 व 78 वाकै राइगंज गन्दानाला, (गाजियाबाद जि॰ भेरठ। जिसका हुस्सांतरण 360,000/) में हुमा है।

> साई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर।

मोहर:

तारीख: 6-1-75

प्रसप आई० टी० एन० एस०----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन पूचना

भारत संरकार

कार्यांलय, सहायक भायकंर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानगुर

कार्तपुर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निदश स० ग्रर्जन/212/कानपूर/74-75- यतः, मेक्षे वाई० (1961 町 43) खोखर धायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका **एचित बाजार 'मृत्य' 25,'000/- रुपये'मे अधिक 'है** धीर जिसकी सं० 7/109 ए है जो स्थरूप नगर, कानपूर में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजारमूल्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया, ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

भौर यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमती ईलेन सोनी पत्नी श्री राजेश सोनी निवासी 15, सरोजनी नगर न्यू देहली, जेम्स नील पुत्र स्व० मि मलकोन जार्ज नील निवासी 7/109ए स्वरूप नगर, कानपुर, मिसेज हेलन मरे (नी नील) पत्नी कोलिन मरे निवासी 7/109ए, स्वरूप मगर, कानपुर, मिसेज पामेला विलियमस पत्नी राजा विलियमस निवासी 7/135, स्वरूप नगर, कानपुर, कुमारी नीली नील श्रौर चार्ल्स नील, बच्चे श्राफ मिस्टर एम० जी नील निवासी 7/109ए, स्वरूपनगर, कानपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती शीला खन्ना परनी श्री ग्रमर नाथ खन्ना, श्रीमती उमा खन्ना पत्नी श्री कैलांश नाथ खन्ना धौर श्रीमती इन्द्रा खन्ना पत्नी श्री भनिल कुमार खन्ना निवासी 7/140, स्वरूप नगर, कानपुर।

(ग्रन्सरिती)

3. श्री फैलाश नाय खन्ना,

7/109ए स्वरूप नगर, कानपूर।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता हो कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियाँ मुरूकरता हुं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए क्षाक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुमूची

प्लाट मं० 7/109ए जिसका क्षेत्रफल 525 वर्ग गज जो कि स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है जिसका हस्सांतरण 37,500/-में हुम्रा है।

वार्ड**० खोखर,** सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) सारीखः: 6~1~1975 भ्राजन रेंज, भानपूर।

मोद्धर:

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुवस (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० श्रर्जन/154/गाजियाबाद/2606—यतः, मुझे वाई० खोखर

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भिधिक है भौर जिसकी सं० सी०-1 है जो माडेल टाऊन, गाजियाबाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 6-9-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए भए हैं।

ग्रतः, ग्रबं, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, श्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्: — 5—486GI/74 श्रीमती सरला कुमारी श्ररोरा पत्नी सुरेश चन्द ग्ररोरा निवासी 48,साकेत, मेरठ द्वारा श्री महेश चन्द नरूला पुत श्री हकमी श्रमीर सिंह नरूला निवासी 145, पुख्ता मार्ग, गाजियागद।

(अन्तरक)

श्री वेद प्रकाश श्री प्रेम चन्द श्री धर्म पाल श्री जय पाल श्री यश पाल

पुत्रगण श्री श्रात्मा राम निवासी किर्तन वाली गली छोटी अजरिया, गाजियाबाद जि० मेरठ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्यक्ति के प्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह ग्रिधिसूचित विया जाता है कि इस स्थाधर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा ग्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्री प्लाट नं ० सी०-1 क्षेत्रफल 1300 वर्ग गज (1/2 भाग निम्न सीमा माडल टाऊन गाजियाबाद/जिसका हस्तातरण 30,000/- में हुश्रा है।

वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रज, कानपुर

तारीख: 6-1-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आदवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1975

निर्देश सं० प्रर्जन/143/देहरादून/74-75/2607—यत:, मुझे था3० खे13 $^{\circ}$

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 19/5/19-सी है जो बलवीर रोड, देहराइन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय देहराइन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-9-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से इकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 पा 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या निया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर भनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात ---

- श्री श्रानन्दी देवी पत्नी मेजर दलीप सिह
 सजवान निवासी 41. शर्मदा त्यागी
 रोड, देहरादून (श्रन्तरक)
- श्रीमती विजय लक्ष्मी पाण्डे पत्नी एम० डी० पान्डे, (ग्रन्तरिती) निवासी 16, बलवीर एवन्यू, देहरादून।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों, हो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी अविध में पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिस्चित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अधें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति म्यूनिस्पिल नं० 19/5/19 मी जो कि बलबीर रोड, देहरादून में स्थित है। कम्प्राइसिंग काटेज, भूमि जिसका क्षेत्रफल 880 वर्ग फिट जिसका हस्तानरण 32,000/-में हुआ है।

> वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

मोहर :

तारीखा: 3-1-75

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) वे श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर,दिनाक 6 जनवरी 1975

. सं० अर्जन/165/कानपुर / 74-75/2604---यत:, मझे वाई० खोखर स्नायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा 268-ख वे प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्पये से भ्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 55/67, है जो काछूकोठी, कानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर मे भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-74 को पूर्वोत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के भनुसार भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दुश्यमाम प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्न का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने के लिए सुकर बनाना;

भीर यतः भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

ग्रसः श्रम, धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, मैं, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्था तु:--

श्री हरी मोहन नाथ कौल श्रीर
 ग्रह्म मोहन नाथ कौल पुत्त स्व०
 श्री पं० रमेणवर नाथ कौल निवासी
 55/67 णतरंजी मोहल्ला, कानपुर। (गन्तरक)

 ईश्वरी देवी मिश्रा पत्नी उमा नाथ मिश्रा ग्रीर गोपाल नारायन मिश्रा, जगदीश नारायन मिश्रा, कैलाश नारायन मिश्रा पुत्रगण उमानाथ मिश्रा निवासी 47/96 ध्रया कानपूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां णुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हों, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह भिधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के धर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए धाक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख धौर स्थान नियत किए जाएंगें धौर उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा धाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के धन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित, है वही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान नं० 55/67, स्थित काछू कोटी, कानपुर भाग सी जिसका हस्तांतरण 1,00,000/- में हुन्ना है।

> वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ् (निरीक्षण)

तारीख: 6-1-75

श्रर्जन रेंज, कानपुर।

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1975 निर्देश स० भ्रर्जन/188/कानपुर/74-75/2605---यतः, मुझे बाई० खोखर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961का की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- ह० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 25 है जो श्रानन्दपुरी 133/60 जूही कानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक हे और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत भ्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना भ्रौर/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा भ्रकट नेटों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

श्रीर अतः ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रत : भ्रव, धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, भ्रायकर भृषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : —

- स्वदेशी काटन, मिल्स, कम्पनी लि०, कानपुर (भ्रन्तरक)
- श्री राम ग्रवतार सर्राफ पुत्र महाबीर प्रसाद सर्राफ
 23/48, पटकापुर, कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के भ्रर्जन के एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आर्क्षप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को वी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सूनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदी का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धमुसूची

प्लाट नं० 25, जिसकी माप 866 66 वर्ग गज है जोिक ग्रानन्दपुरी 133/60, जूही, कानपुर में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 51,999.60 में हुंग्रा है।

वाई० खोखर सक्षम प्राधिकारी सहायक **भा**यकर श्रायु**म्**त (निरीक्षण)

तारीख: 3-1-75

श्रर्जन रेंज, कानपुर

प्ररूप ग्राई • टी • एन • एस • --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 6 जनवरी, 1975

निर्देशन सं० ग्रर्जन 5/विधुना-74-75/2603—यत:, मुझे, वाई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी मं० सूची के ग्रनुसार है जो विधुना जिला इटावा में स्थित है (ग्रीर इसगे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, विधुना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए रिजर्ट्र, वृत व्लिख के अनुसार अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरका (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क दे शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित विए गए हैं।

अतः अव धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 हरिवास मल उर्फ हरीदास मल पुल दातू मल उर्फ दास मल निवासी नगला, नेविलगंज उपग्राम बोदेपुर । विधुना पो० श्रष्ठल्दा जिला इटावा ।

(श्रन्तरक)

देवनदास पुत्र मेहर चन्द
मोहन दास पुत्र दीवान दास
गोविन्द दास पुत्र दीवान दास
रमेश लाल पुत्र मूल चन्द
मभी निवासी भर्तना पो० श्रौर परगना
भर्तना जिला इटावा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में क्षिए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पब्टीकरण—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि धरि भूमि खाता 2.91 एकड़ बहार खसरा नं० 830 (क्षेत्र 1.04 एकड़), 829 (एरिया 0.63 एकड़), 832 (0.07 एकड़), 831 (0.13 एकड़), 831 का (0.66 एकड़) और 832 का (0.01 एकड़), 833 (0.75 एकड़) और टिन शेड, फेसिंग बाल, दरबाजें वगैरह पीछे दूसरें निमित चिमनी बगैरह स्थित गांव बोदेपुर, परगना, विधुना जिला इटावा। जिसका हस्तातरण 50,000/- में हुआ है।

वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

तारीख: 6-1-75

प्रर्जन रंज, कानपुर ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायक्षर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँद 3 जनवरी 1975

निदश सं० भ्रर्जन/189/कानपुर/74-75/2602—यतः, मझे, वाई० खोखर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

प्रौर जिस की सं० 67 हैं जो 133/50 ग्रानन्दपुरी जूही कानपुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबंद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-9-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना।

औय यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 209-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् —

- (1) स्वदेशी काटन मिल्स कम्पनी लि०, कानपूर (श्रन्तरक)
- (2) स्थाम सुन्दर केडिया पुत्न शंकर लाल केडिया 16/38, सिविल लाइन, कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसव्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न के प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अविध या तत्सन्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसको सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्द्वारा आग यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण:—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

श्चनल सम्पत्ति प्लाट नं० 67 जिसका क्षेत्रफल 777.77 वर्ग गज है जो कि ग्रानन्दपुरी, 133/60 जूही कानपुर में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 42777.35 (ग्रर्थात् 42777) में हुआ है।

वाई० खोखार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 3-1-1975 ।

आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, तारीख 3 जनवरी 1975

निर्देश सं० धर्जन/181/कानपुर 74-75/2601—यत , मुझे, वाई० खोखर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी ो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/- रुपए से अधिक है प्रोर जिस की सं० 128/11'जी' हैं जो किदवई नगर, कानपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन 17-9-74 को

पूर्वोकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम क वृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यित नहीं।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर धनाना;

और यस:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए है।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात

- (1) श्री वैजनाथ टण्डान पुत्र श्री राम कृष्ण टण्डान निवासी 47/132, हरियावर्तन बाजार, कानपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सत्य नारायन मिश्रा पुत्र श्री श्रीराम मिश्रा निवासी 53, वसती नगर, कानपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, लो-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवढ़ किसी अन्य-व्यक्ति द्वारा, अद्योद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतव्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के शिए अधिकार होगा ।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याव 20-क में यथापरिभाषित हैं, बड्डी अर्थ होगा, जो उस बध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान 128/11 'जी' जिसका एरिया 200 वर्ग गज है जो कि किवबई नगर कानपुर में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 37,000/में किया गया।

वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, कानपूर।

दिनाक: 3-1-1975।

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं ग्रर्जन/120/देहरादून/2600--यत., मुझे, वाई० खोखर, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० सूची के श्रनुसार है जो राजपुर रोड़, देहरादून में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्रा श्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-1-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह अन्तरक और अन्तरिती के बीच स्यपाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

ग्रीर यस: आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किए गए हैं।

ग्रत: ग्रब, धारा 269 ग के ग्रनुसरण में, मैं, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :--

- (1) श्री चनुपाल सूद पुत्र स्व०, कृपा राम सूद निवासी 7/17, रूपनगर, देहली-7 श्रीर श्री परमानन्द सूद पुत्र स्व० रूलिया राम सूद निवासी 49/4, राजपुर रोड, देहली-6 (श्रन्तरिक)
- (2) हरबर्ट श्रिसचियन श्रस्पताल एसोशिएशन ए० सोसाइटी रजिस्टर्ड अन्डर दी इण्डियन सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट आफिस 25-ए, सन्डल रोड़ (मद्रास) (श्रन्तरिती)
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए ग्राक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख श्रीर स्थान नियत किए जाएंगे श्रीर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के श्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा ग्रागे यह श्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति की, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, श्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए श्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदो का, जो श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुस्धी

सभी मकान नं० 153 डी (न्यू नं० 153/4) स्थित राजपुर रोड देहरादून कम्प्राइसिंग 68493 वर्ग फिट भूमि के साथ मकान, गैरेज वगैरह, निर्मित सरवेन्ट क्वार्टेस थ्रौर बिजली तथा पानी फिटिंग थ्रौर तार (वार्ड) फेसिंग थ्रौर गेट जिसका हस्तांतरण 1,25,000/ में हुश्रा है।

> वाई० खोखर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेंज, कानपुर।

दिनांक 6-1-1975। मोहर:

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, विनोंक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/कानपुर /149/74-75/2503 यतः, म्हो, बाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु० से श्रधिक हैं धीर प्लाट सं ० 601 है जो कैन्ट्रमेंन्ट, कानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रघीन 9-7-74 की पुर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत: अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्रीमसी सहोदरा देवी ग्रग्नवाल विधवा स्व० लाला रघुवर दयाल ग्रग्नसाल निवासी 47/84, घटिया, कानपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गिरजा देवी पन्नी राम नाथ गुप्ता, हरीनाथ गुप्ता पुत्र श्री सीसहन लाल गुप्ता, सभी निवासी 76/93 कुली बाजार, कानपुर विवेक कुमार गुप्ता पुत्र केघार नाथ गुप्ता निवासी 49/208, जनरलगंज, कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के धर्जन के एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के प्रति अक्षेप, यदि कोई है तो :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

एतद्द्वारा यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के श्रर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए श्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख ग्रौर स्थान नियत किए जाएंगे ग्रौर उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय-सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पव्धीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धायकर धिवियम, 1961 (1961 का 43) के श्रद्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं घर्य होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट मं० 601, रक्ष्या 0.26 एकड प्रयात् 1258.40 वर्ग गज जो कि कैन्ट्रमेन्ट, कानपुर में स्थित है। जिसका हस्तांतरण 40000) में हुआ है।

वाई० खोखर सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रॅज, कानपूर।

दिनांक 6-1-1975। मोहर:

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रीज, भानपुर

विनांक 3 जनवरी 1975

निवेंश सं० प्रर्जन/185/कानपुर 74-75/2582--यत:, म्हो, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/-रु० से **अधिक** है उचित बाजार ग्रीर जिसकी सं० 43 है जो स्वरूप नगर, कानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-7-75 को के उचित बाजार भूल्य से कम के सम्पत्ति वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के धनुसार ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

भौर यतः आयकरं प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों म पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रीभिलिखित किए गए हैं।

गत: गंब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधात:-

- (1) नरायन निगम एडवोकेट, 15/87ए, सिविल लाइन्स कानपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रभू दास साह, बच्चू भाई, नवीन भाई एवं श्रीमती विजया गौरी, 26/59, विरहामा, रोड़, कानपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

अभ्य सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षीप, यदि कोई हो, हो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से फिमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए आएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतबृद्धारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ब्यक्ति को जिसे पूर्वेवर्सी पैरा के अधीन सूचनादी गई है, आक्षेपो, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्यष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथीं का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्लाट नं० 43 का भाग स्वरूप नगर कानपुर में स्थित हैं। जिसका भाप 2131.5 वर्ग गजहें जिसका हस्तातरण 1,14,000 में हुआ हैं।

> वाई० खोखण सक्षम प्राधिकारी महायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कामपुर।

विनांक : 3-1-1975।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 जनवरी 1975

निर्देश सं० प्रर्जन/118/प्रागरा/74-75/2581—यतः, मुझे वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है और जिसको सं० 22/14ए हैं जो, पुराना विजय नगर कालोनी प्रागरा में स्थित है और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रागरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 3-7-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए रिजरड़ी हुत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप मे कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत:, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरेद्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयक्तर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-भारा (1)के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सर्विता देवी ग्रग्नवाल पुत्री स्व० रतम लाल भौर पन्नी राम सेवक ग्रग्नवाल, 1177 (पुरानी) 16/157, पाठक सूरज भान बेलनगंज, ग्रागरा (ग्रन्तरक)
 - (2) लेख राज पुन्न श्री ग्यान चन्द निवासी अमुना बैक, बेलागंज, भागरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हों तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बरी 22/14ए बांके (पुरानी) विजयनगर कालोनी, धागरा । जिसकी माप 844.4 वर्ग गज है जिसका हस्तांतरण 50000 में हुम्रा है ।

> याई० खोखर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, कानपुर।

दिमांक : 3-1-1975

मोह्र :

> कार्यातय सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) क्षर्जम रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० भ्रर्जन/51/हापुड़ *|74-75*/2580---यतः, मुझे बाई खोखर भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका रुचित भाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं बौर जिसकी सं० सूची के अनुसार हैं जो श्रीनगर, हापुड़ में स्थित 👸 (झीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में झीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीयर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में भारतीय रजिस्ट्री-करण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 4-7-74 को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीष्ट्रत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर्क (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-सिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (चा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनागा।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याम 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाही शुक्र करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अत: अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियस
1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सुद्याकर मिश्रा पुत्र श्री बाबू राम मिश्रा निवासी मो० रेलवे रोड़ श्रीनगर हापुड़ (धन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रभा मिश्रा पत्नी श्री सुधाकर मिश्रा निवासी मोहल्ला रेलवे रोड़, श्री नगर, हापुड़ जि॰ मेरठ सूची के ग्रनुसार । (श्रन्खरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के क्षर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर रुम्पत्ति में हिसबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एत्रद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुमवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला क्याटर्स जिसका सम्पूर्ण एरिया 528 वर्गगज (खाता न० 2730) स्थित गांव प्रशोदा मौ० रेलवे रोड़, श्रीनगर हापुड़ (पहला भाग) मकान नं० 273/3, कुल एरिया 744 वर्ग गज स्थित रेलवे रोड़ (खाता नं० 2730) स्थित प्रशोदा रेलवे रोड़, श्रीनगर, हापुड़ ।

जिसका हस्तांतरण 40500) में हुन्ना।

वाई खोखर सक्षम प्राधिकारी स**हायक** श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रोज कानपुर ।

वारीख: 6-1-75

क्रायकर द्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कामपुर कानपर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० एफ अर्जन/93 गाजियाबाद/74-75/2579---यतः मुझे, वाई खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 667 है जो, गांव गुलधर गाजियाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 24-6-74 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

भौर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्य-बाह्य शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

भतः अब, बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री राम दास पुत्र श्री तुला राम निवासी 95/ए म्यू डबल स्टोरी लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्री राम दयाल मोक्षवा गुलधर (दरगल) द्वारा शिवचरन प्रसाद एवं राम चरन सहाय पुत्रगण श्री मिक्की सहाय निवासी 5/2, गुलधर (7 रगल) परगना जलालाबाद तु॰ गाजियाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, लो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एसद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थाधर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिली को धी जाएगी।

एसद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला धहाता खसरा नं० 667 रक्या 1500 वर्ग गज बाके ग्राम गुलधर धन्दर हदूद नगर पालिका, गाजियाबाद । जिसका हस्तांतरण 48000/ में हुआ ।

> वाई खोखर सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, कानपूर ।

तारीख 6-1-75 मोहर:

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० ग्रर्जन/157/कानपुर 74-75/2578-- यतः, मुझो वाई खोखर अधिनियम, (1961 फा भायकर 1961 की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह है कि विश्वास करने का कारण स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिस की सं० 126/50 हैं जो गोविन्द नगर, कानपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अमुसूची मे भ्रोर पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कानपुर म भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 24-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उदित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्न-सिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी बन या अन्य आस्तियो, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाद्वी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

श्रतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अश्रीन निम्नसिबित व्यक्तियों, अर्थात्।—

- (1) श्री गोरी लंकर पुत्र श्री गया प्रसाद श्रीनास्तवा 126/50, जी-ब्लाक, गोविन्द नगर, कानपुर (प्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्याम सुन्दरी मिश्रा पत्नी स्थ० जगन्नाथ प्रसाद मिश्रा 89/11, जे० के० क्यार्टस ग्रनुबरगंज, कानपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (गः) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतर्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपंग की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पन्धीकरण:— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 126/50 जी-ब्लाक गोविन्दनगर प्लाट ने० 34 जिसका माप 311 वर्ग गज है।

जिसका हस्तीतरण 46000/- मे हुआ।

वाई खोखर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर।

तारीख 6-1-75 मोहर:

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायमः आयमर आयुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांस 6 जनवरी 1975

निर्देश सं० अर्जन/168/कानपुर/2577 74-75/--- **प**तः मुझने, बाई खरीखर आयकर 1961 (1961 年 43) अधिनियम, 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है भीर जिस की सं० 15 हैं जो फैक्ट्री एरिया, कानपुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कानपुर मे भारतीय रजिस्ट्री-क**रण ग्रिधिनियम** 1908 (1908 का 16) के **ग्र**धीन 21-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है :~

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वाराअधिलिखित किए गए है। श्रत: श्रव, धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, श्रायक श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित .--

- (1) साधू राम पुत्र गनेशामल निवासी कौशलपुरी उपस्थित निवासी महेश बनर्जी रोड़, पो० पाली देरी खरवा जि० 24 परगना वेस्ट बंगाल (अन्तरक)
- (2) पिलको फार्मा 117/622,पांडव नगर, कानपुर द्वारा णिव घरन लाल पार्टनर फर्म (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए पनवद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सृचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियो पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, को आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक किता प्लाट नं ० 15 रकबीद शमल थ 84 ए ब्लाक पी ० स्कीम न० एक जिसका नगर महापालिका, कानपुर से 123/37 कायम है । बाकै फैक्ट्री एरिया, कानपुर। जिसका हस्तांतरण 1,21,968) में हुआ है।

वाई खोखर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 6-1-75

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जेन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1975

निर्देश सं० घ० ई० 2/1025/2483/74-75---- प्रतः मुझे वि॰ र॰ गुप्ते, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2 बम्बई, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके पश्चातु उक्त श्रधिनियम कहा गया है की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० एन० ए० एस० न० 100 है, जो स्थावर दान्डा में स्थित है (घीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह बिश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच **ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त** अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 की धारा 269-थ की उपन्नारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थील्:—

(1) श्री धनजीशा एवं नानावटी (भन्तरक)
(2)श्री क्षेशंग डि॰ नानावटी (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिक्क एतर्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वही शर्व होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

-कृषि श्रयोग्य भूमि का मैदान का वह तमाम दुकड़ा या भाग साथ में उस पर स्थित गृहवाटिका इमारतें, मकान, घरों तथा भवनों सहित जो कि रजिस्ट्री जिला बम्बई में उपनगर के रजिस्ट्री उपजिला बान्द्रा में बम्बई उपनगर जिले के साऊथ सालसेट्ट तालुका, अहां के रेवेन्यु विलेज में पाली हिल बान्द्रा में स्थित मौजूद एवं पड़ा हुमा है जो कि माप से 1452 (एक हजार चार सौ बावन) वर्गगज या उसके लगभग 1214.0172 वर्गमीटर के समकक्ष है एवं डांडा का नौन एग्रीकरुचरल सर्वेक्षण ऋ० 100 धारण किये हुए है तथा निम्न प्रकार से घिरा हुम्रा है अर्थात् उत्तर की भ्रोर से एन० ए० नं 103 की जायदाव पहले कावसजी मीवानजी सेठ धौर श्रभी भारतीय जीवन बीमा निगम की जायदाद द्वारा, पूर्व की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 313 ए, हिस्सा नं० 1, पहले इग्नेशियस एफ० परेरा ग्रौर श्रभी भारतीय जीवन बीमा निगम की जायदाद **क्षारा, दक्षिण** की भ्रोर से एन० नं० 87 जो पहले मूलरात खटाव भौर ग्रभी श्री मूस की जायदाद द्वारा भौर पश्चिम की भ्रोर से पाली हील रोड भौर बम्बई महानगरपालिका द्वारा एच वार्ड नं० 2124, गली नं० 38 ए, पाली हिल के ग्रन्तर्गत निर्धारित है। जायदाद का मिटी रजिस्टर नं० 1357, 1358, 1359, भीर 1360 है।

उपरोक्त जायदाद में 1/5 भाग

वि० र० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी, सम्रायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

तारीख . 29-1-76 मोहर

भागकर घश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकृलम

कोचित II, दिनांक 4 फरशरी 1975

निर्देश सं० एल० सी० 24/74-75—यत: मुझे टी० बी० स्वामिनाथन, भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिस की सं० सर्वे 37/1 है तथा जो शिवराम मेनोन रोड, एरणाकुलम में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध मनुसूची में भौर पूर्व रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 26-6-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत कि है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के निए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की घारा 269-घ की खपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अवांत:—

(1) श्री शन्करमकुद्दि मेनोन, पुरकोलीवीद्दिल कुन्जिकावृ धम्मा, करित्तला, एरणाकुलम के पुन्न (धन्तरक) 7—486 GI/74

- (2) श्री के० के० बालन, कृष्णन, केलमंगलत्तु परम्पिल वीडु, ट्रिकनारवर्म, एरणाङ्गुतम, कोचिन-18 के पुत्र (अस्तरिती)
- (3)1. पेरिन्गत प्रभाकर मेनोन, शिवराम मेनोन रोड, एरणाकुलम,
 - एल० रंगनाथन, नभी, शिवराम मेनोन रोड, एरणाकुलम के पुत्र ।
 - बी० जे० रोबर्ट, ग्रासबैर्ट, रोबर्ट शिवराम मेनोन रोड, एरणाकुसम, के पुत्र। (यह ध्यक्ति जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पक्षि के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यटि कोई हो, तो --

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पटीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, हो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

एरणाकुलम जिला (कोचीन) के शिवराम मेनोन रोड के सर्वेक्षण संख्या 37/1 के धन्तर्गत 19 सेन्ट्स धीर 960 श्वयपर लिग्स भूमि तथा मकान।

टी० बी० स्वामिनायन, सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, एरणाकूलम

तारीख: 4-2-75

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-! शहमदाबाद

तारीख 5-2-1975

निर्देश सं एसीक्यु 23-1-345 (134)/10-1/74-75-यतः मुझे, जे० कथुरिया भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मधिनियम कहा गया है) की धारा 269-8 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- २० से शकिक है भौर जिस की सं० सर्वे नं० 56-डी-2, 55 डी-2, है, तथा जो लींडी बाजार, सुरीया फली, जामनगर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय रजिस्टीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 6-6-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उवित बागार दुम्यमान प्रतिपत्त के लिए रजिस्दीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच सय पाया गया ऐसे अम्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथाया किया जाना चाहिए था, छिपाने के शिंग सुकर बनाना ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ्र की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात —

- (1) श्री सोनी नारणजी हैमराज
- (2) सोनी भगवानदास न दलाल
- (3) सोनी रअनीकान्त नंदलाल (भ्रवयस्क)
- (4) सोनी हरकीशन नंदलाल (भ्रवयम्क)
- (5) सोनी कांतिसाल नारणजी
- (6) सोनी रघुनाथदास कांतिलाल (ग्रवयस्क)
- (७) मोनी देवेन्द्र कांतिलाल (भवयस्क) रेलवें स्टेशन के निकट जामनगर

(भ्रन्तरक)

(2) (1) मेमण महमदफारुक हाजीग्रहमद (प्रवयस्क) तथा (2) मेमण हमदहुसेन हाजीग्रहमद (ग्रवस्थक) के श्रभिभावक श्रीमती वाली ह्नीफाबाइ दादा, मणीयार शेरी, जामनगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुपुची

एक भ्रचल सम्पत्ति जो लीडी बाझार, सूर्याफली, जामनगर में स्थित है श्रीर जिसका सर्वे नं 2 56-डी-2, 55-डी-2 है श्रीर जिसका पूर्ण विवरण जामनगर सब रिजस्ट्रार द्वारा रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेश नं 0 1392 दिनांक 6-6-74 में दिया गया है।

> जे० कथ्रिया सक्षम प्राधिकारी महासक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख 5-2-1975 मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भागितय, राहाधमा श्रायकार श्रायुवस (निरीक्षण) श्रजन रेज-I, श्रहमदाबाद अडमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1975

निर्देश सं ० एसीवयु ० 23-1-346 (135) / 10-1/74-75-यत: मुझे, जे० कथूरिया आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उषत ऋधिनियम महा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है श्रीर जिस की सं० सर्थे नं० 56-डी-2 है, तथा जो लीडी बाझार, मुरीया फली, जामनगर में स्थित हैं (ग्रीर इसके उपाबद्ध प्रनुस्ची में भीर पूर्ण रूप से दर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता मधिकारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) कं बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिपल, निम्नलिखित चहेश्य से उपस अन्तरण सिष्टिस में बास्तविध रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या अन्य/धा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिये

धतः अब उक्त अधिनियमं की घारा 269-ग के धमुसरण में उक्त अधिनियम धारा 269-घ की उपधारा (1) के खबीन निम्नलिखित स्पिक्तयों, अर्थातः—

- (1) श्री सोनी नारणजी हेमराज
 - (2) सोनी भगवानदास नंदलाल
 - (3) सोनी रजनीकांत नंदलाल (भवयस्क)
 - (4) सोनी हरकीशन नंदरार (ग्रवयस्क)
 - (5) सोनी कांतिलाल नारणजी
 - (6) सोनी रचुनाथदास कांतिलाल (श्रवयस्क)
 - (7) सोनी देवेन्द्र कांतिलास (ग्रवयस्क) स्टेशन के निकट जामनगर (ग्रन्तरक)
- (2) भी मेमण चलीमामद हाजीमुसा
 - (2) हारून हाजीमुसा
 - (3) इकवाल हाजीमुसा (ग्रवयस्क)
 - (4) महमदसीदीक हाजीमुसा (ग्रवयस्क) मणीयार शेरी, जामनगर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन मिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ अस्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं सर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

एक भवल सम्पत्ति जो लीडी बाजार सूर्या फली जामनगर में स्थित है झौर जिसका सर्वे नं० 56-डी-2 है झौर जिसका पूर्ण विश्वरण जामनगर सब रिजस्ट्रार द्वारा रिजस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज न० 1393 दिनांक 6-6-74 में दिया गया है

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख 5-2-1975 मोहर :

शामांत्रय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-5, सम्बर्द सम्बर्द, दिनांक 31 जनवरी 75

निर्देश सं० भ० ई०/102/7/74-75—भतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 5 बस्वई भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इलाके पश्चात जकत भिधिनियम कहा गया है

269-छा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका _ 25,000/- रुपये से अधिक है उचित बाजार मृत्य मीर जिस की सं ० है, जो नाहर गांव में स्थित है (मीर इससे उपायक्ष **ब**नुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 13-6-74 की पूर्वीवत सम्पत्ति के उधित बाजार मुख्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि धयापूर्वोवस सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखिए में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या सससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

अतः अब, घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवितयों, अर्थान् :---

(1) रोधोमल ग्रार० मोतीग्रानी (ग्रन्तरक)

(2) श्री हिरजी प्रेमजी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है ती-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही धर्च होगा, जो उस भध्याय में दिया गया हु। अनसची

ध्यरोक्त संश्रीमत द्वितीय अनुसूची

प्रथम: --- जमीन का बहु तमाम टुकड़ा जो गांव नाहुर मुल्प्ड करला तालुका, बम्बई उपनगर जिला रिजस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा में स्थित हैं जमीन जिसका सर्वेक्षण नं० 152 (मंश) भीर 145, जिसका नं० 1 (मंश) का एक भाग हैं। विमाजित प्लाट नं० 1 जो मापमें 4020.47 वर्गगज या 3351.11 वर्गमीटर या भासपास हैं। भौर इस प्रकार घिरा हुमा हैं। उत्तर की छोर नाहुर गांव रोड द्वारा, पिष्यम भौर दक्षिण भोर से अंशतः स्कीम रोड द्वारा -भीर पूर्व की भोर से अंशतः स्कीम रोड, भीर मंगतः भन्त छाया को-भापरेटिंग हाऊसिंग सोसायटी लिं० की जायदाद द्वारा

दितीय:— जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव नाहुर मुलुण्ड कुरला तालुका मुंबई उपनगर जिल्हा रजिरट्रेशन उपजिला बान्द्रा में स्थित है जमीन का एक भाग जिसका सर्वेक्षण नं० 152 (ग्रंश) भीर माप में 3274.86 वर्गगज या 2737.78 वर्ग फीट या भासपास के विभाजित प्लाट है, इस प्रकार घरा हुआ है। उत्तर की ग्रोर से सर्वेक्षण नं० 154 द्वारा दक्षिण की भोर से सर्वेक्षण नं० 152 (ग्रंश) द्वारा पिचम की ग्रोर से माहुर गांव रोड द्वारा भीर तिन श्रेणिक को-भापरेटिच हाऊसिंग सोसायटी लि० की जायदाद द्वारा।

स्तीय: --- स्तीय जमीन का बहु तमाम सकड़ा जो गांव नाहुर
मुल्ण्ड कुरला तालुका मुबई उपनगर जिला,
रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा में स्थित है। जमीन
सर्वेक्षण नं० 153 (संश) भीर 145 की
हिस्सा मं० 2 और 4 (अंश) की भूमिका भाग
है, माप में 3252.31 वर्गगं या 2718.93
वर्गमीटर या सासपास है भीर उसके साथ संलग्न
प्लान में बगीचा के रूप में रिवांकित है।

चतुर्यंः — जमीन का वह तमाम दुकड़ा जो गांव नाहुर, मुलुण्ड, तालुका मुंबई कुरला तालुका बम्बई उपनगर जिला रिजस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा में स्थित है, जमीन के माग का सर्वेक्षण नं∘ 152 (मंश) भीर हिस्सा मं∘ 1 (मंश) जो माप में 1593.88 वर्गगज या 1332.48 वर्गमीटर या मासपास है उसके साथ संलग्न प्लान में बाडन रंग से दर्शाया गया है जो कि मान्तरिक स्कीम रोड की जमीन के मन्तर्गत है ।

पांचवा:— सभी टुकड़े या जमीन का भाग जमीन जो गांव नाहुर मुलुण्ड, कुरला तालुका मुंबई उपनगर जिला, रिजस्ट्रेशन उपिजला बान्द्रा में स्थित है। जमीन का भाग जिसका सर्वेक्षण नं० 152 (शंश) मापमें 124.77 वर्गगज या 104.31 वर्गमीटर था मं० झासपास है झौर इसके साथ संलग्न प्लैन में नीले रंग से दर्शाया गया है जो क्षेत्र उसके पीछे हैं।

जे० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-5, बम्बई

सारीख 31-1-75

प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

आयका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 279-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> कः यांत्रिय सहायक भायकर भायकत (निरोक्षण) पर्जन रेंज, ज्योती बिल्डिंग, कोचिन 11

एरणाकुलम, को निन-11, दिनांक 4-2-1975
निर्देश सं० एस० सी० 26/74-75— यत: मुझे, टी० बी० स्वामिनाथन, भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त मधिनियम 'कहा गया हैं)
26९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में अधिक है और जिसकी सं० 206 श्रीर 216 है तथा जो पेणाइस रोड के पूर्व, एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपायख अनुसूची में भीर पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में, रजिरट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1968 का 16) के श्रिधीन तारीख 1-6-1974 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उनित

ताराख 1-6-1974 का पूर्वास्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूर्य से वम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीष्ट्रत विशेख के अन्सार अन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास व वने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उस के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तिण्ती (अन्तिनित्यो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वाम्तिबिक रूप से विश्वत नहीं शिया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई विसी आप की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में यभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

भौर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बीठ टीठ मान्टगी, बावयिल हाऊउ, मार्केट रोड, एरणाकुलम, भीर डाठ जोसफ सोप्पिल, तोप्पिल हाऊव, सेन्ट अगस्टीन्स रोड, एरणाकुलम (अन्तरक)

(2) श्री के० पी० जोणी, भेसर्स के० सी० पप्पु एन्ट सन्ज, कलीत्त बाजार रोड, एरणाकुलम (भन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्शरा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यवितयो पर नूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन का नाराख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इम स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस मूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, याद कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियन किये जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधियूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पट्टोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों था जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमुसुची

एरणाकुलम, षणाइस रोड के पूर्व में, सं० सं० 206 भौर 216 के भन्तर्गत 23.858 सन्टस् भूमि तथा मकान।

टी० बी० स्वामिताथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निर्दक्षण) ग्रजन रेज, एरणोकूलम ग्रोचिन

तारीख 4-2-75 मोहर: प्ररूप आई०टी०एन० एस०———— आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, अमृतसर

धमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975 निर्देश सं० एएस ध्रार/ जालन्धर/एपी-1471/74-75 यत: सुझे वी० श्रार० सागर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे उपमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है,) की धारा 269 ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव संसारपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद धनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जून 1974

कौ ्बांग्स सम्पत्ति के दिखत बाजार मूर्य से व म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिएतय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से द्भत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आपक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए सौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

.1. श्री हिम्मत सिंह मपुत्र प्रताम सिंह वासी संसारपुर तसील जालन्धर।

(मन्तरक)

2. श्रीमती महिन्द्र कौर पत्नी चरत सिंह सपुत्र नाथा सिंह मार्फत सुरिन्द्र सिंह सपुत्र भगत सिंह वासी संसारपुर तसील जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

औसा कि नं० 2 में है। (वह ध्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो नायकर अधिनियम, 1963 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्यी

मूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2406 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी जानन्धर में है।

> वी० म्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मागृक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रमृतसर

विनांक : 31-1-1975

प्रसप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयमार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारक 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज, अमतसर

धम्तसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० एएसग्रार/ जनः /एपी-1472/74-75—
यतः, मुझे बी० धार० सागर
धायकर ग्रावित्यम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके
पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन
सजम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पक्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० मे अधिक है
ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांत्र संसारपुर में स्थित है
(ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है)
रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्य-मान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्टास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के शिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, पें, उक्त की पारा 239-ग की नगारा (;) के अकीन निक्तमिस्तित स्पक्तिसीं,अर्थातः--- । श्री हिम्मत सिंह मपन्न प्रताम सिंह गांव संसारपुर समील जानन्धर।

('ग्रन्तरक)

2. श्री घरन सिंह सपुत्र नस्था सिंह, महिन्द्र कौर पत्नी घरन भिंह मार्फत सुरिन्द्र सिंह सपुत्र भगत सिंह. गांव संसारपुर ससीन जानन्धर।

(भन्तरिती)

3. जैसा की नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4 फोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में विव रखना है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्सवंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्टीकरण ---इसमे प्रयुवत गडदों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसुची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख 2506 जून 1974को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

> वी० भ्रार० सागर सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 31 जनवरी 1975 सक्षम प्राधिकारी मोहर: सहाय आयकर श्रापुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, ममुतसर

भारत सरकार

कार्याक्रम, सहायक कायकर कायुवत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, अमतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० एएसग्रार/ जुल० /एपी-1473/74-75-यत:, मुझे, बी० झार० सागर भायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उन्त अधिनियम' वहा गया है) 269-ध के अधीन सक्षम अधिकारी यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से अधिक है और जिसकी सं भूमि है तथा जो गांव संसारपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्टी-कर्ता मधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण मधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974 के उचित पूर्वोक्त सम्पति दुश्यमान प्रतिफल दम के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (■) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यिक्तियों अर्थात्:—

 श्री हिम्मत सिंह सपुत्र प्रताप सिंह वासी संसारपु[®] संसील जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री घरन सिंह सपुत्र नत्था सिंह मार्फत सुरिन्द्र सिंह सपुत्र भगत सिंह वासी संसारपुर, ससील जालन्धर। (मन्तरिती)

3. जीसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में किन रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्क्रमित्त में हिसबद है)

को यह सूचना जारी करके पुत्रोंकत सम्पत्ति को धर्जन के निए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उन्त ममाति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जवत स्थावर सम्पत्ति में हितवझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख गं० 2507 जून, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी आलन्धर में है।

> वी० धार० सागर, सक्षम अधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, ग्रमतसर

सारीख: 31 जनवरी 1975

प्रक्ष आई० टी० एन० एस०----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० एएसम्रार/एपी-1551/74-75--

यतः, मुझे, वी० भ्रार० सागर, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961

PART III--SEC. 1]

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० लाट नं० 97 है तथा जो जोशी कालोनी प्रभृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्थ में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रमृत्तस्य में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और /या
- (ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए

अतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:—
8-486 GI/74

 श्री विहारी लाल रापुत्र गनपत राम, दयानन्द नगर श्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

1847

- 2. श्रीमती चंचल कुमारी ग्रग्नवाल पत्नी मनोहर लाल तथा रिवन्द्र कुमार सपुत्र मनोहर लाल, लक्ष्मण मण्डी बाजार श्रमृतसर।
 - 3. जैसाकी नं० 2 में है।

(बह व्यक्ति जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में एचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ णुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख ने 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सुधी

भूमि का प्लाट जोशी कालोनी में जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1179 जून 1974 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी ग्रमृतसर में है।

वी० ग्रार० सागर

तारीख: 31 जनवरी 1975 मोहर: सहा सक्षम अधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमतसर

्रहण आर्र्० टी० **एन० एस०————** आययर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देण न० ए०एम०श्रार/ जुल०/एपी-1552/74-75--थन: मुझे वी० झार० सगर

आयनर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इमके पण्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-व सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मह्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो कोट बहादुर खाँ ब्राड्य रोड जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जातन्धर में रजिस्द्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख ज्न. 1974 को पूर्वीक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टकान प्रतिषक के लिए अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वीक्त गम्पत्ति का उच्नि बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य म उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (ए) एप्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-िएस. 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के एप्तार के दायित्व में भमी करने या उसरो बचने में प्रीका के लिए और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वर्ष 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा भण्ड नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिश्चित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री मूल चन्द लाल चन्द सपुत्र गुलजारी लाल 99/ डब्ल्य० सी० ब्राड्य रोड, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री मंगत राम सपुत्र तारा चन्द उद्ग्ल्यू० सी० 90 मौहल्ला कोट बहादुर खां, नजदीक ब्राडथ रोड, जालन्धर। (श्रन्तरिती)
 - *3 जैसा कि नं०2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),
- *4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में किच रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्य है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पब्ढीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3034 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर मे है।

बी० ग्रार० सगर तारीखः 31 जनवरी 1975 सक्षम अधिकारी, मोहरः सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षंण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 31 जन**व**री 1975

निर्देश न० ए०एस० प्रार/एन० शहर/एपी-1553/74-75--यत, मझो बी० श्रार० सगर श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पण्चात उक्त अधिनियम, कहा गया है, धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी स० भूमि है तथा जो बरनाला कला, नवाशहर चण्डीगढ़ रोड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नवाशहर मे रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून 1974 **को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित** बाजार मृक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीनत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफक्ष से ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित तहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए धा, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा, 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियो, अर्थात:— 1 श्री मेहर सिंह सपुत्र दसांधी वार्स, बर्गाडी र्राल गढ़शकर जनरल अटानी भगत राम, गुरुव को किहा व गीत सिंह भाई।

(月 17年)

2 श्रीमती दुर्गा देखी पत्नी रत्रणं दाश नपुत दोनान चन्द सून वासी या सूनी तसील गढणकर।

(अन्तरिता)

3 जैसा कि न० 2 मे है।

(बह् व्यक्ति जिस्ता आविभाग स सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति से धन रया है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे म अबोहस्पानरा जानता है कि बह सम्पत्ति के रिश्व हर)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सबध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तिया पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 स्थिनतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्द्रीकृत बिलेख न० 1177 ज्न 1974 को रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी गनासर्थ सह है।

ा भारवस्यर,

तारीख: 31 जनवरी 1975

भन्ता जाउटा १,

मोहर .

महापक स्राय लगा। (।।५५०)

अर्नन रज, अगुन्यर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, अमतसर

शमृतसर, दिनाक 31 जनवरी 1975

निर्देश में एएनम्रार/निकोदर/एपी-1554/74-75--यत. मुझे वी० श्रार० सगर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त अधिनियम कहा गया है,) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी स० भूमि है तथा जो, नूरमहल रोड़, नकोदर में स्थित है (श्रीर इसस उपावद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नकोदर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1974

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम कि दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ब्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वारतिवक्त रूप से कथित नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 वा 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रीधा क लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती दलबीर कौर पत्नी करनैल सिह् उर्फ जर्नेल सिह् तथा श्रीमती तरसेम कौर पत्नी महिन्द्र सिह वासी चक मगलानी (शंकर रोड़ पर) तसील नकोदर।

(थ्रहारक)

2. श्री युधिष्ठर कुमार सपुत्र कुज लाल रापुत्र गज्ज् मल उषा रानी सपुत्री कुने लाल, ग्रंगनी कुमार सपुत्र ग्रा० रामलाल सपुत्र सुदर दास मार्फत डा० सूरज प्रवास राजन स् खुलर हस्पताल, सिविल हस्पताल रोड, नकोदर।

(ग्रन्भिन्न)

3 श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा की न०2 में है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिनोग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति म शेच रखता है।

> (बह व्यक्ति जिनके बारे म अधोहस्नाक्षरी जानता है कि बह सम्पति में हितवह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जग क लिए कार्यवाहियां करता हू।

<mark>उक्त सम्पत्ति के सबंध में कोई भी आक्षेप :---</mark>

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हितब छ ति सी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो आयव र अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 565 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी नकोदर में है।

बी० श्रारः भगर

सारीख: 31 जनवरी 1975 सक्षम अधिकारी मोहर: सह।यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, ध्रमृतसर।

प्ररूप आई० टी० गुन० एस०---

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा 269-थ (1) के अधान स्नना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक श्रायक्षण प्रायुक्त (जिनाक्षण) स्रजनरेज, प्रमत्तमन

ब्रम्तसर दिनाक ३६ जनवरी । १५७5

निर्देश में एं एस प्रारं जा चन्धर एपी-150(/71-75-यत , मुझे बी० श्रारं सागर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ईसके प्रजात 'उवन अधिनियम' कहा गया है)। की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिवारों को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हाथे से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भ्मि है तथा जो हाणियारपुर रोड जालन्धर म स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रोकृत विलेख वे अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का वारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिव है और यह अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखत मे बास्तविक रूप से विश्व नहीं विया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दने के अन्तरक के दापित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ऑन /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसा जन मा जन्य आस्तिया का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1932 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1951 (1961 का 43) या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रचीजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनक्ररण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य उपधारा (1)क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थातः——

1 मैससं इण्डियन लेमिनेटर आशिवारपुर राष्ट्र जालस्थर द्वारा सरूप सिंह, दीवान सिंह, चरराजीत सिंह तथा इकबाल सिंह मार्फत भान सिंह ग्रल्मिनियम फैक्टरी होणियारपुर रोष्ट जालन्धर। 2 श्री राम सहाण सपुत्र किणनचन्द सपुत्र दुलोमल बासो ई० णन० 197 कालोबनी मुहल्ला जालन्धर या मार्पत हरी ग्रोम सोप फंक्टरी, मन्डी फैन्टन गज, जालन्धर।

(ग्रन्निंग)

्र श्रो/शीमती/कमारी जैसा कि न० 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभाग में सम्पत्ति है)

4 श्री/श्रीमता/तमारी कोई व्यक्ति जा सम्पत्ति मे रिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्त सम्पत्ति केमबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबश्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण - -इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिरद्रीकृत बिलेख न० 3479 जून 1974 की राज्यद्वीकर्ता अधिकारी जालन्धर में हैं।

वी० ग्रार० सागर तारीख 31 जनवरी 1975 सक्षम प्राधिकारी मोहर सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, श्रमृतसर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश स० ए०एस०ग्रार०/जालन्धर/एपी-1557/74-75--यत:, मुझे बी० ग्रार० सागर आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी स० भूमि है तथा जो होशियारपुर रोड़ जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपायद भ्रन्सूची में भौर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिष्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के तारीख जुन उचित बाजार मत्त्र सेकम के दृश्यमात प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निभ्न-अन्तरण सिखित में वास्तविक लिखित उद्देश्य में रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधि- नयम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

 मैसर्स इंडियन लेमीनेटर होशियारपुर रोड़ जालन्धर द्वारा सरूप सिंह, वीवान सिंह, चरनजीत सिंह, इकबादल सिंह मार्फत भान सिंह अलूनियम फैक्टरी, होशियारपुर रोड़ जालन्धर (अन्तरक)

- 2. श्री किशोरी लाल सपुत्र किशन चंद पुत्र दुलीमल भार्फन हरी श्रोम सोप फैक्टरी मण्डी फैन्टनगंज, जालन्धर। (श्रन्तरिती)
 - 3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति जिसके बार में अ**धोहस्ताक्षरी** जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति न्नारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क म यथापरिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3480 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

वी० भ्रार० सागर

तारीख: 31 जनवरी 1975 सक्षम श्रधिकारी मोहर: सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भ्रम्तसर

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा 269-ध (1) वे अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

ण्ण्यम्रार/जालधर/ण्पी-1558/74-75---यत:, मझे वी० भ्रार० सागर श्रायक्र श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है,) की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है श्रीर जिसकी स० भूमि है तथा जो होशियारपूर रोड जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुन 1974 को उचित बाजार मृत्य से कम पर्वोद्धत सम्पक्ति के के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरको) भ्रौर भ्रन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तस पाथा गया प्रतिफल. के निम्नलिखित उद्देश्य में उबत श्रन्तरण लिखिन में बान्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्धकार देमें के अन्तरक के दायिक्व में वर्भावरने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिन्ती उप्पापन्य नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण मे, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध वा उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— मैंसर्स इडियन लॅमीनेटर होशियारपुर गेड जालन्धर द्वारा सरूप मिह, दीवान सिह, चरनजीत सिह तथा इकबाल मिह मार्फत भान सिह श्रल्नियम फैंक्टरी, होशियारपुर रोड़, जालन्धर।

(श्रन्तरक)

 श्री प्रेमनाथ मपुद्र किशोरी लाल मार्फत मैमर्भ हरी श्रोम सोप फैंक्टरी, मंडी फैंन्टन गंज, जालन्धर। (श्रन्तरिती)

उत्ताकि नं० 2 मे हैं। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे किंच रखना है।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीता में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी काक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख त० 3481, जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में है।

वी० श्रार० मागर, नारीख: 31 जनवरी 1975 मक्षम श्रिष्कारी, मोहर: सहायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण), श्रुजैन रेज, श्रमृतसर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269**घ** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 31 जनवरी 1975

निर्देश स० एएसग्रार/जालन्धर/एणी-1559/74-75—
यतः, मुझे वी० श्रार० सागर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम'कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन
मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है
और जिसकी स० भूमि है तथा जो होणियारपुर रोड, जालन्धर
मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण स्थ से
विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे
रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन
तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐमे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्स अन्तरण कि विवत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाइत आयणर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी इंग्ने भा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मैसरा इडियन लेमीनेटर होणियारपुर रोड़ जालन्धर हारा सम्रप सिंह. बीबान सिंह चरनजीत सिंह तथा इकबाल सिंह माफंत भान सिंह अलिनियम फैक्टरी होणियारपुर रोड जालन्धर। (अन्तरक)
- 2 श्री पतन क्सार सपुत्र किणोरी लाल सपुत्र किणन चस्द साफंट हरी योग सोत फैक्टरी मडी फैस्टन गज जालस्थर। (श्रन्तरिती)

ं जैसा की न०2 में है। (सह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग मंगम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखता है।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्धें है)

को यह सूचना जारी वरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति है। संबंध में कोई भी आखेव :--

- (क) इस सुचना के राजिश्व में प्रकाशन की तारीख में 45 इस की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीण में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा ,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्मी के पास विखित भे किए जा सकेंगे।

स्पर्शकरण: --इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भृमि जैसा कि रिजिस्ट्रीक्षा बिलेखन्य के 3600 जून 1974 को रिजिस्ट्रीकर्गा अधिकारी जातन्थर में हैं।

वी० स्रार० सागर, नारीख : 31 जननरी 1975 सक्षम प्राधिकारी, मोहर सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, विनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस० श्रार०/ जुल० /ए०पी०-1560/74-75--यत:, मझे वी० ग्रार० सागर ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका यह उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० भूमि जो होशियायपुर रोङ जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप में र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जान्लन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दुश्यमान प्रसिफल के भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तिषिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

ग्रतः श्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्: 7---486GI/74

- 1. मैसर्स इंडियम लेमीनेटर होशियारपुर रोड़, जालन्धर द्वारा सरूप सिंह, दीवान सिंह, चरनजीत सिंह तथा इकबाल सिंह मार्फत भान सिंह अलूनियम फैक्टरी होशियारपुर रोड़, जालन्धर। (श्रन्तरक)
- श्री मधु सूदन (घोटा) द्वारा राम सहार मार्फत मैसर्स हरी श्रोम सोप फैक्टरी, मण्डी फैक्टन गंज, जालन्धर। (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए एतव्दारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर गदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याम 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3601, जन 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में है।

वी० भ्रार० सागर, तारीख: 31 जनवरी 1975 सक्षम श्रधिकारी मोहर: सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रमृतसर प्ररूप आई० टी० एन० एस०—— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेशसं०ए०एस०भार०/जाल०/ए०पी०-1561/74-75—-मत: मुझे वी०भार० सागर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० भूमि जो होशियारपुर रोड जान्लन्धर में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध ब्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून, 1974 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/यां
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

जतः, अब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 मैसर्स इंडियन लेमीनेट होशियारपुर रोड, जालन्धर द्वारा सरुप सिंह, दीवान सिंह, चरनजीत सिंह तथा इकबाल सिंह मार्फत भान सिंह, श्रलूनियम फैंक्टरी, होशियारपुर रोड, जालन्धर । 2. श्रीमती संतोषी रानी पत्नी राम सहाय मार्फत मैसर्से हरी श्रोम सोप फैंक्टरी, मण्डी फैंन्टन गंज, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह ब्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हिच रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबस है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ह सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पटिकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3602, जून, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में है।

> वी० **प्रा**र० सागर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भ्रमतसर

तारीख: 31 जनवरी 1975

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

दिनाक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए० एस०ऋार०/जाल०/ए०पी-1562/74-८5---

यतः मुझे वी० ग्रार० सगर ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० भूमि है जो खुरला किंगराँ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थानः—

 कुमारी चिन्ती सुपुत्री हुक्म सिंह सपुत्र दयाल सिंह वासी खुरला किगरां तहसील जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री सत्य पाल लुभरा, ग्रमर नाथ लुभरा सपुत्र रामधन सपुत्र शामला राम वासी खुरला किंगरा तहसील आलन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 में हैं। (वह ड्यक्सि, जिसके श्रधिभीग में सम्पत्ति हैं)
- 4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति., जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबग्न किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3648 जून 1974 की रजिस्ट्रीकृती ग्राधिकारी जालन्धर में है।

> वी० श्रार० सगर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी 1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

दिनांक 31 जनवरी 1975

निवेश न० ए० एसं० भ्रार०/ए०पी० 1563/74-75---भ्रतः मुझे वी० ग्रार० सगर अधि मियम, **अ।य**कर 1961 (1961 ्का 43) (जिसे ईसम ईसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया हैं) की धारा 269-ध के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० 119/वी-1 टू 124/वी-1 है तथा कटड़ा मित सिंह बाजार हंसली, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध भनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय भ्रमृतसर में रजिस्ह्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून 1974

का 16) के प्रधीन, तारीख जून 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और भूकों यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तयिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब,उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री हरनाम सिंह, सपुत्र सूबा सिंह, करतार सिंह, सपुत्र सूबा सिंह, हरदयाल सिंह सपुत्र शाम सिंह सपुत्र सूबा सिंह गुरचरन सिंह सपुत्र शाम सिंह सपुत्र सूबा सिंह, बलवन्त कौर पत्नी शाम सिंह, मनमोहन कौर विधवा कृपाल सिंह सपुत्र शाम सिंह, अजन्ता बिलर्डिंग, पलैंट न०-22 थर्ड फ्लोर, बम्बई-52,.

(अन्तरक)

 श्री नारायण सिंह खुराना सपुत्र बिश्वन सिंह तथा सन्तोख सिंह खुराना तथा कुलवंत सिंह खुराना सपुत्र नारायण सिंह खुराना, कटड़ा मित सिंह, ग्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 में है तथा किरायेदार ।
 (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में
 सम्पति है)
- श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पति मे रुचि रखता है।

वह व्यक्ति जिसके बारे में हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिसवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 1204 जून 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी ग्रमृतसर में है ।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर ।

दिनांक: 12-12-1974

मोहर

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस०एल०/ए०पी० 1 5 6 4/7 4-7 5---

यतः मुझे, बी ० श्रार० सगर श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इरेके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 119/वी-1 टू 124/वी-1 है तथा जो करडा मित सिंह, बाजार हंसली, श्रमृतसर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1974

पर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य दुश्यमान प्रतिफल के लिए से कम के भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिषिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन मिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 हरनाम सिंह सपुत्र सूबा सिंह, करतार सिंह सपुत्र सूबा सिंह हरदयाल सिंह सपुत्र शाम सिंह सपुत्र सूबा सिंह गुरचरन सिंह सपुत्र शाम सिंह सपुत्र सूबा सिंह, बलवन्त कौर पत्नी शाम सिंह, मनमोहन कौर विधवा कृपाल सिंह सपुत्र शाम सिंह, श्रजंता बिलंडिंग, फ्लैंट न० 22 थर्ड फ्लोर, बम्बई-52

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र कौर सपुत्नी गुरबक्श सिंह पत्नी कुलबंत सिंह ज्ञानकौर पत्नी नारायण सिंह सुपुत्नी हरनाम सिंह/ कृपाल कौर सुपुत्नी सूबा सिंह पत्नी सन्तोख सिंह मार्फत : नारायण सिंह खुराना, करडामित सिंह, ग्रमुतसर ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं 2 में है तथा किरायेदार। (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में यिच रखता है।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो भायकर श्रिधित्यम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रषं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1203 जून, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए० एस०भार०/ए०पी०-1565/74-75--यत: मझे बी० ग्रार० सगर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 43) (जिसे इंसमें इंसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है वि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकीं सं० भूमि है जो माल रोड, बटाला रोड, श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ज्न, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नलिखित उद्देश्य में उदत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने भ सुविधा के लिए
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम द्वारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—-

 श्रीमती लखबीर साहनी परनी सतवस्त सिंह साहनी, वम्बई, श्रव 39 लारैंस रोड, श्रमृतसर तथा सोहन सिंह सुपुत्र जवाहर सिंह बाजार करमो डियोढी, श्रव 39 लारैंस रोड, श्रमृतसर। 2. श्री हरभजन सिंह बुटर सुपुत्र संता सिंह बुटर,चौक राम बाँग मार्फत मैंसर्ज टिपटाप ड्राईक्सीनर्ज, चौक राम बाग, भमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रद्योहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की अविधि या तरसम्बंधी ध्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे?

स्पव्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

भूमि जैसा कि रिक्तस्ट्रीकृत विलेख नं० 1089 जून, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी अमृतसर में है।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख:31 जनवरी, 1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रज, प्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए० एस० भ्रार०/जुल०/ए०पी०-1566/74-75--यतः मुझे, बी० ग्रार० सगर भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25000/-रुपये से अधिक जिसकी सं० धरती है, तथा जो वस्ती गंजा, जालंधर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण **मधिनियम,** 1908 (1908 का 16) के मधीन जुन, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरिप्तियों) के बीच ऐ से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया **§**—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए ;

ग्रत: श्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुकरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:——

 श्री बूद सिंह , धर्म सिंह पुत्र श्री पोहा सिंह मार्फत : पोला सिंह पुत्र सोभा सिंह, बस्ती गंजा, हाउस नं० डब्ल्यू जे-42, जालंधर, गहर। (श्रन्तरक) सत्यापाल, राज पाल , जोगिन्द्र पाल, विजय पाल शशीपाल, पुत्र श्री ग्रमर नाथ पुत्र संत राम,
 418-ए, ग्रादर्श नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 पर है ।
 (वह अ्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह ब्यक्ति जिसके बारे में मधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप,:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गढ़ों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3596 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी आलन्धर में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप धाई॰ टी० एन० एस०-

झायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस० घार०/जुल०/ए०पी०-1567/74-75--मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रधिनियम कहा गया की धारा 269 घ को ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है भौर जिसकी सं धरती जो सिविल लाईन्स जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 कि 16) के प्रधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम प्रतिफल के लिए मन्तरित की के दुश्यमान गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री योगराज शाह पुत्र धन राज शाह, वासी, ई० एच० 172, सिविल लाईन्स, जालन्धर। (श्रन्तरक)
- श्रीमती चिंतकौर पत्नी काबल सिंह वासी, रायपुर, रसूलपुर, त. जालन्धर।
 (ग्रन्सरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह ब्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के संबंध में कोई आक्षेप,:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अथित द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3582 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> वी० श्रार० सगर सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक द्वायकर द्वायुक्त (निरीक्षण),

मर्जन रेंज, ममुतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1974

निदेश सं ० ए० एस० भार० /जाल० /ए०पी०-1568/74-75---यतः मुझे, वी० भार० सगर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रिष्ठिनियम कहा गया है) की धारा 2.69-खा के अधीम सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है भीर जिसकी सं० धरती है सथा जो सिविल लाइन्स, जालन्धर मे स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिरन में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घम या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

भत: अब, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उनत अधिनियम, की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— 10—486G1/74

- 1. श्री योगराज माह पुत्र धनराज माह वासी, ई० एच० 172, सिविल साईन्स, जासन्धर। (भ्रन्तरक)
- श्री ज्ञान सिंह पुत्र का बुल सिंह वासी रामपुर, रसूलपुर, स० जालन्धर।

(भन्तरिती)

3 जैसा, कि मं∘ 2 पर है।

(वंह व्यक्ति , जिसके भशिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति को सम्यक्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जाता है कि वह सम्यक्ति में हिता आहै)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिएँ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद विश्वी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताधारी के पास विश्विन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दो और पदों का, को आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3584, जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी जालन्धर में सिखा है।

> बी० झार० सगर, सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रॅंज अमृतसर।

तारीच: 31 जनवरी, 1975

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए० एस० घार०/जुल०/ए०पी०-1569/74-75— यत: मुझे, वी० घार० सगर

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 43) धारा 269-ध के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका चिति बाजार मुल्य 25,000/- ठ० से अधिक है भीर जिसकी सं० धरती है, तथा जो सिविल लाईन्स, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधितिमय 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में निम्मलिखित धास्तिविक रूप से कथित नहीं कया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुक्षिण के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उवत अिविनयम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--- श्री यौगराज शाह पुत्र धन राज शाह वासी ई० एच० 172 सिविल लाईन्स, जालन्धर ।

(मन्तरक)

2. श्री भीम सैन, पुत्र पूर्ण चन्द वासी सिविस लाईन्स, जालन्छर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि मं० 2 पर है।

(वह व्यवित जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है

4. कोई भ्यापित जो सम्पत्ति में रिच रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी
जानताहै कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी अक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की अविधि या तन्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित-वदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यप्तीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याम 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3585, जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० मार० सगर, सन्त्र प्राविकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भजंन रेंज, समुससर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक भायकर भायुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भमृतसर दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०म्रार०/जास०/ए०पी०-1570/74-75---यत: मुझे बी० ग्रार० सगर भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् उकत अधिनियम कहा गया है की धारा 269-च के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहस 25,000/- इ० से ब्रधिक है भीर जिसकी संवधरती है तथा जो सिविल लाईन्स, जालन्छर में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रक्षिप मा परदृष्ट प्रतिशत अधिक है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उरेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत भायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के ग्रजीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिख मे कमी करने या उससे कचने में भुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 क 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

मत: मज, धारा 269-ग के मनुकरण मे, मैं, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तियो मर्यातु :---

 श्री योगराज साह पुत्र धन राज साह बासी ई० एच० 172 सिविल लाईन्स, जालन्धर।
 (धन्तरक) कुमारी शान्ता, शशी, पुत्री जी० डी० उपल, वासी सिविस लाईन्स, जालन्धर।

(मन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2.पर है।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधियोग में सम्पत्ति है)

 कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी आनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पति के संबंध में कोई भी अक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यवित । पर हुकता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यवित यो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर मन्पत्ति में हितबड़ विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहरताकरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो आयकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

घरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखन० 3586, जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> वी० भार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (नरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोतुर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०----

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961का 43) की भारा

269-व (1) के पधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, प्रमुतसर

दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०ग्रार०/जाल०/ए०पी०-1571/74-75--यत: मुझे, बी० म्रार० सगर भायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त घिधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- **६**पये से अधिक है उपित बाजार मृत्य मीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो पठानकोट रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधिकारी के कार्यालय जालन्धर मे रिजस्ट्रीकरण **प**धिनियभ 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून, 1974 को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार दृश्यभान से कम प्रतिफल लिए **अन्त**रित ₹ और की गर्द मझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अम्तरको) और अम्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्त अन्त-रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई भिसी आय की शायत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य अहितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ण की खपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित स्विक्तियों, वर्षादः

 श्री लख्मन सिंह पुत्र इन्द्र सिंह पुत्र करमा वासी गांव रेक, तहसील जालन्धर।

(भन्तरक)

 श्रीमती शीला वन्ती पत्नी मंगल सिंह लडा राम वासी डक्स्यूबी-7, बाजार शेरवी, जालम्धर।

(ग्रन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिनके भविभोग में सम्पत्ति है)

 कोई व्यक्ति, जो सम्पक्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवत सम्पत्ति भी संबंध में कोई भी भाक्षेप, 🜤

- (क) इस सूचमा के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्यब्बीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिचाषित हैं, बही क्यें होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

भनुसुची

धरती जैसा कि रजिस्हीकृत विलेख नं० 3692, जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिकारी जालम्बर में सिखा है।

> वी० ग्रार० संगर, सक्षम प्राधिका ही सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंग रेंज, ग्रमृतसर

तारीखः 31 जनवरी, 1975 मोहरः प्रकृष आई ॰ टी॰ एन० एस०—— आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, ममृतसर दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०मार०/जाल०/ए०पी०-1572/74-75--यत: मुझे वी० भ्रार० सगर 1961 अधिनियम, (1961 年 43) जिसे इस में इसके पश्चात उनत अधिनियम नहा गया है। की धारा 269-च के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ध्रधिक है ऑर जिसकी भीर जिसकी सं ० धरती है तथा जो पठानकोट रोड, जालन्धर में स्थित 🛊 (ग्रीर इससे उपावद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1974 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में अभ के वृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिपक्ष से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत क्रिक्ष है कौर यह कि मन्तरक (मन्तरको) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच तय ऐसे मन्तरण के लिए पावा गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से लिखित में बास्तविक रूप से कथित उवत भन्तरण नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे श्रुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियो, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उदत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उदत अधिनियम, की धारा 269-च की अपबास (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री लख्यमन सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, पुत्र करमा निवासी गांव रेक, त्रह्मील जालन्धर । (ग्रन्तरक)
- श्रीमती शीला बन्ती पत्नी मंगल सिंह पुत्र लडा राम वासी डब्ल्यू, बी 7०, बाजार शेरवां, जालन्बर । (श्रम्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभीग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पन्ति में ठिच रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रश्नोहस्ताकारी
 जानता है कि यह सम्पत्ति में हिटबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई आक्षेप, ---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इयस्टीइरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिश्रापित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 3473, जून, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० म्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, ममुससर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०——— भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज, धमृतसर अमहसर, दिनांक 31 जनदरी, 1975

निर्देश सं० ए एत भार०/जुन०/एपी-1573/74-75-- यवः मझे बो० घार० सगर मानकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका र्जाचत बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है भीर जिसकी सं क्लाट नं ब 425 है तथा जो मोता सिंह नगर, जालन्धर में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद ब्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से विज्ञित है), रिजर्दावर्ता ककियारी के वामारूय जारूग्धर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भाधीन जुन, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है धोर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से घाधक है घोर भन्तरक (भन्तरकों) धार अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नही किया यया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर श्रांधनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

मतः, मब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुकरण में, में उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के मधीन निम्नलिखित म्यक्तियों, अर्थात -- श्री राम लुमाया सुरुत्त स्व० परमानन्व किला मौहल्ला, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री स्वर्ण सिंह सुपुक्ष करम सिंह गांव श्रद्दाः डाकखाना गोराया, जिला जालम्धरः।

(भन्वरिती)

3. औसा कि नं ० 2 में है। (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रश्चिभोग में सम्पर्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में ठिच रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)
को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3097, जून, 1974को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिष्ठकारी जालन्घर में लिखा है।

> बी० आर० सगर सक्षत अधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भ्रमतसर

तारीख: 31 जनवरी 1975

प्रकप धाई ० टी ० एन ० एस० -

आयकर कहिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध(1) के कधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकार शाय्यत (किरीक्षण)

ग्रर्जन रेज,ग्रमुषसर

अमृतसर दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए एस म्रार/ जाल०/ए पी०-1574/74-75—
यतः मुझे बी० म्रार० सगर भ्रायकर भ्रधिनियम,
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त
अितियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है
घौर जिसकी सं० 3 दुकाने गोदाम तथा भूमि है, तथा जो बस्ती नाऊ,
जालन्धर में स्थित है (भीर इससे उपावद मनुसूची में झौर पूर्ण
इप से वर्णित है), रिजरट्रीय तर्ग मधिकारी के कार्यालय जालन्धर में
रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन जूम,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से वम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का वगरण है कि यथा-पूर्वोक्स सम्पत्ति वा उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और झन्तरक (झन्तरकों) और झन्तिकिती (झन्तरियो) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उभत झन्तरण लिखित में बास्तिकक कप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिये और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब उन्त की अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपम्रारा (1) के सधीन, निम्मलिखित स्यक्तियों अर्थात्:— परवोत्तम लाल सुपुत्र मेहर चन्द प्रैं जिडेंट स्यूनिस्पल कमेटी, बंगा तहसीन, नवागहर।

(ग्रन्सरक)

2. श्री सतपाल, प्रेमनाथ, कृष्ण चन्द, परषोत्तम लाल, जसबन्त राय सुपुत्र माघी राम सुपुत्र श्रमीर चन्द वासी बंगा, सहसील, नवीगर।

(ग्रन्खरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मेरुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहरत क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पिरिभाषित हैं, वही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख गं० 2733, जून, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में है।

> बी० श्रार० सगर सक्षम अघिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रमृतसर

सारीख: 31 अनवरी 1975।

योहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०---

ध्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा

269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर धायुक्त (निरीक्षण) प्रजंत रेंज, अमृतसर

अमत्तसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए ०एस० प्रार०/जाल०/ए ०पी०-1575/74-75---यतः मुझे यी० मार० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पप्रचास 'उपत अधिनियम' पहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है धीर जिसकी सं० धरती है, तथा जो माइल टाउन, जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून, 1974 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान लिए अन्तरिप्त की गई मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्तिकाउचितं बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपल अन्तरण लिखित में नास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भार: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुक रण में, मैं, उन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कसीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- 1. (1) रघवीर सिंह पुत्र नत्था सिंह, जालन्धर।
 - (2) श्री कुलवीप सिंह भोहरी पुत्र नत्था सिंह पुत्र भक्क सिंह, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

2. दीदार सिंह पुत्र मूल सिंह घोर स्वर्णकोर परनी दीदार सिंह वासी सलीमपुर मसांदा, त० जालन्घर ।.

(ग्रन्तरिती)

3. श्रीसा कि नं० 2 में है। (वह ध्यक्ति जिसके ग्राधिशोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति , जो सम्पत्ति में रिच रखता है)
(अह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताकारी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध, में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3650, जूस, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

> बी० म्रार० सगर सक्षम अधिकारी सहायक द्यायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ममुतसर

तारीखः 31 जनवरी, 1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन श्रमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अम्तसर, विनांक 31 जनवरी 1975

निर्वेश सं० ए०एस०म्रार०/जाल०/ए०४ी०-1576/74-75-यतः मुझे वी० प्रार० सगर श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- र० से अधिक है भौर जिसकी सं० धरती है तथा जो न्यू ग्रेन मार्किट, जालन्छर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्टीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ज्न, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (अप) ऐसी किसी आय याकिसीधन याअन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. मोहिन्दर पाल उर्फ जिनन्दर पाल जैन पुत्र रेखव दास पुत्र लाम्मुराम 19-डी, या 19-एल, किदार बिल्डिंग, 9-486GI/74

सब्जी मन्डी, देहली, श्री लक्ष्मी देवी विधवा, रक्षा देवी, प्रभावती पुलियां श्री रेखव दास

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) कैलाणवती पुत्री दीवान चन्द पुत्र चिरंजी राम, मंडी फैतन गंज, जालन्घर ।
 - (2) प्रशोक कुमार पुत्र मोहन लाल , मोहन लाल पुत्र कुंदनलाल, मंडी पेंतन गंज, जालन्धर । (भ्रन्तरिती)

3. जैसाकिनं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रिच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत घिलेख नं० 3212 जुन, 1974 भ्रौर 5955, सितम्बर, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> वी० श्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, अमनसर

ग्रमृतसर, दिनाक 31 जनवरी 1975

निर्देश स० ए०एस० प्रार० /ए०पी०-1577/74-75-- यत मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी स० 18 है, तथा जो आर० बी० दुनीचन्द रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1974

पूर्वीवस सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कथ के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित गई है और मुझे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रशिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह अन्तरक (अन्तरकों) प्रतिशत अधिक है और अन्तरिसी (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-नियम, की धारा 269-घ वी उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात ——

- अभि मोहनलाल सपुत्र कुन्दनलाल 104/1,के० पाल एथेल्यू, कलकत्ता, अटार्नी तारा चन्द 76 कैनेकी रवेन्यू, अमृतसर । (अन्तरक)
- 2 श्री मानक चन्द खन्ना सपुत्र सीताराम प्लाट नं० 32-33, यूनाईन ग्रीन पार्क, खार, बम्बई-52। (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि न० 2 मे है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 कोई व्यक्ति, जो सम्पत्तिमे रचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1097 ज्न. 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी श्रमतसर में हैं।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

तारीख 31 जनवरी 1975 मोहर प्रारूप आई०टी०एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस० ग्रार०/फग०/ए०पी०-1578/74-75---यतः, मुझे, वी० म्रार० सगर, मायकर मधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी स० धरती है, तथा जो फगवाड़ा, में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सुची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुन, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. श्री तरसेम लाल उर्फ तरसेम मिह पुत्र गञ्जु राम संनी, निगाहा मोहल्ला, फगवाड़ा ।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्रीमती स्वर्णकौर पत्नी फुमन सिंह वासी मोहल्ला कल्पना, होशियोरपूर रोड, पगवाड़ा। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(बह न्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्रति आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न॰ 17 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भ्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस० ग्रार०/ए०पी०-1579/74-75--यतः, मुझे, बी० श्रार० सगर, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम, कहा गया है) की घारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 858 है तथा जो माल रोड, भ्रमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून, 1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से विश्वत नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- लै॰ कर्नल मनमोहन सिंह सपुत्र नारायण सिंह,
 1018, सैम्टर 27-बी, चण्डीगढ़। (प्रम्तरक)
- 2. श्री तिलकराज सपुत्र मुलखराज, नरषट मिर्जा तथा राजकुमार सपुत्र कुलख राज, कोर्ट रोड, सहारनपुर। (ग्रन्तिरती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबस है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सन्बन्ध में कोई भी भाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारी खासे 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1212 जून, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी प्रमृतसर में लिखा है।

> वी० मार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीखः 31 जनवरी, 1975

प्ररूप आई०टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्धेश सं० ए०एस०आर०/ए०पी०-1580/74-75--यतः, मुझे, बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

धौर जिसकी सं० खसरा नं० 858 है तथा जो माल रोड, ध्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीः (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अपिक्तियों, अर्थात् :----

- लै० कर्नल मनमोहन सिंह सपुन्न श्री नारायण सिंह ,
 1018, सैक्टर 27-बी, चण्डीगढ । (मन्तरक)
- कुमारी राजिन्द्रवती सपुत्री भगवान वास तथा राजिन्द्रपाल सपुत्र मुलखराज, चौक चिंतपुरनी, श्रमृतसर । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में घिन रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1211 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ग्रमृतसर में है।

> वी० भार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

सारीख: 31 जनवरी, 1975

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृक्षसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्देश सं० ए०एस०श्चार०/जाल०/ए०पी०-1581/74-75--ंयतः, मुझे, वी० भ्रार० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम, कहा गया है) 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ४० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजदीक माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून, 1974 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त उसके दुश्यमान सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए मुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब उक्त नियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्रीमती सरस्वती बाई विधवा राम लाल सुपुत्र राम चन्द डब्ल्यू. एफ. 145, श्रली मोहल्ला, जालन्धर । (श्रन्तरक)
- 2. श्रमृत को-श्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी, लि॰ एन. एम. 594, गोपाल नगर, जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जी कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए शुरू कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर श्रिश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) के श्रद्ध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3654 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> भी० भार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, स्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप आई• टी॰ एन॰ एस॰-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रमतसर

अमतसर, दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०ग्रार०/जाल०/ए०पी०-1582/74-75— यतः मुझे वी० ग्रार० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की प्राधिकारी अधीन सक्षम धारा 269-घ के यह विभ्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजदीक माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून, 1974 को पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अक्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर मन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उस से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1)के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

 श्री कृष्णलाल सुपुत्र रामलाल डब्ल्यू. एफ. 145, झली मोहल्ला, जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रमृत को-श्रापरेटिय हाउस बिल्डिंग सोसायटी, लि॰ एन. एम. 594, गोपाल नगर, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, ओ सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:——
(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामी ल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यचापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3655 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी जालन्धर में है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहर:

....

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भ्रमतसर

अमृतसर, विनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं ० ए०एस० ग्रार०/जाल०/ए०पी०-1583/74-75-यत:, मुझे, वी० म्रार० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निप्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजदीक माइल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमाम प्रतिकल से ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न- लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्वात् :---

- श्री रामप्रकाश सुपुत्त रामलाल , डब्स्यू०एफ ० 145, श्रली मोहल्ला, जालन्धर । (श्रम्सरक)
- 2. श्रमृत को-श्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि॰ एन॰ एम॰ 594, गोपाल नगर, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3656 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकृती अधिकारी जालन्धर में है।

> वी० झार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर श्रामुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रमुलसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर दिनाक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस०क्रार०/ए०पी०-1587/74-75—-यत:, मुमे, बी० श्रार० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) 155 की धारा 269ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 31 है, तथा जो दयानन्द नगर, श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से के धृश्यमान प्रतिफर्ल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, मेसे दुम्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्सरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपःल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श्व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री राजकुमार, रोणनलाल, सुपुत्र जय गोपाल, सत्यावती पत्नि जय गोपाल, जोगिन्द्र पाल सुपुत्र जय गोपाल लारैंस रोड, ग्रम्तसर द्वारा श्री तिलक राज श्रटार्नी।

(ग्रन्तरक)

- 2. श्रीमती मानवती पत्नी किकोर चन्द , नीरू मेहरा पत्नी कालीचरन, कालीचरन मुपुत्र किकोर चन्द, किशोर चन्द सुपुत्र राम प्रताप, दयानन्द नगर, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है।
 (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई ब्यक्ति, जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी भारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिनकी अवधिजो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 31, दयानन्द नगर श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1046, 1047, 1048 तथा 1049 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में है।

वी० भ्रार० सगर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, म्रमुससर

तारीखः 31 जनवरी, 1975

मोहरः

12-486GI/74

प्ररूप आई०टी एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर अमनसर दिनांक 31 जनवरी 1975

निषेण मं० ए०एस०ग्रार०/ग्रज०/ए०पी-1589/74-75---यत: मुझे वी० श्रार० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 🖣 43) जिसे इसम इसके पश्चात उक्त श्रधिनियम, कहा गया है 269-ध के प्राधिकारी अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है न्नीर जिसके सं० भूमि है तथा जो तलवंडी, नाहर में स्थित है न्नौर इससे ल्याबद अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजनाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ज्न, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के लिए अन्तरित की गई वश्यमान प्रतिफल विश्वास **क**रने का कारण है कि और मुझ यह यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उसमें बचने सुविधा में के लिए और /या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें म सुविधा के लिए

अत., अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नियिखत व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री तारा सिंह, दारा सिंह सुपृष्त धर्जन सिंह, केसी देवी सुपुत्री धर्जन सिंह गांव तलवंडी, नाहर, तहसील धर्जनाला। (ध्रन्तरक)

- 2. श्री कुलवन्त सिह, सुपुत शिगारा सिह, जोगिन्द्र सिह, महिन्द्र सिंह, तारा सिह सुपृत्र सौदागर सिह, गांव तलवंडी, नाहर, तहसील श्रजनाला। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के घर्जन के प्रति ग्राक्षेप, यदि कोई हो, तो :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअझ किसी श्रन्य ध्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्मब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो झायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अमुसुची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1349 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रजनाला में है।

> वी० भार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीखः 31 जनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर यायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, ध्रमृतसर अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस०भ्रार०/ए०पी०-1591/74-75---यतः मुझे, थी० श्रार० सगर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रधिनियम कहा गया है) की धारा 2.69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, ग्रीर जिसकी सं० कोठी न० 36 है तथा जो मकबूल रोड, ग्रम्तसर में स्थित है (फ्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) केबीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा बचने के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारों प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री सरदारी लाल सुपुत्र दीवान चन्द कलकत्ता- 7
 द्वारा श्री जगदीण प्रसाद सुपुत्र ं हीरालाल,
 14 माल रोड, ग्रमृतसर।
 (ग्रन्तरक)
- श्री वृज मोहन सुपृष्न नारायण दास, मकबूल रोड, श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 मे है।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोषत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहग्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं० 36 रोज, एवेन्यू मकबूल रोड, भ्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 918, जून 1974 में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, श्रमृतसर ।

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं ए०एस० श्रार०/ए०पी-1592/74-75--यतः

मुझे, बी० ग्रार० सगर, ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-ह० से ग्रधिक है

को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, भ्रौर जिसकी सं० कोठी नं० 3 है तथा जो हुकम सिंह रोड, ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रम्तसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार के दुश्यमान प्रतिफल के लिए कम यह विभ्वास करने की गई है और मुझे ग्रन्तरित का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह व्रतिशत से प्रधिक है ग्रौर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप

> (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या

से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भ्रत : भ्रब, धारा उक्त अधिनियम 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--

1. श्री हरजीत सिंह संधू सुपुत्र गुरदयाल सिंह सन्धू, गांव चप्पा राम सिंह, जिला श्रमृतसर। (अन्तरक)

- श्री चतरभुज गुप्ता, सुपुत्र हीरालाल गुप्ता, लछमन सर् छन गली, श्रमृतसर। (अन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई ब्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह ब्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां ग्ररू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो झायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्थ होगा, जो उस झध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1051 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निर्वेण सं० ए०एस०ग्रार०/ए०पी०-1593/74-75---यतः मुझे, वी०श्रार० सगर,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है' की धारा 269ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/—क० से श्रिधिक है

25,000/--ए० से प्रधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 230/13-3 है तथा जो कूपर रोड, श्रमृतसर में
स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)
रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण
ग्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून, 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है
ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर यह
ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच
ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया
गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या स्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय स्रायकर स्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर स्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुकरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ध्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्,:---

- 1. श्रीमती स्नेह प्रभा विधवा, रोशनलाल एस० एच०, अगोक कुमार, रिव कुमार, सुपुत्त रोशनलाल, रोमा पुत्री रोशनलाल, वासी अजेरदर्शन नेपियन-सी रोड, बम्बई-21 द्वारा कुन्दनलाल कूपर रोड, अमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्री विजय कुमार सुपुत्र कुन्दनलाल, क्वीनज रोड, ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है तथा श्री हंसराजपुरी (किरायेक्षार) (वह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1000 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी भ्रमृतसर में है ।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमुतसर।

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस०भ्रार०/फग०/ए०पी०-1594/74-75---ग्रायकर अधिनियम यतः मुझ बी० श्रार० सगर 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया ह) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है ग्रीर जिसकी सं अरती है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के जिस और/या

तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण

लिखित बास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

खतः, अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, आयकर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री सुरिन्दर सिंह, जसविन्दर सिंह पुन्न मेहरसिंह, सुरजीत कौर स्नादि, वासी गौराया। (अन्तरक)

- 2. श्रीमती पदमावती पानी श्री मदन लाल, मार्फत पूनमबार एण्ड रैंस्टोरेन्ट, जी० टी० रोड, फगवाड़ा। (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं ० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 482 जून, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है!

> वी० श्रार० सगर, सक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, श्रमृतसर

तारीखः 31 जनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रम्तसर अमतसर दिनांक 31 जनवरी, 1973

निदेश सं० ए०एस० श्रार०/फग०/ए०पी०-1595/74-75--यतः, मुझे, वी० ग्रार० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं 0 धरती है तथा जो जी बी बोड फगवाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड म्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल स का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से मधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने भे सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के जिये

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, अधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

 श्री जोगिन्दर सिंह जी० ए० श्राफ ज्ञानकौरपुत्री मोहनसिह गुरदशन पुत्र श्रमर सिंह जी ए० श्राफ सखनकौर, पवित्रकौर, राजिन्दर कौर, नरिन्दर कौर, पृतियां मोहन सिंह, सतनामपुरा, नजदीक कालिज, फगवाड़ा (ग्रन्तरक)

- 2. उजागर सिह पुत्र जगीर सिह, वामी फगवाडा । (श्रन्तरिती)
- जैसा कि न० 2 पर है।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रश्चोहस्ताक्षरी जानताहै कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ ह)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के संपध भें कोई बी आक्षेख

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेखन ० 773 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फगवाडा में लिख है।

> वी० श्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एम० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर
अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस०म्रार०/फग०/ए०पी०-1596/74-75--यत.; मुझे, वी० श्रार० सगर श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक श्रौर जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड, फगवाडा मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रन सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन जून, 1974 को पुर्वोक्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) कें बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

- अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरणें में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—
 - श्री जोगिन्दर मिंह जी० ए० श्राफ ज्ञान कौर पुत्नी श्री मोहन सिंह, गुदर्णन सिंह पुत्न श्रमर सिंह जी० ए० सरवनकौर पवित्र कौर, राजिन्दर कौर, नरिन्दर कौर, पुत्नियां मोहन सिंह सतनामपुरा, नजदीक कालिज, फगवाड़ा। (श्रन्तरक)
 - श्री शिवचरण सिंह पुत प्यारा सिंह पुत भगवान सिंह बासी गौराया, श्रौर निर्मल सिंह पुत्र राजसिंह वासी जालन्धर कैंट।

(धन्तरिती)

- जैसा कि नं० 2 पर है।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुंचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितयद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन कें लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस ब्याह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 721 जन, 19 74 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनाक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एम० म्रार०/फग०/ए०पी०-1597/74-75--यतः, मुझे, बी० म्रार० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० धरती है तथा जो जी० टी० रोड, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदा-पर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब. उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:---

 जोगिन्दरसिंह जी०ए० ज्ञान कौर पुत्नी श्री मोहन सिंह, गुरदर्शन सिंह पुत्र अमर सिंह जी० ए० आफ सरवन कौर, 13—486GI/74 पित्रकौर, राजिन्दर कौर, निरन्दर कौर पुत्रियां मोहनसिंह, सतनामपुरा, नजदीक कालिज, फगवाड़ा। (श्रन्तरक)

- जसिवन्दर मिह पुत्र लम्बर सिंह, बलिवन्दर कौर पुत्री लम्बर सिंह वासी कुकर पिंड, गृरदीप सिंह पुत्र ऊधम सिंह, बामी जालन्धर । (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि न० 2 पर है।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिशोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे किच रखता है ।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 624 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर भ्रा**युक्त (निरीक्षण**) श्रर्जन **रें**ज, **भ्रम्**तसर

मोहर :

तारीखः 31 जनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भागलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी, 1975 निदेश सं० ए०एस०आर०/फग०/ए०पी०-1598/74-75—

यतः मुझे वी० श्रार० सगर आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात उक्त अधिनियम, कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कि से अधिक है और जिसकी के धरती है तथा जो जी बीर रोड, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1974 को पूर्वोंक्त सम्पति के

उणित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यहिषध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रत अधिक है कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे मुविधा के लिए।

अतः, उक्स अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण में, मै, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थास्:---

श्री जोगिन्दर सिंह जी० ऐ० ज्ञानकौर, पुत्नी श्री मोहन सिंह, गुरदर्शन सिंह पुत्र प्रमर सिंह जी, ऐ० स्वर्णकौर, पविलकौर राजिन्दर कौर, निरिन्दर कौर पुत्र मोहनसिंह, सतनाम पुरा, नजदीक कालिज, कगवाडा ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमित सरजीतकौर या सुरजीत कौर पत्नी तारा चन्द. गांव सरहाला मंडरा, जिला होणियारपुर।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, सरी

भर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 63 9, जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० आर० सगर सक्षम ग्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975 | निदेश न० ए**० एस० भार/ एपी-1599/7**4-75--- यतः मझे वी० ग्रार० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा के भधीन भी धारा 269-ঘ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/ रु० से मधिक है धीर जिसकी सं० सम्पति है तथा जो कटडा मोहर सिंह अमृतसर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत:, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्निजिखित व्यक्तियों. अर्थात :----

 श्री शांति लाल चब्डा सपुत्र गनेश दास चड्डा बिल्डिंग, सिते रोड़ (डा० श्रम्बेदकर मार्ग) बम्बई-19 द्वारा

- कृष्ण लाख (खुद तथा जनरल श्रटार्नी) सपुत्र गनेश दास चड्डा, चड्डा बिल्डिंग, सिते रोड़ (डा॰ श्रम्बेदकर मार्ग) बम्बई-19 (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राजरानी पत्नी खुशाल चन्द ग्रानन्द, कटडा भाई सत सिंह ग्रमृतसर शंकुन्तला रानी पत्नी प्रेम नाथ ग्रानन्द, गली गण्डां वाली नमक मण्डी श्रमृतसर, अमिला रानी पत्नी जगदीश लाल ग्रानन्द बेरी गेट, श्रमृतसर मनोरमा रानी पत्नी ग्रबनाशी लाल ग्रानन्द कूचा बेरी वाला, कटडा मित सिंह, श्रमृतसर ।

(अन्तरिती)

- 3. श्री सतपाल, लभूराम, सतपाल, मनोहरलाल राजपाल, जगदीश चन्द, लीला राम, उत्तम चन्द (सभी किराएदार) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)
- . कोई व्यक्ति जो सम्पति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोह-स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्दध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अड्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थे होगा, जो उस अड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेखन० 1167, जून 1974 को रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी श्रमृतसर में है।

> बी० स्नार० सगर स**क्षम प्राधिकारी** सहायक स्रायकर श्रायुक्त **(निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी 1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंत रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/एपी-1600/74-75 ---- श्रतः मझे बी० ग्रार० सगर ग्रायकर श्रिवनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया के अधीन धारा 269-ख प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 🕽 कोठी न० 168, 169, 186 है तथा जो श्रजीत नगर श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन, तारीक जुन 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री गुलजार सिंह सपुत्र सौदागर मिह, गली नं० 1 कोट हरनाम दास, अमृतसर। (श्रन्तरक)
- श्रीमती जसबीर कौर पनी प्रीतम सिंह टाईगर 169 प्रजीत नगर, ध्रमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 मे है।

(वह ब्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखना है।

> (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोह-स्ताक्षरी जानता हैं कि वह सम्पत्ति में हितबदध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया सत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त गडदों और पढों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

र्म भाग कोठी न० 168-169-186 श्रजीतनगर, श्रमृतसर, जैसा कि रजिस्टीकृत विलेख न० 1127 जून, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी श्रमृतसर में हैं।

वी० श्रार० सगर सक्षम श्रिषकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 31-1-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्यर्जन रेंज स्रमृतसर अमृतसर दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/जेयूएल/एपी-1601/74-75--

यतः मुझे बी० ग्रार० सगर
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-६०
से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० कोठी न० 296-एल हैं तथा जो माडल टाउन, जालंधर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1968 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तिरित (श्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्यात्:—

 श्री मेजर परमजीत सिंह पुत्र हरवीप सिंह पुत्र हरनाम सिंह 413-माडल टाऊन, जालंधर (अन्तरक)

- 2. श्रीमती कृष्णा देवी धवन पुत्र श्री भीम सैन धवन पुत्र श्रीभारत राम वासी गांव सादिक अब 296 एल माडल टाऊन, जालधर। (अन्तरिति)
- जैसा कि न० 2 पर है।
 (वह क्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोह-स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।
जक्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, सही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी न० 296-एल माडल टाउन जालंधर जसा कि राजस्ट्रीकृत विलेख न० 3501 जून 1974 राजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी जालंधर में लिखा है ।

> वी० म्रार० सागर, सक्षम प्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायु**क्त (निरीक्षण)** म्रजैन रेज स्रमृतसर

तारीख : 31-1-75

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰ आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 31 जनवरी 1975

निदेश न० ए०एस० ग्रार/जेयूएल/एपी-1602/74-75—
यत: मुझे बी० ग्रार० सगर आयक्तर अधिनियम, 1961
(1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) की धारा 269-ध को अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
ग्रौर जिसकी सं० ग्राधी कोठी 454-एल है तथा जो माउल टाउन,
जालंधर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण
रूप में बणित है)., रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जालंधर
में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,
तारीख जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती निधा कौर पन्नी जमीयत सिंह पुत्र श्री श्रभर सिंह, घडियाला त० जालंधर श्रव 329 न्यू जमाहर नगर, जालंधर (ग्रन्तरक)

- 2. श्री मती गुरचरन कौर पत्नी करतार सिंह पुत्र मोक्सूल सिंह, 454-एल माडल टाउन, जालंधर । (श्रन्तरिती)
- जैसा कि न० 2 मे हैं।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोह-स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं । उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप,:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और गवों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्राधी कोठी न० 454-एल माडल टाउन, जालंधर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 3484 जून 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता म्रिधका ने जालंधर में लिखा है।

> वी० घ्रार० सगर सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जैन रेंज ग्रमुतसर

तारीख: 31 जनवरी 1975 मोहर:

> 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृक्षसर

अमृतसर, विनांक 31 दिसम्बर 1975 निर्देश नं० ए०एम० प्रार०/जेयूएल/एपी-1603/74-75---यतः मुझे वी० श्रार० सगर श्रायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो माइल टाऊन, जालंधर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालंधरमें रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जन 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिएतय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (1) ऐसी फिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

 श्री मोहिंदर सिंह पुत्र जगत सिंह वासी मकान न० 373, गली न० 8 मैंद्रल टाऊन, जालंधर जी० ए० लक्ष्मन सिंह पुत्र मोता सिंह गांव दोमाना कला त० जिला होशियारपुर । (श्रन्तरक) 2. श्री स्वर्ण सिंह, हरत्रंस सिंह पुत्र इन्दर सिंह प्लाट न० 2 नजदीक गोपाल श्रायल मिल्स, मिठापुर नकोदर रोड़ नजदीक माङल टाऊन, जालंधर ।

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि न० 2 पर है ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
 सम्पत्ति है)

ग. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रिच रखता है। (यह ब्यक्ति, जिनके बारें में ग्रधोह-स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप,:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरित्राषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू ची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न॰ 2522 जून 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालंधर में लिखा है।

> (वी० ग्रार० सगर) सक्षम ध्रधिकारी सहायक श्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रजेन रेंज श्रमृतसर

तारीख:: 31-1-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रामकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्र<mark>िधीन सू</mark>चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए०एस०म्रार०/जाल०/ए०पी०-1604/74-75---यतः मुझे, बी० श्रार० सगर ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 明 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ध को श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी संब्झाधीकोठी 454एल है, तथा जो माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी के कार्यालय जालन्धर मे रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यदापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक भ्रन्तरिती श्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) म्रीर (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (वा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:— श्रीमती निधांकीर पत्नी जमीयत सिंह पुत ग्रमर सिंह घड़ियाला, श्रव 329 न्यू जवाहर नगर, जालनधर।

(ग्रन्तरक)

[PART III---SEC. 1

2. श्री रसुवीर सिंह पुत्र करतार सिंह पुत्र गोपाल सिंह 454-एल, माडल टाउन, जालन्धर ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसाकि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रद्धा व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्राधी कोठी नं० 454-एल, माउल टाउन, जालन्धर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3715, जून, 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

वी० श्राप्त**० सगर** सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्ष</mark>ण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 31 जनवरी, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन मुचना

मारत संस्कार

कायलिय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज, श्रमुतसार

अन्तर, दिनांक 31 जनवरी, 1975

िदेश सं० ए०एरा० श्रार०/ए०पी०-1605/74-75---पतः मुझे वी० प्रार० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अिजनियम कहा गया है) की धारा 269 म के **ग**धीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करनेका कारण है कि सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 रुपये से अधिक है भी जित्तकी सं० मकान नं० 2080/12 है, तथा जो बटडा से 'सिंह श्रन्तर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्स्ची में श्रीर पूर्ण रूप से र्वागत है) रजिस्ट्री उर्ता ऋविकारी के कार्यालय अमृतरार में रजिस्ट्री-करण भविनित्रम 1908 (1908 धा 16) के श्रधीः जुन, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रतिफल के लिए की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की सपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपित :---14-486GI/74

- 1. श्री साराचन्द खना। मुपुत सरब दयाल 415 पालेज रोड, सुधियाना खुद स्था वास्ते जरादिस हंसराज खन्ता, देवराज खना, श्रीमती सीलास्ती मेहरा, मागरती चर्द्र, धमलावती ५५८२, श्रीनती कारिस ५५८, श्रीनती संतीव बेरी, राज महत्ता तथा श्रीनिती गोमती उर्फ फिरफाज लुक्मी प्रभूप, 2080/12, पटका ग्रेपसिंह, ब्रम्परार । (ग्रन्तरक)
- 2. मोहनलाल , सरापाल सुपुत्र रेल् राम , मफान ने० 2080/12, घटडा शेरसिंह, धमृतसर। (धन्दर्भिती)
- 3. जीता कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसने प्रधिभोग में सन्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इचि एखरा है। (वह काक्ति, जिल्ले बारे में प्रयोहस्ताक्षरी जागता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

हफ्त सम्पत्ति के संबन्ध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा: या
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ विसी अन्य थ्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मागन जैता कि रजिस्ट्रीहात त्रिलेख न० १९८, जुन, 1974 को रजिस्द्री तर्वा अविकारी के अमृतरार में है।

> वी**ः प्राप्तः सगर** सक्षम प्राधिकारी सद्यान आयनर आयुक्त (शिरीक्षण) मर्जाः रेज, भगुतसर

सारी ब: 31 जा बरी, 1975

मोद्धर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व () के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (मिरीखण)

मर्जन रेंज, ममुतसर

अमृतसर, दिनांक 31 जनवरी 1975

निदेश सं० ए०एस०ग्रार० नकोदर/ए०पी०-1606/74-75---यतः, मुझे,वो० ग्रार० सगर,

भायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो नकोदर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मकोदर में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार में स्थान स्था

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दया पूर्वे इत सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से स्विक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और सम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये स्वय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से बिसत नहीं विया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे गथने में सुविधा के लिए बनाना; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने म सुविधा के लिये।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिमियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. इक्मत राय पुत्र धिरत राम पुत्र उत्तमचन्य नासी नकोदर। (भ्रन्तरक)
- श्री कमामीरा सिंह, हरिजन्दर सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, मोहल्ला गेर पुरा, नकोदर। (ब्रास्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है।
 (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में मधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताझरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

अधिनियम, 1961 (1961 का अ) आधनर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीइन्त थिलेख मं ० 843 जूम, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

> बी० घार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, घमृतसर।

शारीक: 31 जनवरी, 1975

कार्याख्य, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1975

मिदेश सं० घ० ई० 1/856-3/जून 1974--- धतः मुझे घार० जी० नेघरकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मधिक है मौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 779 माहीम डिबीजन है, जो तुलसी पाईप रोड भीर मोगल लेन स्थित है (भीर इससे उपायद अनुसूची में मीर पूर्ण रूप से दर्णित हैं), रिजरट्रीवर्ता द्यधिकारी सब-रजिस्टार, बम्बई, में भारतीय कार्यालय. रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भाधीन 18-6-1974, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार भन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर यह कि मन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में, बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर प्रिंतियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (का) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या म्रायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

भत: भव, धारा 269-ग के भनुसरण में, मै उक्त अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपधारा (1) के भभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्थात् :—

1. श्री ब्यंकटराम सुब्रमण्यम उर्फ व्ही एस० मनी

(प्रन्तरक)

भी शंकर विष्णु जाधव ग्रौर ग्रन्थ

(भ्रन्तरिती)

3. इंडियन बाइल कारपोरेशन लि० (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षभोग में सम्पक्ति है) 4. इंडियन श्रायल कारपोरेशन लि० भौर नैशनल स्टोरज लि० (वह स्थित, जिसके बारे में मधोह-स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भूलना जारी करकेपूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए। एसद्दारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशम की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में धमाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विस्ती व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रथम अनुसुची

वे सभी टुकडे या जमीन का भाग जो माप में 782.00 वर्गगज या 653.85 वर्गमीटर धौर जिस का प्लाट न० 424 (धंग) है।

द्वितीय अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकडा जिसके साथ उस पर बना इमला क्लाक 'एन' घीर माप में 501 वर्ग गज या 418.86 बर्ग मीटर घीर जिसका प्लाट न॰ 424 (घंश) है।

प्रथम भौर दिसीय भनुसूची में जिस अमीन के दोनों टुकडे साथ में माप में 1283 वर्गगज या 1027.71 वर्गमीटर भौर जिसका प्लाट न० 424 (भंग) भौर जो एक बहुत बडे जमीन के टुकड़े जिसका सी० एस० न० 7799 माहिम बिबीजन है, का एक माग बनाता है, तुलसी पाइप रोड़ भौर मुगल रोड़, भ्रपर माहिम रिजस्ट्रेशन जिला भौर उप जिला- बम्बई में स्थित है, भौर पूर्व की भोर से लुलसी पाइप रोड़ द्वारा दक्षण की भोर से लेक्स प्लाट नं० 424 की जायदाद द्वारा पश्चिम की भोर से शंगत: लैजर्स के प्लाट नं० 424 की जायदाद द्वारा पश्चिम की भोर से शंगत: लैजर्स के प्लाट नं० 424 भीर शंगत: प्लाट नं० 425-ए, टी० पी० एस० नं० 111, माहिम, जोकि श्रीमती भनुसयाबाई जे० राउत से संबंधित है, द्वारा भौर उत्तर की भोर से शंगत: प्लाट जिसका सी० एम० नं० 780 है और 781 टी०पी० एस० नं० 111 माहिम, जोकि मैसर्स भोपल लेबोरेटरीज लि० का है, भौर जिस भूम के टुकड़े प्लान पर रेखांकित हैं, द्वारा थिरा हुशा है।

ग्रार० जी० नेरूरकर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, अम्बई

तारीख: 5 फरवरी 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सङ्घायक ग्राय कर ग्रायुवत (निरीक्षण) का कार्यालय ग्रजीन रेंज कलकत्ता

दिनांक 3-2-19**7**5

निदेश सं० ए० सि०-158/आर-IV/कल०/74-75----

आ शकर अितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सभग प्राधिकारी की, यह विश्वास मरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25 000/- रुपये से अधिक है और जिसके सं∘ 4 सि और 3/1 है तथा जो बलराम घोष स्ट्रीट कलकता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-6-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित विजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान अतिफल के लिए रिजर्स्ट्रे. हुन विकेख के अनुपार अन्तिश्व की गई है और मुझे यह विक्यास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान अतिफल ने ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिधियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के निए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किशी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1861 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या इससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर यनाना;

भीर यतः आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्य-बादी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अत:, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियल, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री दीपेन्द्र नाथ नियोगी

(ग्रन्तरक)

 श्री बलाई सुर श्रौर गौर सुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिये एतदुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, हो--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति हारा:
- (ख) इस सूचना के राजपल थे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पण्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

4िस भीर 3/1 बलराम घोष स्ट्रीट, कलकत्ता के, विभाजित दक्षिण दिक 6 कट्टा 2 छटांक 17 स्की० फिट खालि जमीन ।

एस० भट्टाचायाँ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज IV, कलकत्ता
54, रफीभ्रहमय किदवाई रोड,
कलकत्ता-26.

सारीख: 3-2-1975

मोहरः

प्ररूप धाई ० टी ० एन ० एस ०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 भा 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः (सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज हैदराबाद

दिनांक: 7-2-1975

सं० धार० ए० सी० 95/74-75----धतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है और और जिसकी सं० 22-8-298 का भाग नया पूल है जो है इराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरमवाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1974

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजर्ड्।हृत विलेख के अनुसार अन्तरित्त की गई है और मुझे यह व्यवस करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के कीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की ग्रावत ग्रायकर श्रिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे श्रचने के लिए सुकर शनाना ; भौर/या
- (का) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भाय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए।

भीर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं। अतः अब, धारा 269ग के अनुसरण में म आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों अर्थातः

 श्री सैय्यद श्रव्हुल हामीव, 6-2-977, खैरताबाद, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती धनवरी बेगम, 10-2-347/बी, भ्रासीफनगर, हैदराशव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या सरसंबंधी व्यवितयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्श्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे ध्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतयद्वारा आगे यह अधिसूचित विया जाता है कि हर ऐसे ध्यक्तिको, जिसे पूर्वयर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

हपच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं भर्च होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

सम्पत्ति:---2/25th हिस्सा, नं० 22-8-298 का भाग, स्टेट टाकीज , नयापूल के नजदीक, हैदराबाद । क्षेत्रफल : 7855.6 वर्ग मीटर्स ।

> कें० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैयराबाव

सारीखः 7-2-7**5**

मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, हैदराबद

हैंदराबद, दिनांक 7-2-1975

सं० भार० ए० सी० 99/74-75---यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- र० से भीर जिसकी सं 22-8-298 का भाग है, जो नयापूल में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए है।

मतः अब, धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, आयकर धिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के धिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मातु:—

- 1. श्री श्रब्दुल हामीद, "गुलिस्तान" खैरताबाद,हैदराबाद
- 2. कुमारी शाहीन बेगम, 10-2-347/B (अन्तरक) धासिफनगर हैंदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदक्षाराकार्यवाहियां शुक्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जात। है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचन। के उसर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा भागे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे स्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन् सूची

सम्पत्ति:-22-8-298 का भाग, स्टेट टाकीज, नयापूल के नजीक, हैदराबाद (2/25 का हिस्सा)।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्रधिकारी सहायक द्यायकर घायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, द्वैदराबाव

तारीख: 7-2-75।

मोहर:

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय हैंदराबाद, दिनोंक: 7-2-1975

सं गार ए० सी० 96/74-75--- ग्रतः मुझे के एस० वेंकट रामन, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं 22-8-298 का भाग है जो नयापूल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्दीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 17-6-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्वियाने के लिए सुविधा के लिए;

भौर यत' ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा ग्राभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उक्त (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री सम्बद्ध श्रव्हुल हामीद, 6-2-977, खैरताबाद हैदरानाव (भ्रन्तरक)
- 2 श्रीमती शाहनवाज बेगम, 10-2-347/ B, श्रासीफनगर हैदराबाद (ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसदद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप हो, तो:----

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजयह में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यद्धीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (196 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुपूर्वी

सम्पत्ति:-2/25 वॉ हिस्सा 22-8-298 का भाग, नयापूज के नजीक हैदराबार

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्रधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजेंन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 7-2-75

मोहर

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भागकर ६ हिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 फरवरी 1975

सं० मार० ए० सी० 97/74-75—
यत:, मुझे, के० एस० बेंकटरामन,
भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की घारा 269-ख के श्रयीन सक्षम श्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
संवित्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी
सं० 22-8-298 का भाग है जो नयापूल में स्थित
है (ग्रीर इससे उराबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से
धांजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16)
के ग्रधीन 19 जून 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार नूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबस धायकर ग्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिशीन कर दैने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे क्षेत्रने के लिए मुकर बनाना; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य आरितयों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या भाय-कर भिधिनयम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

कौर यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रत: अब धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ की उपग्रारा (1) के प्रधीन निम्मलिखिल-पक्तियों, प्रपान्:—

- 1. श्रीमती श्रमातुल करीम, 10-1-123/बी; मार्जब टयांक हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती धनवरी बेगम, 10-2-347/बी, धासीफ नगर हैदराबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रति शासीप,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संधंघी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितथढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्यावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्रारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आके पों की सूनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पटीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पित्त:—22-8-298 का भाग, स्टेट टांकीज नयापूल के नजीक, हैदराबाद (1/25) को हिस्सेदार।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेंज, हैदराबाष

तारीख: 7-2-1975।

मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, बम्बई बम्बई, दिनांक जनवरी, 1975

निदेश २० ग्र०ह०-5/109/14/7475— प्रतः, मुझे, जे० एम० मेहरा, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 5 बम्बई ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसाम इसके पश्चात उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 53, 54, 59 भौर 66 है, जो गांव नाहुर, मुलुंड में स्थित है

(श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ऑर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, में भारतीय एजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 25-6 -1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितयों अन्तरीती के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) सक्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे कचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर खिबनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुविधा के लिए;

अतः सन, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 13—486GI/74 1. मिनवीं डीलर्स प्रा० लि०

् (अन्तरक)

2. श्रीमती पूष्पा देवी सराफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों और पर्धो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन का यह तमाम दुकड़ा जो प्लाट नं ० 53, 54, 59 और 66 की जमीन का ए के भाग बनाता है, गांव नाहर, मुलुंड के पास बृहत्तर, बम्बई में स्थित श्रोर मौजूद है जिन पर साथ में एक इमारत बनायी गयी है जो माप में 1 020 वर्ग फीट या श्रासपास है। संलग्न प्लान में काली श्रोर लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा दर्शाया गया है, जिसकी जमीनें बंशपरम्परागत हैं और जिन्हें रिजस्ट्रेशन उपजिला श्रोर जिला बम्बई नगर श्रोर बम्बई उपनगर में स्थित है, श्रोर इस प्रकार घरा हुआ है श्रयति उत्तर की श्रोर से प्लाट नं ० 53, 54, 59 श्रौर 66 की जमीन पर बिना बनायी पटटी द्वारा पश्चिम की श्रोर से उक्त इमारत के एक भाग जो माप में 1052. 9 वर्ग फीट है द्वारा श्रौर पूर्व की श्रोर से प्लाट नठ० 53, 54, 59 श्रौर 66 की जमीन की एक श्रनिर्मित पटटी द्वारा।

जे० एँ म० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 1-75

म्रर्जन रेंज, 5 बम्बई ।

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi 110011, the 31st August 1974

No. A.32013/1/74-Admn.l.—The President is pleased to appoint Shii B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of three months from 3-7-1974 to 2-10-1974 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

M. R. BHAGWAT Under Secretary, (In-charge of Administration)

New Delhi-110011, the 10th January 1975

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 47 days from 25-11-74 to 10-1-75 or until further orders, whichever is earlier.

The 7th February 1975

No. A.12025(ii)/2/74-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & A.R.) O.M No. F. 5/44/74-CS(I) dated 28-12-74 the President is pleased to appoint Shri B. N. Atora, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission (at present on deputation to the ex-cadre post of Section Officers' (Special) in the office of U.P.S.C.) to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from 28-12-74, until further orders.

2. Shri B. N. Arora will, however, continue to hold until further orders the ex-cadre post of S.O. (special) in the office of Union Public Service Commission in accordance with the U.P.S.C. Notification No. A. 11013/2/74-Admn.II, dated 29-10-74.

No. $\Lambda.12025(ii)/2/74$ -Admn III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & A.R.) O.M. No. F.5/44/74-CS(I), dated 28-12-74 and in partial modification of this office Notification No. $\Lambda.32014/1/74$ -Admn III, dated 30-3-74, the President is pleased to appoint Shri R. P. Tandon, a permanent Assistant of the C.S.S. cudre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from 28-12-74 until further orders.

No. A.12025(ii)/2/74-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) O.M. No. F.5/44/74-CS(I), dated 28-12-74 and in partial modification of this office notification No. A. 32014/1/74-Admn.III, dated 15-1-75, the President is pleased to appoint Shri K. I.. Suri, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from the 28-12-74, until further orders.

No. A.12025(ii)/2/74-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & A.R.) O.M. No. F.5//44/74-CS(I), dated 28-12-74 and in partial modification of this office Notification No. A.32014/1/74-Admn.III, dated 28-8-74, the President is pleased to appoint Shri N. R. Mchra, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from 28-12-74 until further orders.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Kukrety, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 16 days w.e.f. 6-1-1975 to 21-1-1975 (both days inclusive).

No A 32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Kacker, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 48 days with effect from 30-12-1974 to 15-2-19.15, or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 63 days from 28-12-1974 to 28-2-1975 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—'The President is pleased to appoint Shri T. N. Channa a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade of the Service w.e.f. 28-12-74 to 25-1-75 (both days inclusive).

No. A,32013/1/75-Admn.I.—'The President is pleased to appoint Shri R. P. Satkartaria, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 34 days from 23-12-74 to 25-1-75.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Verma, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a further period of 29 days with effect from 19-12-74 to 16-1-75.

No. $\Lambda.32013/1/75$ -Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. P. Vij, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a further period of 2 months with effect from 1-1-75 to 28-2-75 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE Under Secretary, (In-charge of Administration)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 6th February 1975

No. O.II-101/71-Estt.—The President regrets to notify that Major K. A. Krishnan, Joint Assistant Director (Cryptography) in the Directorate General, Central Reserve Police Force expired on 24-1-75 (AN).

The 7th February 1975

No. O.II-904/73-Estt.—Consequent on the acceptance of her resignation, Dr. (Mrs.) Jyotsna Rani Swain relinquished charge of the post of JMO, 2nd Base Hospital, CRPF, Avadi for the forenoon of 27th January, 1975.

S. N. MATHUR Asstt. Director (Adm.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL New Delhi-110011, the 7th February 1975

No. 25/103/72-RG(Ad.L.).—Shri N. Y. Gore, relinquished the charge of the post of Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, GOA, Daman & Diu and Dadra and Nagar Haveli with effect from the afternoon of 31st December 1974.

BADRI NATH Deputy Registrar General, ex-officio Dy. Secy.

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik, the 31st January 1975

No. 3331/(A).—In continuation of Notification No. 1932/A. dated the 9th July, 1974 the ad-hoc appointment of Dr. (Mrs.) A. C. Awalgaonkar, M.B.B.S. as Junior Medical Officer is further extended upto 31st March. 1975 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier,

No. 3332/(Λ).—In continuation of Notification No. 2334/(Λ), dated the 5th August, 1974, the ad-hoc appointment of Dr. V. S. Sahasrabuddhe, M.B.B.S. as Junior Medical Officer is further extended upto 31-3-1975 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

V. J. JOSHI General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 4th February 1975

F. No. BNP/E/Spl/27.—The officiating appointment of Shri R. A. Misra, Section officer in the Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs as Junior Administrative Officer, Bank Note Press, Dewas is continued on ad-hoc basis with effect from 1-1-75 to 31-3-75 or till the post is filled on regular basis in accordance with recruitment rules, whichever is earlier.

R. RAMASWAMY Officer on Special Duty

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER & AUDITOR GENERAL

New Delhi, the 6th February 1975

No. 4489-GEI/298-73.—On the results of the I.A.S. etc. examination 1973 the undermentioned I.A.A.S. Officers were selected for apopintment to the I.A.S. and relieved from the Indian Audit & Accounts Department on the dates mentioned against each:—

Name, Designation/office and Date of relief

- Shri V. Pakshi Raja—I.A.A.S. Probationer, IAAS Staff College, Simla—12-7-74 (AN).
- Shri R. N. Berwa—I.A.A.S. Probationer, 1AAS Staff College, Simla—12-7-74 (AN).
- 3. Shri Lambor Rynjah--I.Λ.A.S. Probationer, IΛΛS Staff College, Simla--12-7-74 (AN).
- 4. Shri Trilok Kumar Dewas—I.A.A.S. Probationer, IAAS Staff College, Simla—12-7-74 (AN).
- Shri Venkateswaran Ramnath—Asstt. Accountant General (On Probn.) O/O the Accountant General, Jammu & Kashmir, Srinagar.—13-7-74 (AN).

No. 6396-GEI/K-6/PF.—Shri A. A. Krishnan, I.A.A.S. has been permitted to retire from the service with effect from the 11th April 1974 under rule 56(b) of the Fundamental Rules.

No. 6803-GEI/C-8/PF.IV/.—On return from leave from 20th April, 1974 to 27th April 1974, with permission to suffix holiday on 28th April 1974, Shri P. C. Calla, I.A.Λ.S. took over as Chief Λuditor, Central Railway, Bombay on 29th April, 1974 (FN).

No. 6877-GEI/A-31/PF.III.—The resignation of Shri A. B. Adarkar, I.A.A.S., from Government service has been accepted with effect from the afternoon of 28th September 1974.

No. 7372-GEI/147-74.—With effect from 1st December 1974, the Chandigarh branch office of the Accountant General, Rajasthan & Chandigarh (which was attached to Rajasthan office as per this office notification No. 3556-GEI/147-74,

dated 19th June 1974) has been transferred from the O/O the Accountant General, Rajasthan & Chandigath to the O/O the Accountant General, Himachal Pradesh. Consequently, the Accountant General, Rajasthan & Chandigath and the Accountant General, Himachal Pradesh have been redesignated as Accountant General, Rajasthan & Accountant General, Himachal Pradesh & Chandigath respectively.

No. 7599-GEI/T-8/PF.—Comptroller & Auditor General of India has been pleased to promote Shri B. S. Tyle, an officer in the Senior Scale of I.A.A.S., to officiate in the Junior Administrative Grade of the I.A.A.S. from 14th December 1973 to 8th March 1974, as a temporary measure, and without prejudice to the claims of his seniors.

No. 7848-GEI/B-15/PF.V.—On return from leave from 20th September 1974 to 6th November 1974 and after availing usual joining time, Shri K. S. Bhatnagar, I.A.A.S., took over as Chief Auditor, Railway Production Units, Calcutta on 18th November 1974. He relieved Shri S. C. Banerjee 1.A.A.S., proceeding on leave.

No. 7849-GEI/R-13/PF.III.—On return from leave from 19th October 1974 to 29th October 1974 with permission to affix holidays on 18th & 30th October 1974, Shri K. S. Rangamurthi, I.A.A.S., took over as Chief Auditor, Northern Railway, New Delhi on 31st October 1974 (FN). He relieved Shri G.B. Singh, I.A.A.S.

No. 7850-GEI/S-21/PF.IV.—On return from leave from 26th November 1974 to 28th November 1974 with the permission to suffix holiday on 29th November 1974, Shri S. Sethuraman, I.A.A.S., took over as Director, I.A.A.S. Staff College, Simla on 30th November 1974 (FN).

No. 7863-GEI/N-7/PF.—On return from leave from 17th October 1974 to 18th November 1974, Shri A. S. Nageswarnn, I.A.A.S., took over as Chief Auditor, South Central Railway, Secunderabad on 19th November 1974. He relieved Shri A. G. Narayanaswami, I.A.A..S

No. 7864-GE1/R-55/PF.—On return from leave from 2nd December 1974 to 13(h December 1974 with permission to affix holidays on 1st, 14th & 15th December 1974, Shri R. K. A. Subrahmanya, I.A.A.S., took over as Accountant General, Orissa, Bhubancswar on 16th December 1974.

No. 7726-GEI/R-11/PF.III.—Consequent upon his permanent absorption in the National Mineral Development Corporation Limited (a Central Government undertaking), in the public interest with effect from 29th January 1974, Shri C. S. Venugopala Rao is deemed to have retired from Government service with effect from the same date, in terms of Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

No. 36-GEI/B-16/PF.IV.—On return from leave from 18th November 1974 to 15th December 1974, Shri S. C. Bancrjee, I.A.A.S. took over as Chief Auditor, South Eastern Railway, Calcutta with effect from 16th December 1974.

On return from leave from 28th October 1974 to 30th November 1974 Shri D. D. Jerath, I.A.A.S. took over as Accountant General (1), Uttar Pradesh, Allahabad on 30th November 1974 (AN). He relieved Shri R. N. Joshi, I.A.A.S.

M. P. GUPTA Asst. Compt. & Auditor General (P)

OFFICE OF THE A.G.C.R., NEW DELHI

New Delhi, the 6th February 1975

No. Admn.I/5-5/Promotion/74/75/2701.—The Accountant General, Central Revenues has appointed Shri P. L. Wali permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the time Scale of Rs. 840-1200 w.e.f. 22-1-1975 FN, until further orders.

H. S. DUGGAL Sr. Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR Ranchi, the 6th February 1975

No. OFI-Audo-PF-5478.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Satya Ranjan Ganguly a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 30-12-74 (FN).

B. P. SINHA Sr. Dy. Accountant Genaral (Admn.) Bihar

MAHARASHTRA

Bombay-400020, the 6th February 1975

No. Admn.I/IAD/31-Vol.II/25.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following members of the S.A.S. to officiate as Accounts Officers in this office with effect from dates mentioned against each of them until furthers orders:—

Serial No., Name and Date

- 1. Shri M. D. Joshi-16-10-74 A.N.
- 2. Shri A. G. Kulkarni-1-11-74 F.N.
- 3. Shri S. A. Harnahalli-9-10-74 F.N.
- 4. Shri Y. D. Joshi-21-10-74 F.N.

- 5. Shri A. S. Narayanan-9-10-74 A.N.
- 6. Shri P. D. Deshpande—22-10-74 F.N.
- 7. Shri S. Parameshwaran-28-10-74 F.N.
- 8. Shri K. V. Nadkarni-22-10-74 F.N.
- 9. Shri V. D. Joshi-9-12-74 F.N.
- 10. Shri T. S. Kohli-30-12-74 F.N.

A. B. PALEKAR Sr. Dy. Accountant General/Admn.I

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 11th February 1975

No. L/8/74/3231.—Shri Milan Kumar Giri, Section Officer (Audit), a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service, is promoted to officiate as Audit Officer/Eastern Railway in the scale of Rs. 840-1200 with effect from 3-1-1975 Forenoon until further orders.

N. G. SEN Chief Auditor, Eastern Railway

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 4th February 1975

No. 71019(6)/74-AN-II.—On the results of the combined competitive examination held by the Union Public Service Commission in 1973, the President is pleased to appoint Shri Guru Prasad Mohanty as Probationer in the Indian Defence Accounts Service with effect from 15-1-1975 (Forenoon).

No. 40011 (2)/74-AN-A:--The undermentioned Accounts officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

SI. No.	Name v N	vith l lumbe		r			Grade	Date from which transferred to pen- sion establishment	Organisation
	Sarvashri			·· ·					
1.	B. Dev Roy (P/127)	•	•		•		Parmanent Accounts Officer	31,3,75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
2.	J. N. Vatsya, (P/613)		•				Parmanent Accounts Officer	31.3.75 (AN)	Joint Controller of Defectore Accounts (Funds) Meerut.
3.	P. K. Barve, (N. Y. A.)	•			•		Officiating Accounts Officer	28,2·75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
4.	K. V. K. Nair (N. Y. A.))				,	Officiating Accounts Officer	30.4.75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South Madras.

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 5th February 1975

No. 7/75/G.—The D.G.O.F. is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg Officer Supervisor with effect from the dates shown against them, until further orders :--

- (1) Shri Krishna Chandra Bhattacharya, Permt. Supdt,--10th Jan., 1975.
- (2) Shri Man Mohan Lal Nanda, Permt. Supdt.-10th Jan., 1975.

M. P. R. PILLAI

Asstt. Dir. General, Ordnance Factories

SHRAM MANTRALAYA SHRAM BUREAU

Simla, the 8th March 1975

No. 23/3/75-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base: 1960=100 remained stationary at its December, 1974 level of 326 (Three hundred and twenty six). Converted to base: 1949=100, the index for the month of January, 1975 works out to 396 (Three hundred and ninetysix),

K. K. BHATIA, Director.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 30th January 1975

No. CER/1/75.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968, namely :-

In the said Notification, in paragraph I, for the third proviso, the following proviso shall be substituted, namely :-

"(in) Provided further that the maximum retail price of the aforesaid varieties of cloth packed after the 31st March, 1974, shall be 20% over the exfactory price; or any price lower than this price, if prescribed by a State Government, in respect of cloth sold in that State."

G. S. BHARAGAVA, Joint Textile Commissioner (CLB I/1/1-I/75)

MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 5th February 1975

No. El-12(75)/72(.),—On attaining the age of superannuation Shri J. N. Bhattacharjee, Deputy Asstt. Iron & Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st January, 1975.

A. C. CHATTERJEE, Deputy Director (Administration) for Iron and Steel Controller.

DEPARTMENT OF MINES GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 5th February 1975

No. 601/B/51/62/19A.—Shri Prem Nath, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India is appointed as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 16-J1-1974, until further orders.

No. 609/B/2339(SKD)/19B.—Shri Sikhendra Kishore De M.Sc., is appointed as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on minimum pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 19th December, 1974, until further orders,

The 6th February 1975

No. 612/B/40/59/C/19A, Shri S. C. Balmiki, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10th December, 1974, until further orders.

No. 633/2222(DJDG)/19A.—Shri Dhruba Jyoti Das Gupta is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 16-12-1974, until further orders.

The 7th February 1975

No. 676/B/2222(SS)/19A.—Shri Sutanu Sarkar is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/~ per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-710- E B -35-880-40-1000-t:B-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 4-1-1975, until further orders.

No. 682/B/22/66/19A.—Shri V. P. Mehta received charge of the post of Stores Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited, in the same capacity, from the afternoon of 30-11-1974.

> C. KARUNAKARAN, Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

New Delhi-1, the 31st January 1975

No. A-1/1(1009).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri S. K. Talukdar, Junior Field Officer in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Kanput with effect from the forenoon of 6th December, 1974 and until further orders.

The appointment of Shri Talukdar as an Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shii M. Kuppuswamy in the High Court of Delhi,

The 5th February 1975

No. A-1/1(374).—The President is pleased to appoint Shri R. Natarajan, Assistant Director of Supplies (Grade I) Grade III of the Indian Supply Service) in the Indian Supply Mission, London to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 3rd January, 1975, and until further orders.

No. Λ-1/1(751).—The President is pleased to appoint Shri V. S. Gourishankar, Assistant Director (Gr. I) (Grade III of Indian Supply Survice) who was on deputation Senior Purchase Officer in Electronics Corporation of India, Ltd., Hyderabad to officiate, on ad-hoc basis, as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 20th January, 1975 and until further orders.

> K. L. KOHLI, Deputy Director (Administration).

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 1st February 1975

No. E-11(7).--In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, add the following, namely: Under Class 2-NITRATE MIXTURE

(1) add "PRM 21 for carrying out field trials at specified locations upto 31st March, 1976" after the entry "PRM 12 for carrying out field trials at specified locations upto 31st March, 1975".

I. N. MURTY, Chief Controller of Explosives.

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO New Delhi-1, the 6th February 1975

No. 5(18)/66-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. Thanmawia, Transmission Executive, All India Radio, Kohima as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 2nd January, 1975 and until further orders.

No. 5(62)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Shiv Kumar, Transmission Executive, All India Radio, Luckiow as Programme Executive, All India Radio, Allahabad in a temporary capacity with effect from the 6th January, 1975 and until further orders.

No. 5(31)/68-51.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Gyan Singh Arya, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service. All India Radio, Bombay as Programme Executive in the Central Sales Unit, Commercial Broadcasting Service. All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 1st January, 1975 and until further orders.

No. 5(20)/69-Sl.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. S. S. Diengdoh, Transmission Executive, All India Radio, Shillong as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 23rd December, 1974 and until further orders.

No. 5(22)/69-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri N. C. Naik, Transmission Executive, All India Radio, Sambalpur as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the 21st December, 1974 and until further orders.

No. 5(26)/69-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri B. R. Hazarıka, Transmission Executive, All India Radio, Dibiugarh as Programme Executive, at the same station in a temporary capacity with effect from the 1st January, 1975 and until further orders.

No. 6(135)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. Kanaka Rao, Transmission Executive, All India Radio, Visakhapatnam as Programme Executive at the same Station in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 24th December, 1974 and until further orders.

SHANTI LAL, Deputy Director of Administration, for Director General.

New Delhi, the 30th January 1975 CORRIGENDUM

No. 10/10/75-SIII.—The name Shri T. N. Ravindra in the para 1 S. No. 2 of this Directorate's Notification No. 2/4/74-SIII, dated 15/18-1-73 may please be read as T. M. Ravindra.

HARJIT SINGH, Deputy Director of Administration.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th February 1975

No. 17-44/73-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Pawar in a substantive capacity to the permanent post of Senior Architect in the Directorate General of Health Services with effect from the 30th June, 1972.

No. 12-29/73-Admn, I.—While proceeding on leave preparatory to retirement, Shri K. C. Chopra relinquished charge of the post of Private Secretary to the Director General of Health Services (Selection Grade of the Central Secretariat Stenographers' Service) on the forenoon of the 7th January, 1975.

2. On attaining the age of superannuation, Shri K. The Chopra retired from service with effect from the afternoon of the 31st January, 1975.

S. P. IINDAL, Deputy Director Administration (O&M).

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF AGRICULTURAL AVIATION

New Delhi, the 16th January 1975

No. F. 1-9/74-Adm.I.—The undersigned is pleased to appoint S/Shri P. R. Pavithran, Helicopter Mechanic, Jagdish Kumar and H. R. Saini, Aircraft Mechanics in the Directorate of Agricultural Aviation as Jurior Aircraft Maintenance Engineers in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—830—35—900 (Old scale) in a temporary capacity in the same office with effect from 7th January 1975 (forenoon) until furtherorders.

S. P. SEN, Director of Agricultural Aviation.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th February 1975

No. A-3502/1/74-ES.—While proceeding on deputation on foreign service terms to the Bokaro Steel Ltd., Shri T. K. Moitra, relinquished charge of the post of Assistant Aircraft Inspector, Office of the Controller of Aeronautical Inspection, Calcutta, in the alternoon of the 11th July, 1974.

H. L. KOHLI, Deputy Director of Administration

New Delhi, the 6th February 1975

No. A-38013/1/74-EC.—The President has been pleased to permit Shri M. Krishna, Assistant Communication Officer, Civil Aviation Department, to retire from Government service in terms of the provisions of F. R. 56(k) with effect from the 15th January, 1975 (afternoon).

The 11th February 1975

No. A-32014/4/73-EC.—The Director General of Civil Aviation was pleased to appoint Shri I. L. Raura, Communication Assistant at Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi as Assistant Communication Officer at the same station with effect from the forenoon of the last August, 1974 on ad hoc basis vice Shri K. S. Gopalan, Assistant Communication Officer at the same station granted carned leave for the period from the 1st August 1974 to 21st September 1974 (afternoon).

No. A-32014/1/74-EC.—The President is pleased to appoint the following Technical Assistants in the Civil Aviation Department as Assistant Technical Officers on a purely ad hochasis with effect from the date shown against each and until further orders:—

- S. No., Name, Date from which appointed & Aeronautical commn, Station to which posted
 - Shri G. S. Kochikar, 7th November 1974 (F.N.)— Bombay.
 - Shri M, Raghavan, 8th November 1974 (F.N.)— Madras.
 - 3. Shri K. S. Balasubramaniam, 28th November 1974 (F.N.)—Bombay.

No. A-12025/5/74-EC.—The President is pleased to appoint the undermentioned persons in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Technical Officers on a temporary basis with effect from the date shown against each and until further orders:—

- S. No., Name, Date from which appointed & Office/Station to which posted
- Shri S. P. Konar, 26th August 1974 (F.N.)—A.C.S. Bombay.

- Shri D. Anbalagan, 13th September 1974 (F.N.)— A.C S., Calcutta.
- Shri Rup Chand, 16th October 1974 (F.N.)—Radio Construction & Development Units, New Delhi.
- Shri Rakesh Kumar Tandon, 17th October 1974 (F.N.)—A.C.S., Bombay.

The 11th February 1975

No. A-32013/6/74-EC.—Shri N. Sundaram, Communication Officer in the office of the Officer-in-Charge, Aeronautical Communication Station, Trivandrum relinquished charge of his office on the 30th November, 1974 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI, Deputy Director of Administration for Director General of Civil Aviation.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT New Delhi-3, the 11th February 1975

No. E(1)/04243.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. P. Kurian, Professional Assistant, Meteorological Centre, Trivandrum under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 9th December, 1974 and until further orders.

The P. P. Kurian, offg. Assistant Meteorologist remains posted to the Meteorological Centre, Trivandrum under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(1)/03760.—On the expiry of the leave granted to him in this Department Order No. E(1)/03750 dated 27th July 1974, Shri M. C. Parthasarathy, Officiating Assistant Meteorologist, Met. Centre, Bangalone under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st October 1974 on attaining the age of superannuation.

No. E(1)/04288.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. Chellapa, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officialing capacity with effect from the forenoon of the 9th December, 1974 and until further orders.

Shri R. Chellapa, offg. Assistant Mctcorologist remains posted in the office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poons.

The 12th February 1975

No. E(1)/04334.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. D. Patil, Officiating Professional Assistant, Office of the Director Regional Meteorological Centre, Nagpur as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 9th December, 1974 and until further orders.

Shri N. D. Patil, offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

No. E(1)/06033.—The Director General of Observatories hereby approves the proforma promotion of Shii V. K. Bhargava, Professional Assistant and presently officiating as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General. In lia, to the post of Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service Class II (Central Service, Class II) in this Department with effect from the 6th August, 1973, and until further orders.

No. E(1)/06122.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri G. S. Varma, Officiating Professional Assistant, Office of the Director General of Observatories,

New Delhi as Assistant Meteorologist in an Officiating capacity with effect from the forenoon of 2nd January 1975 and until limiter orders.

Shri G. S. Varma, officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)/04329.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. P. Patra, Officiating Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 9th December, 1974 and until further orders.

Shi K. P. Patra, Officiating Assistant Meteorologist remains posted in the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

NOOTAN DAS,
Meteorologist,
for Director Ceneral of Observatories.

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CFNTRAL EXCISE Nagpur-440001, the 27th September 1974

No. 10/74.—On transfer Shri D. P. Mathur, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, I.D.O.. Raipur assumed charge as Assistant Collector of Central Excise, IDO, Indore, in the afternoon of 15th July, 1974.

No. 11/74.—On transfer, Shri D. P. Dubey, lately posted as Assistant Collector of Central Excise, I.D.O., Indore assumed charge as Assistant Collector of Central Excise, IDO, Raipur in the forenoon of 18th July 1974.

R. N. SHUKLA, Collector

Patna, the 6th February 1975

C. No. II(7)/1-ET/70/1273.—In pursuance of this office Establishment order No. 398/74 dated 30th December 1974 appointing Shri R. N. Prasad, Inspector (Senior Grade) of Central Excise and Customs to officiate provisionally as superintendent Class II of Central Excise and Customs in the time scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- plus usual allowance as admissible under tules. Shri R. N. Prasad assumed charge as Superintendent Central Excise, Biharshatif M.O.R. in the forenoon of 3rd January 1975.

H. N. SAHU, Collector,

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF REHABILITATION

(OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER, REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION)

Jeypore, the 7th February 1975

No. V-4/10-3308P.—An official communication bearing number P. 1/8/74-2522, dated 7th December 1974 sent to Shi D. C. Chakraborty. Dak Runner of Unit-2 on his present and permanent address as entered in the records by Assistant Engineers (Drilling), Rehabilitation Reclamation Organisation, MV-19. Malkangiri has been received back undelivered to him. Shri D. C. Chakraborty should communicate to this office his present address within 15 days of the issue of this notification failing which the aforesaid communication will be deemed to have been delivered to him.

B P. SAXENA, Administrative Officer, for Chief Mechanical Engineer.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 10th February 1975

No. A-32014/7/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-32014/7/74-Adm.V, dated 1st November, 1974, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. Guha, Research Assistant to officiate

in the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1,000-FB-40-1200, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period with effect from 1st January 1975 to 31st March 1975, or till the regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

No. A-32014/7/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-32014/7/74-Adm. V, dated the 4th Dec. 1974, the Chairman Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Eagg.) in the Certral Water and Power Research Station Poona, in the pay scale of Rs. 650—30—740-35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period from 1st January 1975 to 31st March 1975, or till such time the posts are filled on a regular basis, whichever is carlier:—

- 1. Shri V. Ramanathan,
- 2. Shri I. Z. Poonawala.
- 3. Smt. Valsala Kumari.
- 4. Shri A. C. Kale.

V. G. MENON, Under Secy. for Chairman C. W. Commission.

New Delhi-22, the 10th February 1975

No. A-32014/2/70-Adm.V(Vol.IV).—In supersession of this Commission's notification No. A-32014/2/70-Adm. V. dated the 23rd February 1972 the Chairman. Central Water Commission is pleased to appoint Shri K. D. Choudhary to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water Commission on a regular basis in the pre-revised scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—35—900 in an officiating capacity with effect from 31st August, 1971.

2. Shri Choudhary will be regarded as having been on probation in the grade of EAD/AE/ARO(Engg.) for a period of two years with effect from 31st August, 1971 and as having completed satisfactorily for purpose of appointment to the grade of EAD/AE/ARO(Engg.) in the Central Water Commission on a long term basis.

K. P. B. MENON, Under Secy. for Chairman, C. W. Commission.

EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 29th January 1975

No. AE-2134/Prom-7/3/1/Elec.—Shri B. D. Ahirwar, IRSEE Probationer is confirmed in Junior Scale cadre of the Electrical Engineering Department of the Eastern Railway with effect from 15th December 1973.

V. P. SAWHNEY, General Manager.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Alankar Housing & Construction Private Limited Delhi, the 7th February 1975

No. 4349/1898.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Alankar Housing & Construction Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE, Assistant Registrar of Companies, Delhi. In the matter of the Companies Act, 1956 and of Banga Dara Publications Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2344/Liq/1089/75—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Banga Dara Publications Limited, Trivandrum-10 has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Swarna Films Private Limited Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2108/Liq/1130/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of The Swarna Films Private Limited, Trichur-1 has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Meleppura Unniri and Company Private Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 1916/Liq/1117/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Meleppura Unniri and Company Private Limited, Kunnamkulam has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Lotus Publishing House Limited Ernakulam, the 29th January 1975

No. 1899/Liq/1115/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956. that the name of Lotus Publishing House Limited. Kozhikode has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Alphonsa Giri Estates Private Limited Ernakulam, the 29th January 1975

No. 1851/Liq/1113/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Alphonsa Ciri Estates Private Limited, Mamood P.O., Changanacherry has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Purapuzha Plantations Private Limited Ernakulam, the 29th January 1975

No. 1821/Liq/1111/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Purapuzha Plantations Private Limited, Purapuzha P.O. has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Malabar Ideal Corporation Private Limited Ernakulam, the 29th January 1975

No. 1746/Liq/1109/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Malabar Ideal Corporation Private Limited, Caumanore has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Malabar General Products Private Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No 1558/Liq/1107/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Malabar General Products Private Limited, Tellicherry has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of P. M. Abraham and Company Private Limited Ernakulam, the 29th January 1975

No. 961/Liq/1105/75—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of P. M. Abraham and Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Uadakkekad Chit Funds and Trading Company Private Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2002/Liq/1103/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Usdakkekad Chit Funds and Trading Company Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Empire Enterprises Private Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2087/Liq/1101/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Empire Enterprises Private Limited, Alleppey has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Eevarr Pharma Private Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2115/Liq/1099/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Eevarr Pharma Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Jettad Hire Purchase and Sales Private Limited Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2227/Liq/1093/75—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Jettad Hire Purchase and Sales Private Limited, Cochir-1 has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Thomson Kuries and Cash Credits Private Limited Ernakulam, the 29th January 1975

No. 2210/Liq/1095/75—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Thomson Kuries and Cash Credits Private Limited, Cochin has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Chitra Exports Private Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No 2190/Liq/1097/75.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Chitra Exports Private Limited, Cochin-18 has this day been struck off the register and the said compan is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Menora Printing Press Private Limited Ernakulam, the 29th January 1975

No. 749/Liq/1091/75—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 16—486GI/74

1956, that the name of The Menora Printing Press P ivate Limited, Cochin-2 has this day been struck off the register and the sald company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Cherrisons (Private) Limited

Ernakulam, the 29th January 1975

No. 246/Liq/1145/75.—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Cherrisons (Private) Limited, Kottayam has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of The Central Travencore Chitty Fund Private Limited Ernakulam, the 11th February 1975

No. 214/Liq/1535—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of Cen'ral Travancore Chitty Fund Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Kalpana Theatres Private Limited

Ernakulam, the 11th February 1975

No. 2251/Liq/1537.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kalpana Theatres Private Limited has this day has struck off the register and the said company is dissolved.

In the marter of the Companies Act. 1956 and of Colleague Metals Private Limited

Ernakulam, the 11th February 1975

No. 1923/Liq/1550.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Colleague Meta's Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Neo Trading Agency Private Limited Ernakulam, the 11th February 1975

No. 1828/Liq/1552.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, they the name of Neo Trading Agency Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Baby Mills Limited

Ernakulam, the 11th February 1975

No. 136/Liq/1554.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Beby Mills Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Jouhar Publishing Company Private Limited

Ernakulam, the 11th February 1975

No. 2241/Liq/1556.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Jouhar Publishing Company P Ivate Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

P. S. ANWAR, Registrar of Companies Kerala.

In the matter of the Companies Act, 1955 and of M/s. Natanial Jivanial & Company Private Limited

Ahmedabad-9, the 30th January 1975

No. 118/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Naranlal Jivanlal & Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Frizzo Industrial Company Private Limited

Ahmedabad-9, the 30th January 1975

No. 1762/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act. 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Frizzo Industrial Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Hetal Finance Private Limited

Ahmedabad-9, the 30th January 1975

No. 2004/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that

the name of M/s. Hetal Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Maniar Private Limited

Ahmedabad-9, the 10th February 1975

No. 1201/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of M/s. Maniar Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. K. KATHA, Registrar of Companies, Gujarat.

MINISTRY OF FINANCE

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 6th December 1974

ORDER

No. 81(C)(28)/68.—The Income-tax sub-charge known as "Income-tax Officer (Administration) Circle I. Lucknow is hereby abolished with effect from 6th December 1974.

2. This Order shall come into force with effect from 6th December 1974.

E. K. LYALL, Commissioner of Income-tax, Lucknow-I, Lucknow.

Hyderabad, the 6th February, 1975 INCOME-TAX

Recovery/No. 1974-75.—For the information of the general public the names of the Tax Recovery officers and the Instructors attached to them who are authorised to accept each on behalf of the Income-tax Department in Andhra Pradesh towards Income-tax, Wealth-tax and Gift-tax arrears are published hereunder:

- : The Tax Recovery Officers and the Inspectors attached to them will carry an Identity Card (issued by the Commissioner) specially mentioning that they are authorised to receive cash on behalf of the Income-tax Department.
 - 3. On payment, a serially numbered receipt will be issued duly signed by the collecting efficial.
 - 4. This supersedes earlier Notifications issued in this behalf.

Sl. No.	Hard-quarters of the Tax Recovery Officer	Name of the Tax Recovery Officer	Name of the Inspector attached
1	2	3	4
		S/Sri	S/Sri
1.	Tax Recovery Office, Hyderabad	1. G. Satyanarayana Murthy, TRO-I.	1. P. Remalingerwera Reo 2. V. Venkataratnem 3. C. V. Suryaprakasa Rao
		2. T. K. V. Subramanjan, TRO-II	1. B. Narasimha Rao 2. K. N. Yedajah 3. K. Jagadeswara Rao
		3. R. Bhaskara Rao, TRO-III	1. K. V. Krishnamurthy 2. B. N. Gnanaprakash 3. D. U. V. G. Vcera Raghava Rao
2	Tax Recovery Office, Vijayawada	4. A. Subba Rao	1. I. J. Naidu, Vilayewada Sourd 2. B. P. Ramana Naik, Guntur Squed 3. M. Bashiruddin, Warengal Squed
3	Tax Recovery Office, Visakhapatnam	5. G. Muralidhara Rao	 A. Swemireidu. Vizer Sched N. Javaker. Kekinada Squad A. Jabbar Khan, Vizianegarem Squad
4.	Tax Recovery Office, Nallore	6. A. V. Krishna Rao	1. M. A. Rich m. Nellere Seard 2. P. Venketeswerlu, Chitteer Sound 3. V. Sivekamer, Anenthepur Squed

M. D. VARMA,

Commissioner of Incometax,
Andhra Pradesh-I, Hyderabed

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX TCT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th January 1975

Ref. No. AR.V/109/14/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax. Acquisition Range V Bombav. being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00./-

and bearing Nos. 53 54 59 and 66 situated at Village Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 25-6-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, thefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53 54 59 and 66, situated lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay together with a portion of structure erected the con admeasuring 1020 sq. ft. equivalent to 204.22 sq. motors or their abouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed which piece or parcel of land hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay Ciy and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say On or towards the North by portion of the said structure admeasuring 1082 sq. ft. ON or towards the SOUTH by a strip of unbuilt land forming part of land bearing Plots Nos. 53 54 and 59 and 66 ON or towards the WEST by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft. and ON or towards the EAST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing pols Nos. 53 54 59 and 66.

J. M. MEHRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

(1) Minerva Dealers Private Ltd. (Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi Saraf.

(Transferos)

Date: 25-1-1975

Seal

(1) Minerva Dealers Private Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Renu Shivkumar Dalmia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th January 1975

Ref. No. AR.V/115/20/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax. Acquisition Range V Bombav. being the competent authority under section 269B of the Income-Tax. Act. 1961 (43 of 1961) hereinaf er referred to as sald act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Nos. 53 54 59 and 66 situated at Nahur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Bombay on 25-6-1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the stid act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53 54 59 and 66, situated lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay together with a portion of structure erected thereon admeasuring 2137 sq. ft. equivalent to 198.53 sq. meters or thereabous and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed which piece or parcel of land hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bunded as follows that is to say on or towards the NORTH by portion of the said structure admeasuring 1039.00 sq. ON or towards the SOUTH by a portion of the said structure admeasuring 2162 sq. ft. ON or towards the WEST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53 54 59 and ON towards the EAST by a strip of unbuilt land.

J. M. MEHRA,

Competent Authority, sistant Commissioner of

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 25-1-1975

Scál :

(1) Minerva Dealers Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpa Devi Sataf.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th January 1975

Ref. No. AR.V/113/18/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax. Acquisition Range-V, Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as said act.

have reason to belive that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25 000 '- and bearing Plot Nos. 53 54 59 and 66 situated at Nahur V llage Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 25-6-1974

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D or the said act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53 54 59 and 66, situated lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay together with a portion of structure erected thereon admeasuring 2166 sq. ft. equivalent to 201.22 sq. meters or thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed which piece or parcel of land hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say On or towards the North by portion of the said structure admiasuring 2166 sq. ft. ON or towards THE SOUTH by a portion of the said structure admeasuring 1020 sq. ft. ON or towards the WEST by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft. and ON or towards the EAST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53 54 59 and 66.

> J. M. MEHRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 25-1-1975

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V, BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th January 1975

Ref. No. AR.V/108/13/74-75.--Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-V Bombay.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as said act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Nos. 53 54 59 and 66 situated at Nahur Village Mulund (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Bombay on 25-6-1974

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afo esaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to b tween the Parties has not been t uly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the sald act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely :-

(1) Minerva Dealers Private Ltd.

(2) Smt. Nirmal Dalmia.

(Transferor)

(Transferce)

Date: 25-1-1975

S:al

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULB

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53 54 59 and 66, situated lying and being at Village Nahur, near Mulund in Greater Bombay and being at village Nahut, near mutuing in G eater homosy-together with a portion of structure erected thereon admeasur-ing 1083 sq. ft. equivalent to 100 611 sq. metres on threabout and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed which piece or parcel of land hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay Ciy and Bombay Suburban and bounded as follows that is to say On or towards the North by portion of the said structure admrasuring 1083.00 sq. ft. ON or towards the SOUTH also by a portion of the said structure admeasuring 1083 sq. ft. ON or towards the WEST by a portion of the structure admeasuring 1052.9 sq. ft. On or towards the EAST by a strip of unbuilt land forming pars of the land beging plots Nos. 53.54.59 and 66. forming part of the land bearing plots Nos. 53 54 59 and 66.

> J. M. MEHR 1, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II (3RD FLOOR) 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 28th January 1975

Ref. No. Ac-81/R-II/Cal/74-75.—Whereasas, I R. V. LALMAWIA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 24/7 situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

at Registrar of Assurance Cal. on 11-6-1974

teripg officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mahabir Prasad Poddar, A9/25 Vasant Vihat New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s, Kewal Court Pvt, Ltd, 60/1 Chowringhee Rd. Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas, 10 kottahs 11 chittaks and 4 sq. ft. at 24/7 Raja Sontosh Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
(3rd Floor) 54 Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 28-1-1975

Scal:

FORM I.T.N.S.--

(1) Ashoka Marketing Limited.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Minerva Dealers Private Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th January 1975

Ref. No. AR.V/98/3/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-V Bombay

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafier referred to as said act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. R-4 & R-5 situated at Village Nahur, Mulund (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 30-1-1974 for an

gistering officer at Calcutta on 30-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot No. R-4 and R-5—Tota area 1263 sq. yds.—situate at Village Nahur, Mulund Greater Bombay,

J. M. MEHRA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 25-1-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V BOMBAY-20

Bombay-20, the 25th January 1975

Ref. No. AR.V/110/15/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V Bombay

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 71 (part) CTS. No. 731 Part Survey No. 66 (Part) CTS No. 731 (part) situate at Nahur Village

(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Bombay on 25-6-1974

less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Pandurang K. Bhoir,

(Transferor)

(2) Shri Padam Kanodia & Ors, 17—486GI/74

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of agricultural land lying and situate at Village Nahur, Taluka Kurla District Bombay Suburban Registration Sub-District Bandra in Greater Bombay firstly out of Survey No. 71 (Part) C.T.S. No. 71 (part) admeasuring 9339 sq. yds. equivalent to 7808.6 sq. meters or thereabouts and secondly out of Survey No. 66 (part) C.T.S. No. 731 (part) admeasuring 471 sq. yds. equivalent to 393.8 meters or thereabouts, both together admeasuring 9810 sq. yds. equivalent to 8202.4 sq. meters or thereabouts and bounded as follows:—

that is to say on or towards the East land bearing Survey No. 66 (part), C.T.S. Nos. 763 731 on or towards the WEST Lal Bhadur Shastri Marg on or towards the North land bearing Survey No. 71 (part) C.T.S. No. 728 and 731 and on or towards the south land bearing Survey No. 72 (part) C.T.S. No. 733 and Gregaon Mulund Link Road.

J. M. MEHRA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 30-1-1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V BOMBAY-20

Bombay-20, the 29th January 1975

Ref No AR.V/107/12/74-75.—Whereas, I J. M. MEHRA the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V Bombay

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

plot Nos 53, 54, 59 & 66 situated at Nahur Village (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-6-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- (1) Minerva Dealers Private Limited. (Transferor)
- (2) Kum. Shashi Dalmia.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land forming part of the plots of land bearing Nos. 53 54 59 and 66 situate lying and being at Village Nahur Near Mulund in Greater Bombay together with a portion of the structure erreced thereon admeasuring 1067.37 sq. ft. equivalent to 99.16 sq. meters of the thereabouts and shown bounded by black and red coloured boundary lines on the plan hereto annexed which piece or parcel of land, hereditaments and premises is situate within the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows:—

That is to say ON or towards the NORTH by a portion of the said structure admeasuring 1081 sq. ft. ON or towards the SOUTH by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53 54 59 and 66. On or towards the WEST by a strip of unbuilt land forming part of the land bearing plots Nos. 53 54 59 and 66 and ON or towards the EAST by a portion of the said structure admeasuring 1052.9 sq. ft. i.e. 99.16 sq. meters.

J. M. MEHRA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income- tax, Acquisition Range-V Bombay.

Date: 29-1-1975

Seal ·

(2) Smt. Phool Kali Devi and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 25th January 1975

Ref. No. 23-P/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 38 situated at Shah Gani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sultanpur on 7-6-73/7-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-

ever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring $(68'\times13')$ which is situated at Mohalla—Shah Ganj Distt, Sultanpur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority.
Assistant Commissioner of

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 25-1-1975

(1) Shri Ram Saran Lal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1975

Ref. No. F. 1348-A/74-75.--Whereas, I. A. RAGHA-VENDRA RAO

being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

No. 24 situated at Mount Road, Madras-35

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at JSRO Madras on 17-6-1974

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Shri M. P. Ansary (Transferor) S/o late M. P. Mohideen No. 38, 3rd Main Road, CIT Nagar Madras-35.
- (2) Mrs. Sharifa Ghani, w/o Shri K. M. Yahaya Poonthottam Nannilam Taluk, Tanjore District.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter,

THE SCHEDULE

First floor admeasuring 1629 sq. ft. situated at Door No. 24, Mount Road Madras-35 (Plot No. 4 Block No. 9 R.S. No. 4/24/2 T.S. No. 4).

> A. RAGHAVENDRIA RAO, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2, Madras-6

Date : 29-1-1975 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-S'ONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1975

Ref. No. F. 1348-A/74-75.—Whereas, I. A. RAGHA-VENDRA RAO being the competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door
No. 24 situated at Mount Road, Madras-35
(and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at JSRO Madras on 17-6-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferrer(s) and the transferrer(s) has not been truly often feror(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the lncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the trans-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, annelsy: namely:--

(1) Shri M. P. Ausary S/o late M. P. Mohideen No. 38, 3rd Main Road CIT Nagar, Madras-35. (Transferor) (2) Miss Y. Faridha Beevi, d/o Mr. K. M. Yahaya, Mr. Y. Sashi Ahmed s/o Mr. K. M. Yahaya. Poonthottam, Nannilam Taluk Tanjore Dist.

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice (a) by any on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor admeasuring 1629 sq. ft. situated at Door No. 24, Mount Road, Madras-35 (Plot No. 4 Block No. 9) R.S. No. 4/2-A/2, T.S. No. 4).

> A. RAGHAVENDRA RAO, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 29-1-1975

 Shri N. R. Sundararaja Iyer S/o Shri N. A. Renganatha Iyer. Nangavaram, Trichy. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Bhanu Paper Mill Ltd., No. 32, West Chinthamani, Trichy.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2
123 MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 29th January 1975

Ref. No. F.3172/74-75.—Whereas, I, A. RAGHAVEN-DRA Rao, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22/5; 23/4; 23/6; 25/1; 25/3; 26/4; 26/3; 27/6, 27/6, 20/1 and 31/1 Pettavathalai village Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred.

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 4052) on 27-7-1974 for an apparent consideration which

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) for the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person, who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 25.76 acres and bearing S. Nos. 22/5; 23/4; 23/6; 25/1; 25/3; 26/4, 26/3, 27/6, 20/1 and 31/1 situated at Pettavathalai village Trichy.

A. RAGHAVENDRA RAO, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 29-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1975

Ref. No. F.1368/74-75.—Whereas, I, A. RAGHAVEN-DRA RAO.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at S. No. 9/4 & 9/6 Vada Agaram village (22 grounds)

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kodambakkam on 6-9-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whoreas the reasons for initiating preceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri N. Kesava Nayagar;
 - (2) Shri K. Anandan;
 - (3) A. Mohanasundaram (Minor);
 - (4) A. Gopalkrishnan (Minor) (Minors represented by their father & guardian Shri K. Anandan), No. 5, Vijaya Vigneswarar Kovil St., Choolai, Madras-7. (Transferor)
- (2) M/s. Vikash Solvextracts Private Ltd., No. 17/4 Nungambakkam High Road, Madras-34. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 22 grounds situated at 108 Vadagaram village, Madras (R.S. Nos. 9/4 and 9/6).

A. RAGHAVENDRA RAO, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2 Madras-6.

Date: 29-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 123, MOUNT ROAD MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1975

Ref. No. F.1369/74-75.--Whereas I, A. RAGHAVENDRA RAO being the Competent Authority under Section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. situated at S. No. 9/1 and 9/3B village No. 108, Vada Agaram, Kodambakkam, Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam on 16-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this Notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 M/s. Moolangudi Chit Funds P. Ltd., No. 44, Chamiers Road, Madras-28.

(Transferor)

 M/s. Vikash Solvextracts P. Ltd., No. 17/4 Nungambakkam High Road, Madras-34,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chaptar XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 6 grounds and 1152 sq. ft. and bearing S. No. 9/1 and 9/3B situated at Village No. 108, Vada Agaram, Kodambakkam, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 29-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1975

Ref. No. F.1369/74-75.—Whereas, I, A RAGHAVEN-DRA RAO,

being the competent authority under section 269B of the Income.tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and betring Door

No. situated at S. No. 9/1 and 9/3B village No. 108, Vada Agaram, Kodambakkam, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kodambakkam on 10-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

18-486GI/74

 M/s, Moolangudi Chit Funds P. Ltd., No. 44, Chamiers Road, Madras-28.

(Transferor)

 M/s. Vikash Solvextracts P. Ltd., No. 17/4 Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 6 grounds and 1248 sq. ft. and bearing S. Nos. 9/1 and 9/3B situated at Village No. 108, Vada Agaram, Kodambakkam, Madras.

A. RAGHAVENDRA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-2, Madras-6.

Date: 29-1-1975

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-V.

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20.

Bombay-20, the 31st January 1975

Ref. No. AR.V/99/4/74-75.—Whereas, I, J. M. MEHRA, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), heremafter referred to as 'said act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.

City Survey No. 8, H. No. 9 (part) 13, 15 and 16 situated at Mohili Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 14-6-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Anubai Augustian Borges,

(Transferor)

(2) Shri Jitendra Kumar Tulsidas & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THOSE pieces or parcels of vacant agricultural land or ground situate lying and being at Village Mohili off Kurla Andheri Road, Talukar Kurla, in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing the following survey Nos. and Hissa Nos.

Survey No.	Hissa Nos.	Area in sq. yds.
8	15 (part)	121
8	16	363
		484

J. M. MEHRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 31-1-1975

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SECUNDERABAD

Secunderabad, the 4th February 1975

Ref. No. RAC. No. 93/74-75.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Λct, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10-2-243 and 244 situated at Maredpally, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad on 7-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (1) Sri Kylasa Nagendar Rao, S/o Kylasa Sarabiak
 - (2) Kylasa Sudhir S/o Nagendar Rao,
 - (3) Kylasa Vihod S/o Nagender,
 - All residing at No. 1724 Gunj Bazar, Secunderabad,
- (2) Shri F. Tejraj S/o Fakirchand, No. 7-1-788 Behind Old Jail, Secunderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every persons who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Building on plot No. 173 No. 102-243 and 244 at Nehrunagar. Maredpally, Sccunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad,

Date: 4-2-1975

Scal:

(2) M/s. Laxminarain Bhagwanbax, 158/164 Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE III, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-20

Bombay-20, the 4th February 1975

Ref. No. AR/II1/564/74-75,—Whereas, I, R. G. Nerurkar, the Inspecting Assit. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range III, Bombay,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 of 1961), the 'said Act' (hereinafter referred as) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 3, S. Nos. 105 to 107 and 109 to 112 situated at Goregaon (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908) in the office of the Registering Officer

at Sub-Registrar's Office Bombay on 18-6-74 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, 1961 to the following persons namely:—

(1) M/s. Somani & Co., Pvt., Ltd.,
Das Chambers, 25 Dalal Street, Fort, Bombay.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act. 1961 (43 of 1961) have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of a plot of land bearing Plot No. 3 of the Somanigram, Ram Mandir Road, Goregaon (West) Bombay-62 Bombay Suburban District and Registration sub district of Bombay city and BSD more and forming part of the land particularly described in the first schedulc hereinabove written and admeasuring 1733 sq. metres (2072. 67 sq. yards.) and the said sub-plot is more particularly described in the plan attached hereto and shown by the rcd boundry lines, On north bounded by survey No. 112 (hissas No. 1 Part) on East by plot No. 40 on south by proposed internal 30' wide road and on the West by plot No. 2.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 4-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. No. Acq/107/Gbd/74-75/2612.—Whereas, 1, Y. KHOKHAR.

neing the competent authority under section 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe hat the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77 & 78 situated it Rightgarij, Ganda Nala Ghaziabad, Meerut

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), is been transferred as per deed registered under the Indian legistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer alt

nt Ghaziabad on 1-7-1974

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than aftern percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the ransferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income atising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for ne acquisition of the atoresaid property in terms of Chapter 'XA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been ecorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby sitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proerty by the issue of this notice under sub-section (1) of ection 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the following persons, namely:—

(1) Smt. Sayeedan W/o Sri Mahmud Ahsan; Sri Ajijuddin; Sri Mohd. Siddiq; Sri Iqbal Ahmad; Sri Abdul Qarim; Sri Raziuddin; Sri Shahasuddin; Sri Anis Ahmad Ss/o Sri Nazir Ahmad; Sri Sirajuddin S/o Sri Abdul Mazid and Sri Habib Ahmad; Sri Islamuddin Ss/o Sri Abdul Wahid and Smt. Shahjahan D/o Sri Abdul Wahid, W/o Sri Usman Khan; Smt. Akhtari D/o Sri Abdul Wahid and W/o Sri Abdul Rasheed; Smt. Nooro Alias Noor Jahan D/o Sri Abdul Wahid and W/o Sri Abdul Wahid and W/o Sri Abdulaziz; Sri Shahabuddin; Sri Sheruddin Ss/o Sri Karimuddin Rs/o village Sadarpur, P.O. Dasna, Tehsil Ghaziabad, District Meerut.

(Transferors)

(2) Sri Samman S/o Sri Mohd. Shafi, Smt. Ajijan D/o Sri Abdul Maziz and W/o Haji Mohd, Ismail alias Kale; Smt. Noorjahan Begum D/o Sri Abdul Maziz and W/o Sri Samman R/o Moh. Ganda Nala Rightganj Garvi, House No. 43. Ghaziabad, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, District Meerut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops bearing No. 77 and 78 situated at Rightganj, Ganda-Nala, Ghaziabad, Meerut transferred for apparent consideration of Rs. 60,000/-.

Y. KHOKHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1975

Seal ;

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR.

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. No. Acq/212/KNP/74-75/2614.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the Competent Authority Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/109A situated at Swaroop Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 29-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt, Eileen Sony W/o Srł Rajesh Sony R/o XY 15 Sarojini Nagar, New Delhi; James Neal S/o Late Mr. Malcolm George Neal R/o 7/109A, Swaroop Nagar, Kanpur; Mrs. Helen Murray (Nee' Neal) W/o Colin Murray R/o 7/109A, Swaroop Nagar, Kanpur; Mrs. Pamela Williams W/o Raja Williams, R/o 7/135A, Swaroop Nagar, Kanpur; Km. Nellie Neal and Vharles Neal Children of Mr. M. G. Neal R/o 7/109A, Swaroop Nagar, Kanpur,

(Transferors)

(2) Smt. Sheela Khanna W/o Sri Amar Nath Khanna, Smt. Uma Khanna W/o Sri Kailash Nath Khanna; Smt. Indira Khanna W/o Sri Anil Kumar Khanna; nesidents of 7/140, Swaroop Nagar, Kanpur, (Transferees)

 Sri Kailash Nath Khanna, 7/109A. Swaroop Nagar, Kanpur.

[Persons whom the Competent Authority knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7/109A alongwith construction thereon measuring 525 sq. yds. situated at Swaroop Nagar, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 37,500/-.

Y. KHOKHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. No. Acq/154/Gbd./74-75/2606.—Whereas, I, Y. KHOKHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-1 situated at Model Town, Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ghaziabad on 6-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarla Kumari Arora, W/o Sri Suresh Chand Arora, R/o 48, Saket, Meerut, through Sri Mahesh Chand Narula S/o Sri Hakmi Amir Singh Narula, R/o 145, Pukhta Mori, Ghaziabad.

(Transferor)

- (2) (1) Sri Ved Prakash
 - (2) Sri Prem Chand
 - (3) Sri Dharam Pal
 - (4) Sri Jai Pal
 - (5) Sri Yash Pal

Ss/o Sri Atma Ram, R/o 555/56, Kirtanwali Gali Chhoti Bazaria, Ghaziabad, District Meerut.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-1 measuring 1300 sq. yds. (½ portion) situated at Model Town, Ghaziabad transferred for apparent consideration of Rs. 30,000/-.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 3rd January 1975

Ref. No. Acq/143/D.Dun/74-75/2607.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19/5/19-C situated at Balbir Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under, the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 21-9-1974,

Registering Officer at Dehradun on 21-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Jacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Anandi Devi Sajwan W/o Maj. Dalip Singh Sajwan, R/o 41, Sharmada Tyagi Road, Dehradun.
- (2) Smt. Vijai Laxmi Pandey W/o Sri S. D. Pandey. 16, Balbir Avenue, Dehradun.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property bearing municipal No. 19/5/19-C situated at Balbir Road, Dehradun comprising cottage and 2 bighas and 18 biswas of land having plinth area of 880 sq. ft. transferred for apparent consideration of Rs. 32,000/-.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-1-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR,

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. No. Acq/165/KNP/74-75/2604.—Whereas, I, Y. KHOKHAR.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55/67 situated at Kahoo Kothi, Kanpur (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regsitering Officer at Kanpur on 13-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Hari Mohan Nath Kaul & Brahmohan Nath Kaul Ss/O Late Pt. Rameshwar Nath Kaul, residents of 55/67 Shatranji Mohal, Kanpur. (Transferor)
- (2) Smt. Ishwari Devi Misra W/o Uma Nath Misra, and S/Sri Gopal Narain Misra, Jagdish Narain Misra, Kailash Narain Misra Ss/o Sri Umanath Misra, all R/o 47/96, Hatia, Kanpur,

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 55/67 (C portion) measuring 708.3 sq. ft. situated at Kahoo Kothi, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date . 6-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 3rd January 1975

Ref. No. Acq/188/KNP/74-75/2605.—Whereas, I, Y. KHOKHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25 situated at Anandpuri, 133/60, Juhi Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 21-9-74

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons. namely:—

- (1) Swadeshi Cotton Mills Co. Ltd., Kanpur.
 (Transferor)
- (2) Shri Ram Autar Saraf S/o Sri Mahabir Prasad Saraf, R/o 23/48, Patkapur Kanpur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 25 measuring 866.66 sq. vds. situated at Anandpuri, 133/60, Juhi, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 51,999.60.

Y. KHOKHAR, ompetent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/5/Bidhuna/74-75/2603.—Whereas, I, Y. KHOKHAR.

being the competent authority under section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule at village Bodepur, Parg. Bidhuna, Distt. Etawah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bidhuna on 21-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Haridas Mal alias Haridas Mal S/o Datu Mal alias Das Mal R/o Nagla Nawelganj, Village Bodepur, Parg. Bidhuna, P.O. Achhalda, Distt. Etawah.

(Transferor)

- (2) (1) Devdndas S/o Mehar Chand;
 - (3) Govind Ram S/o Devan Das;
 - (3) Govind Ram S/o Devan Das:
 - (4) Ramesh Lal S/o Mool Chand; residents of Kasba Bharthana, P.O. & Pargana Bharthana, Distt. Etawah.

(Transferee)

Objection, if any, to acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property land measuring 2.91 acres out of Khasra Nos. 830 (area 1.04 acres), 829 (area 0.63 acres), 832 (0.07 acres), 831 (0.13 acres), 831 Ka/9 (0.66 acres) and 832 Ka (0.01 acres), 833 (0.75 acres), and tin shed, tencing wall, doors etc. besides other constructions of chimni etc., situated in village Bodepur, Pargana Bidhuna, Distt. Etawah transferred for apparent consideration of Rs. 50,000/-.

Y. KHOKHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-1-1975

(1) Swadeshi Cotton Mills Co. Ltd., Juhi, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Shyam Sunder Kadia S/o Shri Shanker Lal Kadia, R/e 16/38, Civil Lines, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 3rd January 1975

Ref. F. No. Acq/189/KNP/74-75/2602.—Whereas, I. Y KHOKHAR.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 67 situated at Anandpuri, 133/60, Juhi, Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kanpur on 21-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property plot No. 67 having area of 777.77 sq. yds. situated at Anandpuri, 133/60, Juhi, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 42,777.35 (in round figures Rs. 42,777/-).

Y. KHOKHAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date 3-1-1975

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 3rd January 1975

Ref. F. No. Acq/181/KNP/74-75/2601.—Whereas, I, Y. KHOKHAR.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 128/11 'G' situated at Kidwai Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-9-1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

 Sri Baij Nath Tandon S/ol Sri Ram Krishna Tandon R/o House No. 47/132, Hatia Bartan Bazar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Sri Satya Narain Misra S/o Sri Shree Ram Misra, R/o H.No. 53, Basant Nagar, Juhi, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said paperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 128/11 'G' having an area of 200 sq. yds. situated at Kidwai Nagar, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 37,000/-.

Y. KHOKHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/120/D-Dun/74-75/2600.—Whereas, I, Y. KHOKHAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act,1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule at Rajpur Road, Dehradun (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehradun on 3-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by mc.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri Chandar Paul Sood S/o Late Sri Kirpa Ram Sood, R/o 7/17, Roopnagar, Delhi-7; and, Sri Parma Nand Sood, S/o Late Sri Rulia Ram Sood, R/o 49/4, Rajpur Road, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Nerbartpur Christian Hospital Association, a society registered, under the Indian societies Registration Act, Regd. Office at 85-A, Rundall's Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property No. 153-D (New No. 153/4) situated at Rajpur Road, Dehradun comprising 68493 sq. ft. of land with a house, garage, etc. constructed thereon besides servant quarters and electricity and water fittings and wire (barbed) fencing and gate, transferred for apparent consideration of Rs. 1,25,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistance Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Kanpur.

Date: 6-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/KNP/149/74-75/2583.—Whereas, I, Y. Khokhar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hape reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 601 situated at Cantonment, Kanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 9-7-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Smt. Sahodra Devi Agarwal,
 Wd/o Late L. Raghubar Dayal Agarwal,
 47/84, Hatia, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt.Girja Devi W/o Ramnath Gupta, Harinath Gupta S/o Shri Sohan Lal Gupta, both resident of 76/93, Coolie Bazar, Kanpur and Sri Vivek Kumar Gupta, S/o Sri Kedarnath Gupta, R/o 48/208, Generalgani, Kampur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given—under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 601 measuring 0.26 acres i.e. 1258.40 sq. vards situated at Cantonment, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 40,000/-.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 6-1-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd January 1975

Ref. F. No. Acq/185/KNP/74-75/2582.—Whereas, I, Y. Khokhar.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 43 situated at Swaroop Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 31-7-74, for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tux Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(I) Sri Narain Nigam, Advocate, 15/87A, Civil Lines, Kanpur,

(Transferor)

(2) S/Shri Prabhu Das Sah, Bacchu Bhai, Naveen Bhai and Smt. Vijya Gauri, 26/59, Birbana Road, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 43 measuring 2131.5 sq yds. situated at Swaroop Nagar, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 1,14,000/- (One lac fourteen thousand rupees).

Y. KHOKHAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 3-1-75

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd January 1975

Ref. F. No. Acq/118/Agra/74-75/2581.—Whereas, I. Y. Khokhar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22/14A situated at Old Vijay Nagar Colony, Agra (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 3-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

20—486GI/74

Smt. Savita Devi Agarwal,
 D/o Late Sri Ratan Lal, and
 W/o Sri Ram Sewak Agarwal,
 R/o 1177 (Old) 6/157, Phatak Suraj Bhan,
 Belanganj, Agra,

(Transferor)

(1) Sri Lekh Raj, S/o Sri Gyan Chand, R/o Jamuna B'ank, Belanganj, Agra.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22/14A measuring 844.4 sq. yds. situated at old Vijay Nagar Colony, Agra transferred for apparent consideration of Rs. 50,000/-.

Y, KHOKHAR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 3-1-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/51/Hapur/74-75/2580.—Whereas, I, Y. Khokhar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Village Asoda, Mohalla Rail-

way Road, Sri Nagar Hapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 4-7-74 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Incometan Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Sudhakar Misra S/o Sri Babu Ram Misra; R/o Mohalla Sri Nagar, Railway Road, Hapur; and

Smt. Prabha Misra W/o Sudhakar Misra, R/o Mohalla Sri Nagar, Railway Road, Hapur, Distt. Meerut have exchanged their properties as mentioned in schedule of notice u/s 269D(1).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such obejetion, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The double storeyed quarters having total area of 528sq. yds. (Khasra No. 2730) situated in village Asoda, Mohalla Railway Road, Srinagar, Hapur (first part): House property No. 273/3 having total area of 744 sq. yds. situated at Mohalla Railway Road (Khasra No. 2730) situated in village Asoda, Railway Road, Sri Nagar, Hapur; transferred for apparent consideration of Rs. 40,500/-.

Y. KHOKHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/93/Ghd./74-75/2579.—Whereas, I, Y. Khokhar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 667 situated at Village Guldhar (Dhargal) Pargana Jalalabad, Ghaziabad, Mecrut

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 24-6-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) Waryam Singh S/o Santa Singh S/o Hira Singh V. moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income_tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri Ram Dass S/o Sri Tula Ram, R/o House No.

94/A, New Double Storey, Lajpatnagar No. 4, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sti Ram Dal Mill, Mukhwa Guldar (Dhargal), through Sri Shiv Charan Prasad Gupta; and Sri Ram Charan Sahai Ss/o Sri Bhikki Sahai R/o C-5/2, Guldhar (Dhargal), Parg Jalalabad Tch. Ghuziabad, Meerut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed ahata, Khasra No. 667 measuring 1500 sq. yds. situated in Village Ghlghar, Ghaziabad, Meerut, transferred for apparent consideration of Rs 48,000/-.

Y. KHOKHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-1-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/157/KNP/74-75/2578.—Whereas, I, Y. Khokhar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 126/50 situated at Block, Govind Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 24-7-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (41 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Shri Gauri Shankar,
 S/o Sri Gaya Prasad Srivastava,
 126/50, G-Block, Govind Nagar, Kanpur.
 1/3, Pili Colony, Juhi, Kanpur.

(2) Smt. Shyam Sunderi Misra, W/o Late Sri Jagannath Prasad Misra, 89/11, J. K. Quarters, Anwarganj, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 30 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the ojbections.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 126/50, G-Block, Govindnagar, on plot No. 34 measuring 311 sq. yds. transferred for apparent consideration of Rs. 46,000/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 6-1-75

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th January 1975

Ref. F. No. Acq/168/KNP/74-75/2577.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Factory Area, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 21-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri Sadhu Ram S/o Ganeshamal, R/o 118/69 Kaushalpuri Kanpur present R/o Manesh Banerly Road, P.O. Pani Hati Kharda, Distt. 24 Parganas, West Bengal.

(Transferor)

(2) Shri Pilco Pharma, 117/622, Pandav Nagar, Kanpur, through Shiv Charan Lal, Partner, Firm.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the pieceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15 measuring 0.84 acres i.e. 4065.6 sq. yds. scheme No. 1 bearing municipal No. 123/37, Factory Area, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 1,21,968/-.

Y. KHOKHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 6-1-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,

BOMBAY-20

Bombay-20, the 29th January 1975

Ref. No. AR-II/1025/2483/74-75.—Whereas, 1, V. R. Gupte.

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said act) have reason to

believe that the immovable property, having a fair market valuee exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. N.A.S. No. 100 situated at Danda (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 14-6-1974, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (i) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dhanjisha H. Nanavati

(Transferor)

(2) Shri Hoshang D. Nanavati

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of non-agricultural land or ground together with the measuage, tenements, dwelling houses, out-houses and buildings standing thereon situate lying and being at Pali Hill, Bandra, in the Revenue Village of Danda, South Salsette Taluka, Bombay Suburban District, Registration District Bombay Suburban Registration Sub-District Bandra, which contains by admeasurment 1452 (one thousand four hundred and fifty two) square yards or thereabouts equivalent to 1214.0172 sq metres and bears non-agricultural Survey No. 100 of Danda and bounded as follows, that is to say, on or towards the NORTH by the property bearing N.A. No. 103 formerly belonging to Cowasji Merwanji Sett and now belonging to the Life Insurance Corporation of India, on or towards the EAST by the property bearing Survey No. 313A Hissa No. 1 formerly belonging to Ignatius F. Pereira and now belonging to the Life Insurance Corporation of India, on or towards the South by the property bearing N.A. No. 87 formerly belonging to Mulraj Khatav and now belonging to Mr. Moos and on or towards the WEST by the Pali Hill Road and assessed by the Bombay Municipality under H. Ward No. 2124, Street No. 38A, Pali Hill. The property bears City Register Nos. 1357-1358-1359 and 1360.

1/5th share of the above property.

V. R. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 29th January 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 4th February 1975

Ref. No. LC-24/74-75.-Whereas, I, T, B. Swaminathan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy 37/1 situated at Sivarama Menon Road, Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 26-6-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sankarankutty Menon, S/o Purakolivecthil Kunjikavu Amma, Karithala, Ernakulam,
- (2) Shri K. K. Balan, S/o Krishna, Ketamengelath Parembil Veedu, Trikanarvattarn, Ernakulam

(Transferee)

(Transferor)

- (3) 1. Shri Peringath Prabhakera Menon, Sivarama Menon Road, Ernakulam.
 - L. Ranganathan, S/o Nanky, Sivarama Menon Road, Ernakulam.
 - 3. Shri D. J. Roberts,
 Sivarama Menon Road, Ernakulam.
 (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

19 Cents 960 Sq. links of land with building in Sn. No. 37/1 at Sivarama Menon Road, Ernakulam, Cochin-16.

T. B. SWAMINATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ermakulam

Date: 4-2-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1975

Ref. No. Acq./23-I-345(134)/10-1/74-75.—Whereas, I, I. Kathuria, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing (hereinafter referred to as the 'said Act)

Survey No. 56-D-2, 55-D-2 situated at Lindi Bazar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 6-6-1974 for an

Suriya Kali, Jamnagar

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I, hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Soni Naranji Hemraj,
 - 2. Soni Bhagwandas Nandlal,
 - 3. Soni Rajnikant Nand Lal (minor)
 - 4. Soni Harkishan Nandlal (Minor)
 - 5. Soni Kantilal Naranji,
 - 6. Soni Raghunathdas Kantilal (Minor)
 - Soni Devendra Kantilal (Minor)
 Near Railway Station, Jamnagar.

(Transferor)

- (2) Vali Hanifabai Dada, Guardian of
 - 1. Memon Mohmadfaruk Hajiahmad (Miner)
 - Memon Mohmadhusen Hajiahmad (Minor) Maniar Sheri, Jamnagar.

(Transferee)

***(3)**

*(4)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property situated in Lindi Bazar, Suriya Fali, Jamnagar and bearing S. No. 55-D-2, 56-D-2 and fully described in the sale-deed registered against Sr. No. 1392 on 6-6-74 in the office of the Sub-Registrar Jamnagar.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th February 1975

Ref No. Acq.23-1-346(135)/10-1/74-75.—Whereas. I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 46-D-2 situated at Lindi Bazar, Surya Fali, Jamnagai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jamnagai on 6-6-1974, for an apparent considetation which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section $21-486~\mathrm{GI/74}$

- (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-
 - (1) 1. Soni Naranji Hemraj,
 - Soni Bhagwandas Nandlal,
 - 3. Soni Rajnikant Nandlal (Minor)
 - 4. Soni Harkishan Nandlal (Minor)

 - 5. Soni Kantılal Naranji,6. Soni Raghunathdas Kantilal (Minor)
 - Soni Devemdra Kantilal (Minor) Near Railway Station, Jamnagar.

(Transferor)

- (2) 1 Memon Alimamad Hajimusa,

 - 2 Haun Hajimusa, 3. Ikbal Hajimusa (Minor) 4 Mohmad Sidiq Hajimusa (Minor) Maniar Sheri, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property situated in Lindi Bazar, Suriya Fali, Jamnagar, and bearing Survey No. 56/D/2 and fully described in the sale deed registered against S. No. 1393 on 6-6-74 in the office of the Sub-Registrar, Jamnagar.

> J. KATHURIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Daee: 5-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG BOMBAY-20

Bombay-20, the 31st January 1975

Ref. No. AR.V/102/7/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as 'said act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 152 (Pt.) & 145 H. No. I (Pt.) situated at Nahur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Hax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said act to the following persons namely :-

(1) Shri Radhomal R. Motiani and Others,

(Transferor)

(2) Shri Hirji Premji and Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used liger es in as are defined in Chapter XXA the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

FIRSTLY:

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at Village of Nahur Mulund in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra forming part of land bearing Survey No. 152 (part) and 145, Hissa No. 1 (part) being the sub-divided Plot No. 1 admeasuring 4020.47 sq. yds. or 3351.11 sq. metres or thereabouts and bounded as follows: -On the North by Nahur Village Road. On the West and South by 30 feet wide Scheme Road and on the East partly by scheme road and partly by the property belonging to Amrut Chhaya Co-operative Housing Society Ltd.

SECONDLY:

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at Village of Nahur Mulund in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra being part of land bearing Survey No. 152(part) admeasuring 3274-86 sq. yds. or 2737.78 sq. metres or thereabouts being the sub-divided plot No. 5 bounded as follows: -On the North by Survey No. 154 on the South by Survey No. 152(part) on the West by Nahur Village Road, and on the East by the property of New Shrenik Co-operative Housing Society Ltd.

THIRDLY:

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at Village of Nahur Mulund in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra being part of land bearing Survey No. 152(part) and 145 Hissa No. 2 and 4 (part) admeasuring 3252.31 sq. yds. or 2718.93 sq. metres or thereabouts and marked on the plan annexed therewith as garden.

FOUTHLY:

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at village of Nahur Mulund in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra being part of land bearing Survey No. 152 (part) and Hissa No. 1 (part) admeasuring in the aggregate 1593.88 sq. yds. or 1332.48 sq. metres or thereabouts shown on the plan annexed herewith in brown colour wash being the land under internal scheme roads.

FIFTHLY:

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate at Village of Nahur Mulund in Kurla Taluka of Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra being part of land bearing Survey No. 152(part) admeasuring 124.77 sq. yds. or 104.31 sq metres or thereabouts and marked on the plan annexed herewith in blue colour wash being the area in set back.

> J. M. MEHRA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V,

Bombay

Date: 31-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 4th February 1975

Ref. No. I.C.26/74-75.—Whereas, I, T. B. Swaminathan, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Nos. 206 and 216 situated at East of Shenoys Road, Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 1-6-74, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri V. T. Antony Vazhayil House, Market Road, Ernakulam, and Dr. Joseph Thoppil, Thoppil House, St. Augusines Road, Ernakulam.

(Transferor)

(2) Shri K. P. Johny, M/s K. C. Pappu & Sons. Cloth Bazar Road, Ernakulam,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

23.858 cents of land with building in Sy. Nos. 206 and 216 at East Shenoys Road, Ernakulam.

T.B. SWAMINATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam

Date: 4-2-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1471/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act),

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Land situated at V. Sansarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1 908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1 957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Himmat Singh s/o Partap Singh, r/o V, Sansarpur Teh, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Smt. Mohinder Kaur w/o Charan Singh, s/o Natha Singh, c/o Shri Surinder Singh s/o Bhagat Singh, r/o V. Sansarpur Teh, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2406 of June, 1974 of the Registering Authority, Juliandur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 31st January, 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1472/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing I and situated at V. Sansapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Act of the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Himmat Singh s/o Partap Singh, r/o V. Sansarpur, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Charan Singh s/o Natha Singh, Mohinder Kaur w/o S. Charan Singh, c/o Surinder Singh s/o Bhagat Singh, V. and P.O. Sansarpr, Teh, Jullundur.

(Transferec)

(3) As at S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2506 of June, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritar

Date: 31st January, 1975

NOTIEC UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1473/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at V. Sansarpur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), have been transferred under the Positivation Act 100%

(and more fully described in the Scheduled annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the rtansferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1 922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property of the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Himmat Singh s/o Shri Partap Singh, r/o V. Sansarpur Teh. Jullundur,

(Transferor)

Shri Charan Singh s/o Natha Singh,
 c/o Surinder Singh s/o Bhagat Singh,
 V. & P.O. Sansarpur Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2507 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 31st January, 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1551/74-75.—Whereas, l. V. R. Sagar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 97 situated at Joshi Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1974, for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

.(1) Shri Behari Lal s/o Ganpat Ram, Dayanand Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Chanchal Kumari Aggarwal, w/o Shri Manohar Lal and Shri Ravinder Kumar s/o Shri Manohar Lal, Lakkar Mandi, Bazar, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in Joshi Colony as mentioned in the Registered Deed No. 1179 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 31st January, 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ret. No. ASR/JUL/AP-1552/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here mafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One Shop situated at Kot Bahadar Khan, Bradath Road,

Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Jullundur in June 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

(1) Shri Mool Chand, Lal Chand, ss/o Shri Gulzari Lal. 99/WC Bradath Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Mangat Ram s/o Tara Chand, WC-90 Mohalla Kot Bahadur Khan, Near Braadath Road, Jullundur.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in the Registered Deed No. 3034 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullandur,

V. R. SAGAR,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritsar

Date: 31st January, 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/N. Shehar/AP-1553/74-75.—Whereas, I, V.

R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

land situated at Nawan Shehar Chandigarh Road Barnala Kalan (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nawan Shehar in June on 1974

Nawan Shehar in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pty tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mehar Singh s/o Dasondi r/o Bachhori Teh. Garh Shanker, GA Bhagat Ram Gurbachan Singh Bakshish Singh brothers. (Transferors)
- (2) Shrimati Durga Devi w/o Swaran Dass s/o Dewan Chand V. Soon or Soonie Tch. Garh Shanker. (Transferee)

- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1177 of June. 1974 of the Registering Authority, Nawan Shehar.

V. R. SAGAR,
Competent Authortiy,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

Seal:

22-486GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/Nakodar/AP-1554/74-75.--Whereas, I, V. R. Sagar.

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Nurmahal Road, Nakodar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nakodar in June on 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mecome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Dalbri Kaur w/o Karnail Singh alias Jarnail Singh and Smt. Tarsem Kaur w/o Mohinder Singh r/o Chak Moglam (on Shanker Road) Teh. Nakodar. (Transferor)

- (2) Shri Yudhishter Kumar s/o Kunj Lal s/o Gajju Mal.
 Usha Rani d/o Kunj Lal, Ashni Kumar s/o Dr.
 Ram Lal s/o Sunder Dass c/o Dr. Suraj Parkash
 Khullar, Khullar Hospital, Civil Hospital Road,
 Nakodar. (Transferee)
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 565 of June, 1974 of the Registering Authority, Nakodar.

V. R. SAGAR,
Competent Authortiy,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Amritsar,

Date: 31st January 1975

(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1556/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land situated at Hoshiarpur Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Particulation Act, 1998 (16 of 1999) in the effect of the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June on 1974

Jullundur in June on 1974
or an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

n the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s Indian Laminator, Hoshiarpur Road, Jullundur through Sarup Singh, Dewan Singh, Charanjit Singh & Iqbal Singh c/o S. Bhan Singh, Alunium Factory, Hoshiarpur Road, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Ram Sahai s/o Kishan Chand s/o Dulomal r/o EN 197 Kalowani Mohalla, Juliundui or c/o Hari Om Soap Factory, Mandi Fanton Gani, Juliundur. (Transferee)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3479 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Amritsar,

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1557/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred to as the said act, have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Hoshiarpur Road, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Jullundur in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s Indian Laminator, Hoshiarpur Road, Jullundur through Sarup Singh, Dewan Singh, Charanjit Singh & Iqbal Singh c/o S, Bhan Singh Alunium F Factory, Hoshiarpur Road, Jullundur. (Tansferor)
- (2) Shri Kishori Lal s/o Kishan Chand s/o Dulomal c/o Hari Om Soap Factory Mandi Fanton Ganj, Jullundur. (Transferee)
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3480 of June 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authortiy,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1558/74-75.--Whereas, I, V. R. Sagar,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act).

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Hoshiarpur Road Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- M/s Indian Laminator, Hoshiarpur Road, Jullundur through Sarup Singh, Dewan Singh, Charanjit Singh & Iqbal Singh c/o S. Bhan Singh Alunium Factory, Hoshiarpur oRad, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Prem Nath s/o Kishori Lal c/o M/s Hari Om Soap Factory. Mandi Fanton Ganj, Jullundur. (Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3481 of June 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authortiy.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

FROM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1559/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Hoshiarpur Road, Juliundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registering officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facialisting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

 M/s Indian Laminator, Hoshiarpur Road, Jullundur through Sarup Singh, Dewan Singh, Charanjit Singh & Iqbal Singh c/o S. Bhan Singh Alunlum Factory, Hoshiarpur Road, Jullundur.

- (2) Shri Pawan Kumar s/o Kishori Lal s/o Kishan Chand c/o Hari Om Soap Factory, Mandi Fanton Ganj, Jullundur. (Transferes)
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3600 of June 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authortiy,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1560/74-75,—Whereas I. V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hercinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Land situated at Hoshiarpur Road Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur m June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facialisting the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transferor;
 and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- M/s Indian Laminator, Hoshiarpur Road, Jullundur through Sarup Singh, Dewan Singh, Charanut Singh & Iqbal Singh c/o S. Bhan Singh Alunium Factory, Hoshiarpur Road, Jullundur, (Transferor)
- (2) Shri Madhu Sudan (Minor) through Ram Sahai c/o M/s Hari Om Soap Factory, Mandi Fanton Gani, Jullundur (Transferce)

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3601 of June, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritar.

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

· Ref. No. ASR/JUL/AP-1561/74-75.—Whereas I. V. R. Sagar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Hoshiarpur Road Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Iune 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen persent of such apparent consideration and that the considerations for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Indian Laminator, Hoshiarpur Road, Iullundur through Sarup Singh, Dewan Singh, Charanjit Singh & Iqbal Singh c/o S. Bhan Singh Alunlum Factory, Hoshiarpur Road, Jullundur. (Transferor)

- (2) Shrimati Santosh Rani w/o Ram Sahai c/o M/s Hari Om Soap Factory, Mandi Fanton Ganj, Jullundur. (Transferce)
- ^w(3) As at S. No. 2 above [Person in occupation of the property].
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ts given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3602 of June. 1974 of the Registering Authority, Jullundur,

V. R. SAGAR,
Competent Authortiy,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of he property).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritaar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1562/74-75.—Wherens, I, V. R.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable proper'y, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land rituated at Khurla Kingran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Juliundur in Jure 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than Affect per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as sereed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shrimati Chinti d/o Hukam Singh s/o Dial Singh of Khurla Kingran Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Satya Pal Luthra, Amar Nath Luthra 85/0 Shri Ram Dhan s/o Shamla Ram r/o Khurla Kingran Teh. Jullundur. (Transfere)

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3648 of June, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

> V. R. SAGAR, Competent Authortiv. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31st January 1975

Scal:

23-486GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) of the INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No ASR/AP-1563/74-75—Wherens, f. V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) here innfter referred to us the said Act, have rason to believe that the immovable property, having a far market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

119/V-1 to 124/V-1 situated at Kt. Mit Singh Br. Hansil. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Amritsar in June 1974 for an apparent consideration

which is less than the fair mark t value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefoe by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration for such transfer as

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometan Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prope to by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Harnam Singh s/o Suba Singh Kartar Singh s/o Suba Singh, Hurdid Singh s/o Sham Singh s/o Suba Singh, Gincharan Singh s/o Sham Singh, s/o Suba Singh Briwant Kaur w/o Sham Singh, Manmohan Kaur wd/o Kirnal Singh s/o Sham Singh, Ajanta Bld, Flat No 22, 3rd Floar, Bombay-52.

(Transferor)

- (2) Shri Narain Singh Khurana s/o Bishan Singh and Santokh Singh Khurana & Kulwant Singh Khurana ss/o Narain Singh Khurana, Kt Mit Singh, Amritsar. (Transferce)
- *(3) As at 5. No. 2 above and tenants (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1204 of June 1974 of the Registering Authority, Amritaar,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range,
Amritaar.

Date : 31st January 1975

Seal:

*(Strike off where not applicable)

w/o Santokh Singh c/o Natain Singh Khurana, Kt. Mit Singh, Amritsar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

*(3) As at S No 2 above and tenants. (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsat, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1564/74-75—Whereas I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 119/V-1 to 124/V-1 situated at Kt. Mit Singh Br. Hansli, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amrisar in June on 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the sata Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harnam Singh s/o Suba Singh, Kartar Singh s/o Suba Singh, Hardial Singh s/o Sham Singh s/o Suba Singh, Gurcharan Singh s/o Sham Singh s/o Suba Singh, Balwant Kaur w/o Sham Singh, Manmohan Kaur Wd/o Kirpal Singh s/o Sham Singh Ajanta Bld., Flat No. 22, 3rd Floor, Bombay-52.
- (2) Shrimati Surinder Kaur d/o Gurbaksh Singh w/o Kulwant Singh, 2. Gian Kaur w/o Narain Singh d/o Harnam Singh, 3, Kirpal Kaur d/o Suba Singh

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1203 of June, 1974 of the Registering Authority Amritar

V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1565/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Mall Road-Batala Road. Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar In June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Lakhbir Sahni w/o Satwant Singh Sahni r/o Bombay now 39. Lawrance Road, Amritsar & S. Sohan Singh s/o Jawahar Singh, Br. Karmo Deori, Asr 39, Lawrance Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Harbhajan Singh Buttar s/o Santa Singh Buttar r/o Chowk Ram Bagh c/o M/s Tip Top Dry Cleaners, Chowk Ram Bagh, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1089 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
American.

Date: 31st January 1975

Soal :

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1566/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable proper y, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Land rituated at Basti Gazan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Budh Singh, Dharam Singh ss/o Shri Poha Singh alas Pola Singh s/o Sobha Singh Basti Gazan, H. No. WJ 42, Jullundur City. (Trausferor)
- (2) Satya Pal, Raj Pal, Yoginder Pal, Vijay Pal, Shashi Pal ss/o Shri Amar Nath s/o Sant Ram of 418-A, Adarsh Nagar, Jullundur. (Transferce)

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULB

Land as mentioned in the Registered Doed No. 3596 of June. 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amurisar.

Date: 31st January 1975

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsat, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1567/74-75.—Whereas I, V. R. SACAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) here inafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable proper y, having a fair market value exceeding Ry 25,000/- and bearing No.

Land situated at Civil Lines, Jullundur (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Juliur-dur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Yog Raj Shah 5/0 Dhan Raj Shah r/0 E.H. 172, Civil Lines, Jullundur. (Transfeior)
- (2) Shrimati Chint Kaur w/o Kabal Singh, r/o Raipur Rasulpur, Teh. Jullundur. (Transferee)

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3582 of June, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31st January 1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF THE INSPECTION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ret No. ASR/AP-1568/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961(43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/s and bearing No.

Land situated at Civil Lines, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Shri Yog Raj Shah s/o Dhan Raj Shah r/o EH 172, Civil Lines, Jullundur. (Transferor)

- (2) Shri Gian Singh s/o Kabul Singh r/o Raipur Rasulpur Teh Jullundur (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3584 of June, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date: 31st January 1975

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsai, the 31st January 1975

Ref No ASR/JUL/AP-1569/74-75.--Whereas, I, V. R Sagar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income_tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Land situated at Civil Lines, Jullandur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Yog Raj Shah s/o Dhan Rai Shah r/o-12H 172, Civil Lines, Juliundur. (Transferor)
- (2) Shii Bhim Sain s/o Puran (hand r/o Civil Lines, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3585 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsai, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1570/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (thereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Civil Lines, Jullandur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Yog Raj Shah s/o Dhan Raj Shah r/o EH 172, Civil Lines, Jullundur. (Transferor)
- (2) Kumari Shanta Shashi d/o G. D. Uppal r/o Civil Lines, Jullundur. (Transferee) 24--484GI/74

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person who the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3586 of June, 1974 of the Registering Authority. Jullundur,

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range. Amritsar.

Date: 31st January 1975

(Person

FORM ITNS-

the property).

(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR Objections, if any, to the acquisition of the said pro-

perty may be made in writing to the undersigned-

whom the undersigned knows to be interested in

(4) Any person interested in the property.

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1571/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) here inafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Pathankot Road, Jullundur fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

- (1) Shri Lachhman Singh s/o Inder Singh s/o Karma 1/0 V. Reru Teh, Jullundur.
- (2) Shrimati Sheela Wanti w/o Mangal Singh s/o Ladha Ram r/o WB 7 Bazar Sheikhan, Jullundur, (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

I and as mentioned in the Registered Deed No. 3692 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur,

> V. R. SAGAR, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31st January 1975

11 .oac. 11

FORM ITNS-

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1572/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Pathankot Road Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jullundur in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lachhman Singh s/o Inder Singh s/o Karma r/o V. Reru Teh. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shrimati Sheela Wanti w/o Mangal Singh s/c Ladha Ram r/o WB 7 Bazar Sheikha, Jullundur.

(Transferee)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3473 of June, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritear.

Date: 31st January 1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/Jul/AP-1573/74-75.—Whereas 1 V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) here inafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 425 situated at Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliandur in June on 1974 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ag eed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Lubhaya s/o Late Shri Parma Nand r/o Qila Mohalla, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Swaran Singh s/o Karam Singh r/o V. Atta P.O. Goraya District, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3097 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
American.

Date: 31st January 1975

Scal:

*(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No ASR/JUL/AP-1574/74-75.—Whereas, l. V. R. Sagar.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

3 Shops, Godown & Land situated at Basti Nau Jullundur (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Jullundur in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

(1) Shri Parshotam Lal s/o Mehar Chand. President Municipal Committee. Banga Teh. Nawan Shehar. (Transferor)

- (2) Sat Pal, Prem Nath, Krishan Chand, Parshotam Lal, Jaswant Rai ss/o Shri Maghi Ram s/o Amir Chand, r/o Banga Teh, Nawan Shchar. (Transferor)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the faoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in tht Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2733 of June. 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1575/74-75.—Whereas I, V. R. SAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Land situated at Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Raghbir Singh s/o Natha Singh of Jullundur GA Kuldip Singh Ohri s/o Natha Singh s/o Arur Singh of Jullundur. (Transferor)

- (2) Shri Dedar Singh s/o Mool Singh & Swaran Kaŭrw/o Didar Singh r/o Salcempur Masandan Teh. Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3650 of June, 1974 of the Registering Authority, Juliundur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritan

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1576/74-75.—Whereas I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said act), have reason to believe that he immovable property, having a fair marke value exceeding Rs, 25,000/and bearing No. Land situated at Near New Grain Market, Jullundur (and more fully described in he Scheduled annexed hereto), Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jullundur in June & September 1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohinder Pal alias Janender Pal Jain. \$\(\begin{align*} \begin{align*}
- (2) Shrimati Kailash Wati d/o Dewan Chand s/o Chiranji Ram, Mandi Fanton Ganj, Jullundur. 2, Ashok Kumar s/o Mohan Lal, Mohan Lal s/o Shri Kundan

I.al, Mandi Fanton Gani, Jullundur. (Transferee) *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds No. 3211 & 3212 of June, 1974 and 5955 of September, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31st January 1975

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1577/74-75.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 18 situated at R. B. Duni Chand Road, Asr (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said tax Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mohan Lal s/o Shri Kundan Lal, Calcutta 104/I, K. Pal Avenue, Attorney Shri Tara Chand, 76, Kenedy Avenue, Amritsar. (Transferor)

- (2) Shri Manak Chand Khanna s/o Shri Sita Ram, Plot No. 32-33, Unine Green Parl., Khar, Bombay-52.

 (Transferee)
- ⁴(3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1097 of June 1974 of the Registering Authority, Amtitsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range.
Amritsar.

Date 31st January 1975

(2) Shrimati Swaran Kaur w/o Phuman Singh r/o Mohalla Kalpna, Hoshiarpur Road Pragwara.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

"(3) As at S. No 2 above. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOM FTAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Amritsar, the 31st January 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ASR/Phg/AP-1578/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing Land situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in June on 1974 for an apparent consideration which

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land as mentioned in the Registered Deed No. 717 of June, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Ampusar.

(1) Shii Tarsem Lal Urf, Taisem Singh s/o Gajju Ram Saini of Nigaba Mohalla, Phagwara. (Transferor) 25 -486GJ/74 Date: 31st January 1975 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1579/74-75—Whereas I, V. R. SAGAR, being the competent Authority under (hereinafter referred to as the said Act), section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khasra No. 858 sit-

uated at Mall Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Col. Monmohan Singh 5/0 Ndrain Singh, 1018, Sector27-B. Chandigarh, (Transferor)
- (2) Shri Tilak Raj s/o Shri Mulakh Raj N,arjhat Mirza & Raj Kumar S/o Shri Kulakh Raj, Court Road Saharanpur.

(Transferce)

- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the exgistered Deed No. 1212 of June. 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1580/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 858 situated at Mall Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the asoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Lt. Col Manmohan Singh s/o S. Narain Singh, 1018. Sector27-B Chandigarh. (Transferor)
- (2) Rajinder Wati d/o Shri Bhagwan Dass and Rajinder Pal s/o Shri Murakh Raj, Chowk Chint Purni. Amritsar. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1212 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31st January 1975

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1581/74-75.—Whereas J. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Near Model Town, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Saraswati Bai wd/o Rem Lal s/o Ram Chand r/o WF 145 Ali Mohalla, Jullundur.

(Transferor)

- (2) Amrit Co-operative House Building Society Ltd., NM 594 Gopal Nagar Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3654 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

FORM ITNS———

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1582/74-75.—Whereas, J. V.R. Sagar.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Near Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishan Lal s/o Ram Lal 1/o W.F. 145, Ali Mohalla, Jullundut. (Transferor)
- (2) Amrit Co-operative House Building Society Ltd., NM 594 Gopal Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3655 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
American.

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1583/74-75.--Whereas, I, V. R. Sagar, [

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Near Model Town, Jullundur (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (J) Shri Ram Parkash s/o Ram Lal, WF 145 Ali Mohalla, Juliundur. (Transferor)
- (2) Amrit Co-operative House Building Society Ltd., NM 594 Gopal Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
 - (4) Any person interested in the property. [Persons whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3656 of June. 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

V. R. SAGAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1587/74-75.—Whereas I, V R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

31 situated at Daya Nand Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June on 1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Raj Kumar, Roshan Lal ss/o Shri Jai Gopal, Satya Wati w/o Shri Jai Gopal, Joginder Pal s/o Shri Jai Gopal, Lawrance Road, Amritsar through Sh. Tilak Raj Attorney. (Transferor)
- (2) Shrimati Man Watl w/o Kishore Chand, Niru Mehra w/o Shri Kali Charan, Kali Charan s/o Shri Kishore Chand, Kishore Chand s/o Shri Ram Partap, Daya Nand Nagar Amritsar (Transferee)

 (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 31 Daya Nand Nagar, Amuitsar as mentioned in the Registered Deed No. 1046, 1047, 1048 & 1049 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commission of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31st January 1975

FORM ITNS ___

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AJN/AP-1589/74-75.—Whereas 1. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Lund situated at Talwandi Nahar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ajnala in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), to the following persons, namely:—

(1) Tara Singh. Dara Singh s/o Arjun Singh Keso Devi d/o Shri Arjan Singh Village Talwandi Nahar Teh. Ajnala. (Transferor) (2) Shri Kulwant Singh s/o Shangara Singh, Jogindor-Singh, Mohinder Singh, Tara Singh ss/o Saudagar Singh V. Talwandi Nahar Teh. Ajnnta. (Trarsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1349 of June, 1974 of the Registering Authority Ajnala.

V. R. SAGAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1591/74-75,—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/... and bearing No. Kothi No. 36 situated at Maqbool Road. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in Jun 1974 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

26-486GI /74

- (1) Shri Sardari Lal s/o Dewan Chand r/o Calcutta-7 through Shri Jagdish Prasad s/o Shri Hira Lal, 14, Mall Road, Amritsar. (Transferor)
- Shri Brij Mohan s/o Shri Narain Dass r/o Maqbool Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of Kothi No. 36 Rose Avenue Maqbool Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 918 of June, 1974.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1592/74-75.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market valuee exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Kothi No. 3 situated at Hukam Singh Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Harjeet Singh Sandhu 9/0 Gurdinl Singh Sandhu V. Chhapa Ram Singh District Amritsar

(Transferor)

- (2) Shri Chattar Bhuj Gupta s/o Hira Lal Guptă, Lachhman Sar, Chhan Gali, Amritsar, (Transferee)
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 1051 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
American.

Date: 31st January 1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1593/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 230/13-3 situated at Cooper Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amritsar in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act hererby initiate poceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Saneh Prabha Wd/o Shri Roshan Lal, Shri S. H. Ashok Kumar, Ravi Kumar s/o Shri Roshan Lal, Roma d/o Shri Roshan Lal r/o Ajerdarshan Nepancy Road, Bombay-21 through Shri Kundan Lal, Cooper Road, Amritsar. (Transferor)

- (2) Shri Vijay Kumar s/o Shri Kundan Lal r/o Queeus Road, Amritsar. (Trnsferee)
- *(3) As at S. No. 2 above and Sh. Hans Raj Puri (tenants) (Person in occupation of the property)
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within n period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1000 of June. 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR.

Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritaar.

Date: 31st January 1975

(2) Shrimati Padma Wati w/o Shri Madan Lul c/o Poonam Bar & Restaurant. G. T. Road, Phagward. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Amritsar, the 31st January 1975

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref No. ASR/Phg/AP-1594/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara in June on 1974 for an apparent consideration which

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Land as mentioned in the Registered Deed No. 482 of June 1974 of the Registering Authority, Phagwara

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

(1) Shri Surinder Singh Jaswinder Singh, ss/o Mehar Singh, Surjit Kaur etc. r/o Goraya. (Transferor)

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF NOOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1595/74-75,—Whereas, I, V. R. Sagar.

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at G. T. Road, Phagwara (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara in June on 1974

Registering Officer at Phagwara in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D to the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Joginder Singh GA of Gian Kaur D/o Mohan Singh, Gurdarshan Singh s/o Amar Singh GA of Sarwan Kaur Pavittar Kaur, Rajinder Kaur, Narinder Kaur Ds/o Mohan Singh, Satnampura, Near College, Phagwara. Transferor)
- (2) Shri Ujagar Singh s/o Jagir Singh r/o Phagwara. {Transferce}
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- "(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sad Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 773 of June, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF NCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1596/74-75.—Whereas, I, V. R.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at G. T. Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per dead registered under the Ledica

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) Shri Joginder Singh GA of Gian Kaur D/o Mohan Singh, Gurdarshan Singh s/o Amar Singh GA of Sarwan Kaur, Pavittar Kaur, Rajinder Kaur, Navinder Kaur Ds/o Mohan Singh, Satnampura, Near College, Phagwara. (Transferor)

- (2) Shri Shiv Charan Singh s/o Piara Singh s/o Bhagwan Singh r/o Goraya and Nirmal Singh s/o Raj Singh r/o Jullundur Cantt. (Transferee)
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from said the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same, meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 721 of June, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

> V. R. SAGAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 31st January 1975

Ref No. ASR/Phg/AP-1597/74-75,---Whereas, I, V. R. Sagar,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and ebaring No. Land situated at G.T. Road Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/ οT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:-

(1) Shri Joginder Singh GA of Gian Kaur D/o Mohan Singh, Gurdarshan Singh s/o Amar Singh GA of Sarwan Kaur Pavittar Kaur, Rajinder Kaur, Narinder Kaur Ds/o Mohan Singh Satnampura. College, Phagwara, (Transferor)

- (2) Shri Jaswinder Singh s/o Lamber Singh Balwinder Kaur D/o Lamber Singh r/o Kukar Pind Gurdip Singh s/o Udham Singh r/o Jullundur.
 - (Transferee)
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 624 of June, 1974 of the Registering Authority, Phagwara,

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 31st January 1975

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-1598/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at G. T. Road Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phargara in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Joginder Singh GA of Glan Kaur D/o Mohan Singh, Gurdarshan Singh s/o Amar Singh GA of Sarwan Kaur, Pavittar Kaur, Rajinder Kaur, Narinder Kaur Ds/o Mohan Singh, Satnampura, Near College, Phagwara, (Transferor)

- (2) Shrimati Sarabjeet Kaur or Surjit Kaur w/o Tara Chand V. Sarhala aMndran District Hoshiarpur. (Transferee)
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 639 of June. 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

Seal:

*(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1599/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property situated at Katra Mohar Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) following persons namely:

 Shri Shanti Lal Chadha s/o Ganesh Dass r/o Chadha Building, Cine Road (Dr. Ambedkar Marg) Bombay-19 through Shri Krishan Lal (for self and GA) s/o Ganesh Dass Chadha r/o Chadha Building, Cine Road (Dr. Ambedkar Marg) Bombay-19.
 (Transferor)

- (2) Shrimati Rai Rani w/o Khushal Chand Anand, Kt. Bhai Sant Singh, Amritsar. 2. Shakuntala Rani w/o Prem Nath Anand, Gali Gandan Wali, Nimak Mandi, Amritsar. 3. Urmila Rani w/o Jagdish Lal Anand r/o Beri Gate, Amritsar, 3. Manorama Rani w/o Abnashi Lal Anand, Kucha Beriwala, Kt. Mit Singh, Amritsar. (Transferce)
- *(3) Shri Sat Pal Labhu Ram, Sat Pal Manohar Lal, Raj Pal, Jagdish Chand, Lila Ram, Uttar Chand. (All tenants). (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1167 of June, 1974 of the Registering Authority. Amritsar.

V. R. SAGAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

Seal:

*(Strike off where not applicable)

27--468GI|74

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1600/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to belive that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 168-169, 186 situated at Ajit Nagar, Amritsar (and more fully described in the Scheduled angexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1974 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Gulzar Singh s/o Saudagar Singh Gali No. 1. Kot Harnam Dass, Amritsar, (Transferor)
- (2) Shrimati Jashir Kaur w/o Pritam Singh Tiger r/o 169. Ajit Nagar, Amritsar, (Transferee)

- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of Kothi No. 168-169-186 Ajit Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1127 of June 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar,

Date: 31st January 1975

Scal:

"(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1601/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 296-L. situated at Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June on 1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Major Paramjit Singh s/o Hardeep Singh s/o Harnam Singh, 413, Model Town, Jullundur.
 (Transferor)
- (2) Shrimati Krishna Devi Dhawan w/o Shri Bhim Sain Dhawan s/o Shri Bharat Ram r/o V. Kot Sadiq now at 296-L. Model Town, Jullundur. (Transferce)
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herain as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 296-L Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 3501 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur,

> V. R. SAGAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritan.

Date: 31st January 1975

Seal:

*(Strike off where not applicable)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. ASR/JUL/AP-1602/74-75.—Whereas, 1. V. R. Sagar, being the Compentent

Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/... and bearing No. Half Kothi 454-L, situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the said Act to the following persons namely:

- Shrimati Nidhan Kaur w/o Jamiat Singh s/o Shri Amar Singh of Ghariala Teh, Jullundur. Now 329 New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferor)
- New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferor)
 (2) Shrimati Gurcharan Kaur w/o Kartar Singh s/o
 Gopal Singh of 454-L Model Town, Jullundur.
 (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Kothi No. 454-L Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 3484 of June. 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

Y. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritar.

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/JUL/AP-1603/74-75.—Whereas I. V. R. Sagar.

being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair marken value exceeding Rs. 25,000/~ and bearing No. Land, situated at Near Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

 Shri Mohinder Singh s/o Jagat Singh r/o H. No. 373, Gali No. 8 Central Town, Jullundur GA to Lachhman Singh s/o Mota Singh V. Domana Kalan Teh. & Distt. Hoshiarpur. (Transferor)

- (2) Swaran Singh, Harbans Singh ss/o Inder Singh Plot No. 2 near Gopal Oil Mills, on Mithapur Nakodar Road near Model Town, Jullundur. (Transferee)
- *(3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2522 of June, 1974 of the Registering Authority, Jullundur,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritagr.

Date: 31st January 1975

Seal:

*(Strike off where not applicable)

object of :---

FORM ITNS-

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

*(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Amritsar, the 31st January 1975

(b) by any other person interested in the said immovoble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ASR/JUL/AP-1604/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (here inafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No. Half Kothi 454-L situated at Model Town, Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jullundur in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, Or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957). Half Kothi No. 454-L Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 3715 of June. 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritant.

- (1) Shrimati Nidhan Kaur w/o Jamiat Singh s/o Amar Singh of Ghariala now No. 329 New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferor)
- Date: 31st January 1975
- (2) Shri Raghbir Singh s/o Kartar Singh s/o Gopal Singh of 454-L Model Town, Jullundur,
 (Transferee)

*(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONFR OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st January 1975

Ref. No. ASR/AP-1605/74-75.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 2080/12, situated at Katra Sher Singh, Amritsar Schedule fully described ai the more annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Amritsar in June on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tara Chand Khanna s/o Sarb Dayal r/o 415 College Road, Ludhiana for self and on behalf of Justice Hans Raj Khanna, Dev Raj Khanna, Smt. Lila Wati Mehra Bhag Wati alias Kamla Wati Kapur. Smt. Shanti Kapur, Smt. Santosh Beri, Raj Mahant & Smt. Gomti alias Firjaj Lukmi Kapur, 2080/12, Kt. Sher Singh, Asr. (Transferor)

- (2) Mohan Lal Sat Pal.ss/o Shri Relu Ram, House No. 2080/12, Katra Sher Singh, Amritsar. (Transferee)
- *(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- *(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registered Deed No. 998 of June, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 31st January 1975

Seal:

"(Strike off where not applicable)

(2) Kashmua Singh, Harjinder Singh ss/o Shu Mohl Singh, Moh. Sherpura, Nakodar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

*(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

*(4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Amritsar the 31st January 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. ASR/NDR/AP-1606/74-75.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a flair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officers at Nakodar

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land, situated at Nakodar

in June on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth ax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Dood No. 843 of June. 1974 of the Registering Authority, Nakodar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar.

(1) Shri Hakumat Ral s/o Dhirat Ram s/o Uttam Chand r/o Nakodar (Transferor)

Date: 31st January 1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-20

Bombay-20 the 5th February 1975

Ref. No. AR-I/856-3/Jun 74.—Whereas, I. R. G. Nerurkar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act—have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 779 of Mahim Division situated at Tulsi Pipe Rd. Mogul Lane, Mahim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registry, Bombay on 18-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195/ (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act—I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Venkatram Subramaniam, alias V. S. Mani. (Transferor)
- (2) Shri Shankar Vishnu Jadhav & Ors. (Transferce) 28-486 G1/74

- *(3) Indian Oil Corporation 1 td (Person in occupation of the property)
- *(4) Indian Oil Corporation & Nation 1 to the 1td. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferce of the property.

It is hereby further notified that every person to wrom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE FIRST SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land admeasuring 782.00 Sq. Yards or 653.85 Sq. Metres and bearing Plot No. 424 (Part).

THE SECOND SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land together with the structure Block "N" standing thereon and admeasuring 501 Sq. Yards or 418.86 Sq. Metres and bearing Plot No. 424 (Part).

Which both pieces or parcels of land mentioned in Schedule First and Second together admeasuring 1283 Sq. Yards or 1072.71 Sq. Metres and bearing Plot No. 424 (Part) and forming part of a vast piece of land bearing C.S. No. 779 of Mahim Division situated at Tulhi Pipe Road and Mogul Lane, Upper Mahim and in the Registration District and Sub-District of Bombay and bounded On or towards the EAST by Tulsi Pipe Road, On or towards the SOUTH by the property belonging to the Lessois Plot No. 424 and On or towards the WEST partly by Plot No. 425 belonging to the Lessois and partly by plot No. 425A of T.P.S. No. III Mahim belonging to Smt. Anasuyabai I. Raut and On or towards the NORTH partly by Plot bearing C.S. No. 780 and 781 T.P.S. No. III Mahim of M/s. Opil Laboratones Ltd. and which both pieces of parcels of land are delineated on the plan.

R. G. NERURKAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-J,

Date: 5th February, 1975.

Scal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JV CALCUTTA

Calcutta, the 3rd February 1975

Ref. No. AC-158/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, S. Bhattacharyya,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

to as the said ACI), have reason to believe that the himsevalle property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4C & 3/1, situated at Balaram Ghosh Street Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-6-74

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ray tax-under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Dwipendra Nath Neogi. (Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) b yany oher person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Divided Southern portions of premises Nos. 4C and 3/1, Balaram Ghosh Street, Calcutta measuring 6 cottas 2 chittacks 17 sq. feet vacant land.

> S. BHATTACHARYYA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-IV, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

FORM I.T.N.S.-

(2) Sri Anwari Begum, H. No. 10-2-347/B Near Asifnagar, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 7th February 1975

Ref. No. RAC. No. 95/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22-8-298 situated at Nayapul, Hyderabad (and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-6-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) of respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:---

(1) Sri Syed Abdul Wahab, H. No. 6-2-977, Khairtabad Hyderabad.

Date: 7-2-1975

Seal:

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: 2/25th share in No. 22-8-298, State Talkies, near Nayapul Hyderabad (portion of it) . Area: 78556 Sq. Mets.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

29-486 GI/74

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kumari Shaheen Begum, H. No. 102-347/B, Asifnagar, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 7th February 1975

Ref. No. RAC. No. 99/7475.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the Competent Authority under

Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 22-8-298 (Portion) situated at Nayapul, Hyderabad and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

Hyderabad on 196-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Sri Abdul Hameed, "Gultisthan" at Khairtabad, Hyderabad. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property: No. 22-8-398, State Talikes, (Portion) at Nayapul, Hyderabad (2/25 share)

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-2-1975

Seal ;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shahnawaz Begum, H. No. 10-2-347/B, Asifnagar Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 7th February 1975

Ref. No. RAC. No. 96/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the Competent Authority under section 269B of the acome-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe the immovable property, having a fair market value

the immovable property, having a fair market value ceding Rs. 25,000/- and bearing to 22-8-298 (Portion) situated at Nayapul, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 17-6-1974 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sri Syed Abdul Hameed, H. No. 6-2-977, Khirtabad, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: 2/25th share No. 22-8-298, State Talkles. (Portion) near Nayapul, Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-2-1975

Scal:

(Transferor)

FORM ITNS———

Smt. Amtul Kareem,
 H. No. 10-1-123/B, Masab Tank,
 Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Anwari Begum,H. No. 102-347/B, Asifnagar,Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th February 1975

Ref. No. RAC. No. 97/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 22-8-298 (Portion) situated at Nayapul, Hyderabad (and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 19-6-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chappter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income_tax Act. 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the se able property within 45 days from the d publication of this notice in the Official ate.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: No. 22-8-298 State Talkies, (Portion), near Nayapul, Hyderabad (1/25 share).

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-2-1975

Seal:

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1975